

www.rashtriyamukhyadhara.com राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

नहाए खाय से छठ पर्व का हुआ आगाज

हिन्दी दैनिक

नहाए खाए से आज मंगलवार की सुबह छठ पर्व की शुरुआत हो गई है। छंठ पर्व की शुरुआंत कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से हो जाती है। इसके साथ ही सूर्य देव और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस पर्व को मुख्य रूप से महिलाएं अपनी संतान की सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए मनाती हैं। इस वर्ष, छठ पजा का पहला दिन 'नहाय खाय' है, जो इस पर्व को मनाने वालों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। नहाय खाय के दिन, मंगलवार सुबह 6:39 बजे सूर्योदय और शाम 5:41 बजे सूर्यास्त होगा। इस दिन व्रति महिलाएं गंगा नदी में स्नान-ध्यान के बाद सूर्य देव की आराधना करती हैं। इसके बाद घर में कद्द और चने की दाल से भोजन तैयार किया जाता है। नहाय खाय का अर्थ है स्नान के बाद भोजन



करना। इस दिन व्रत रखने वाली महिलाएं नदी या तालाब में स्नान करती हैं और फिर भात, चना दाल और कद्दु या लौकी का प्रसाद बनाकर ग्रहण करती हैं। यह भोजन साधक में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और व्रति को पवित्रता की ओर

छठ पूजा का महत्व : छठ प्रियजनों की समृद्धि, सुख और पूजा, जिसे डाला छठ के नाम से दीर्घायु के लिए प्रार्थना करते हैं।

देशवासियों को दी शुभकामनाएं **नई दिल्ली**। उत्तर प्रदेश और

बिहार की लोक आस्था का पर्व छठ मंगलवार को नहाय खाए से शुरू हो गया है जो की आठ नवंबर तक चलेगा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरु छठ महापर्व की सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी है । उन्होंने छठ पर्व अनुष्ठान के सफलतापूर्वक संपन्न होने की कामना भी की । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि महापर्व छठ में आज नहाय-खाय के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी शुभकामनाएं। विशेष रूप से सभी व्रतियों को मेरा अभिनंदन। छठी मइया की कृपा से आप सबका अनुष्ठान सफलतापूर्वक संपन्न हो, यही कामना है।

पीएम ने छठ महापर्व की सभी

दिल्ली में अगले 10 दिनों तक प्रदूषण बढ्ने का अनुमान, रोकथाम और निगरानी के

लिए 588 टीमें तैनात

नर्ड दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में 33 विभागों के साथ प्रदूषण की रोकथाम को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक राजधानी में अगले 10 दिन तक प्रदूषण बढ़ने वाला है। ऐसे में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सभी विभागों को सतर्क किया है। 6 नवंबर से 6 दिसंबर 2024 तक खुले में कोई आग ना जलाए, इसके लिए एंटी ओपन बर्निंग अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 588 टीमों का गठन किया गया है। गोपाल राय ने कहा कि दिवाली के बाद दिल्ली और उत्तर भारत के राज्यों में एक्यूआई का स्तर 300-400 बना हुआ है लेकिन एक्सपर्ट का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में मौसम प्रतिकूल हो रहा है, तापमान कम हो रहा है। ऐसे में एक्यूआई का स्तर बढ़ने पर कैसे विंटर एक्शन प्लान के नियमों को दिल्ली में लागू किया जाए, इसके लिए दिल्ली के 33 विभागों के साथ बैठक की गई। इस बैठक में अभी तक प्रदुषण रोकने के लिए किए गए कार्रवाई की समीक्षा की गई और आने वाले दिनों में कैसे सक्रियता और सतर्कता से प्रदूषण पर लगाम लगाकर रखी जाए, इस पर चर्चा की गई। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि सभी विभागों से कहा गया है कि वह प्रदुषण के रोकथाम के लिए काम कर रही अपनी-अपनी टीमों के साथ भी बैठक करें और अगले 10 दिन तक उन्हें भी अलर्ट रखें।

स्वास्थ्य क्षेत्र 'विकसित भारत' का आधार बनने जा रहा है: प्रो. वीके पॉल

सदस्य प्रो. वी.के. पॉल ने मंगलवार को कहा कि सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को अगले स्तर पर ले जाने के लिए पूरी तरह से पुनर्जीवित करने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "हम केवल एक योजना नहीं चला रहे हैं, बल्कि संपूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का निर्माण कर रहे हैं, जो भविष्य के लिए तैयार होगी और 2047 तक हमारे देश की विकसित भारत यात्रा में सहायक होगी।" नीति आयोग के सदस्य प्रो. वीके पॉल ने नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 'स्वस्थ भारत, विकसित भारत' थीम पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। 'फिक्की हील 2024' को संबोधित करते हए प्रो. पॉल ने कहा कि 'विकसित भारत' का अर्थ 32 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय में 2,500 डॉलर से 18,000 डॉलर तक की वृद्धि भी है। प्रो. पॉल ने कहा कि 'विकसित भारत' बनने की यात्रा के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र इसका आधार बनने जा रहा है। उनुहोंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को सक्षम बनाने के लिए अन्य क्षेत्रों



में मदद करेगी और सरकार 2047

तक चिकित्सक अनुपात और बिस्तर

अनुपात को बढ़ाने के साथ-साथ

रखती है। उनुहोंने आयुष्मान भारत कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने पर प्रकाश डालते हुए कहा, "आयुष्मान भारत वय वंदना कार्ड के साथ 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत का विस्तार किया गया है। इस अवसर पर फिककी की स्वास्थ्य सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ हर्ष महाजन और अध्यक्ष, महाजन इमेजिंग लैब्स ने कहा. स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और भविष्य कहने वाला विश्लेषण का लाभ उठाता है, जिससे भारत के दूरदराज के इलाकों में भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ हो जाती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में यह डिजिटल क्रांति पूरी तरह से 'डिजिटल इंडिया' और 'स्वस्थ भारत' दोनों की भावना

सूचना

लोकआस्था के महापर्व छट पर सभी विज्ञापनदाताओं, हॉकर बंधुओं को हार्दिक शुमकामनाएं।



सीएम योगी को फिर मिली जान से मारने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

लखनऊ। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को

फिर जान से मारने की धमकी मिली है, जिससे प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। इस बार यह धमकी एक्स पर मिली है। गोरखपुर पुलिस के एक्स हैंडल पर एक व्यक्ति ने सीएम योगी को



जान से मारने का धमकी भरा संदेश भेजा है। जानकारी के मुताबिक गोरखपुर निवासी रियाजुल हक अंसारी नामक व्यक्ति ने अपने अकाउंट सैफ अंसारी से ट्वीट करते हुए लिखा- मैं भी मारूंगा योगी को। इस ट्वीट को देखकर एक संस्था ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। गोरखपुर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एसपी ने जानकारी दी कि आरोपी के सोशल मीडिया अकाउंट को ट्रेस किया जा रहा है और जल्द ही उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना उस समय सामने आई है जब कुछ दिन पहले ही मुंबई में सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक महिला फातिमा को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा है कि फातिमा मानसिक रोगी है, लेकिन यूपी एटीएस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। योगी को लगातार मिल रही धमिकयों के बाद प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

अमेरिका में कमला-ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर

त्योहार है जो मुख्य रूप से बिहार,

झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में

मनाया जाता है, लेकिन अब यह पर्व

देश और विदेश में भी बड़े धूमधाम

से मनाया जाने लगा है। छठ पूजा के

अवसर पर घाटों पर विशेष चहल-

पहल होती है, और भक्त अपने

अमेरिका के लिए आज का दिन काफी अहम है। अमेरिका का अगला राष्ट्रपति कौन होगा। आज के वोटिंग से तस्वीर साफ हो जाएगी। मंगलवार से अमेरिका में वोटिंग शुरू होगी और यह अगले दिन यानी बुधवार सुबह तक जारी रहेगी। क्योंकि मुकाबला काफी करीबी है, ऐसे में नतीजे सामने आने में वक्त भी लग सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए कुछ घंटों बाद ही वोटिंग शुरू होने वाली है। कमला हैरिस बाजी मारेंगी या डोनाल्ड ट्रंप का कमबैक होगा... अमेरिका के



फाइट काफी टफ है। मुकाबला पूरी तरह से 50-50 वाला लग रहा है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव दिलचस्प हो गया है। रिपब्लिकन की ओर से जहां डोनाल्ड टंप मैदान में हैं। वहीं डेमोक्रेट ने कमला हैरिस को :निया की नजर है। उम्मीदवार बनाया है। ट्रंप की ओर से जहां अब तक के सर्वे की मानें तो डेमोक्रेट कमला उपराष्ट्रपति पद के लिए जेडी वेंस कैंडिडेट हैं हैरिस और रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप के बीच तो कमला की ओर से टिम वाल्ज।

डोनाल्ड ट्रंप बोले- मैं चुनाव हार भी सकता हं,लेकिन जो होगा काफी रोचक होगा

डोनाल्ड ट्रंक अपनी बेवाकी टिप्पणी के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। ट्रंप विरोधियों के अलावा खुद के लिए भी बोलने से पीछे नहीं हटते हैं। बीते रोज उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान साफ कह दिया कि हां मैं राष्ट्रपति का चुनाव हार भी सकता हूं। उन्होंने कहा है कि वह हार भी सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि बुरी चीजें होती हैं। इस दौरान ट्रंप से पूछा गया था कि क्या आपको लगता है कि आप यह चुनाव हार भी सकते हैं? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा था, 'हां, मुझे लगता है तुम जानते हो'। इसके बाद ट्रंप ने कहाकि मुझे लगता है कि मैं हार सकता हूं। लेकिन मेरा मानना है कि मेरे पास अच्छी-खासी लीड है। लेकिन कुछ चीजें हो जाती हैं। ट्रंप ने आगे कहाकि जो भी हो, यह

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति लिए मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच है। पिछले चुनाव में तत्कालीन राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने डाक से मिले मतपत्रों में धांधली का आरोप लगाया था। इस बार ट्रंप ने अपने समर्थकों से मतदान केंद्रों पर पहले से चौकस रहने का आह्वान किया है। अमेरिका में राष्ट्रपति के लिए मतदान बेशक पांच नवंबर को होगा. लेकिन इसके परिणामों की घोषणा में कई दिन लग सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि नये राष्ट्रपति जनवरी 2025 में पद की शपथ लेगा। गौरतलब है अमेरिकी चुनाव में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला बेहद करीबी हो चला है। ऐसे में चुनावी नतीजे आने काफी रोचक होने वाला है। अमेरिका में नए में समय भी लग सकता है। हालांकि ट्रंप का राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार (पांच कहना है कि मंगलवार रात तक देश के लोगों नवंबर) को मतदान होगा। राष्ट्रपति चुनाव के को विजेता के बारे में पता चल जाएगा।

एशिया को मजबूत बनाने में बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा की आवश्यकता : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एशिया को मजबूत बनाने में बौद्ध धर्म की भूमिका को लेकर कहा कि हमें इस बात पर चर्चा की आवश्यकता है कि बौद्ध धर्म एशिया और दुनिया में वास्तविक शांति कैसे ला सकता है। एक ऐसी शांति जो न केवल शारीरिक हिंसा से मुक्त हो बल्कि सभी प्रकार के लालच और घृणा से भी मुक्त हो। राष्ट्रपति ने मंगलवार को नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को संबोधित करते



संसद का शीतकालीन सञ्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिज् ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने केन्द्र सरकार की सिफारिश पर 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संसदीय कार्य की अत्यावश्यकताओं को देखते हुए सत्र की अवधि कम ज्यादा हो संकती है। 26 नवंबर (संविधान दिवस) पर संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम आयोजित



हुए विश्वास व्यक्त किया कि शिखर सम्मेलन बुद्ध की शिक्षाओं की हमारी साझा विरासत के आधार पर हमारे सहयोग को मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। उन्होंने कहा कि भारत धर्म की पवित्र भूमि है। हर युग में भारत में महान गुरु और रहस्यवादी, द्रष्टा और साधक हुए हैं जिन्होंने मानवता को अंदर शांति

बोधि वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ गौतम का ज्ञान प्राप्त करना इतिहास में अद्वितीय घटना है। उन्होंने न केवल मानव मन के कामकाज के बारे में अतुलनीय समृद्ध अंतर्दृष्टि प्राप्त की, बल्कि उन्होंने बहुजन सुखाय बहुजन हिताय की भावना से सभी लोगों के साथ इसे साझा किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सदियों से यह स्वाभाविक ही रहा है कि अलग-अलग साधकों ने बुद्ध के प्रवचनों में अलग-अलग अर्थ निकाले और इस तरह कई तरह के संप्रदाय उभरे। व्यापक वर्गीकरण में,

का अद्वितीय स्थान है। बोधगया में हैं। इसके अलावा, बौद्ध धर्म का ऐसा उत्कर्ष इतिहास के विभिन्न कालखंडों में कई दिशाओं में हुआ। एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में धम्म के इस प्रसार ने एक समुदाय, एक बडा संघ बनाया। एक तरह से बुद्ध के ज्ञान की भूमि भारत इसका केंद्र है। लेकिन, ईश्वर के बारे में जो कहा जाता है, वह इस बड़े बौद्ध संघ के बारे में भी सच है, इसका केंद्र हर जगह है और परिधि कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जब दनिया कई मोर्चों पर अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है. न केवल संघर्ष आज हमार पास थरवाद, महायान । बाल्क जलवायु सकट भा ता एक और बाहर सद्भाव खोजने का मार्ग और वज्रयान परंपराएं हैं, जिनमें से बड़े बौद्ध समुदाय के पास मानव दिखाया है। इन पथ प्रदर्शकों में बुद्ध प्रत्येक में कई विचारधारा व संप्रदाय जाति को देने के लिए बहुत कुछ है।

सरकार हर निजी संपत्ति पर दावा नहीं कर सकती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्राइवेट प्रॉपर्टी पर सरकारी अधिकार के मामले पर एक अहम फैसला सुनाया है। इस फैसले से नागरिकों के संपत्ति अधिकारों की रक्षा को मजबती मिलती है। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया है कि सरकार हर निजी संपत्ति पर दावा नहीं कर सकती, जब तक कि उस संपत्ति का उपयोग सार्वजनिक हित के लिए न किया जा रहा हो। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों वाली बेंच ने मंगलवार को निजी संपत्ति मामले



जुड़े हैं और जो समुदाय के पास हैं। इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने जस्टिस कृष्णा अय्यर के पिछले फैसले को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि 1978 के बाद के कई फैसले, जिनमें समाजवादी सिद्धांत को अपनाया गया था, उन्हें पलट दिया गया है।

जिस जमीन से लोग ताजमहल के दीदार करते हैं उस पर

किसान ने दावा ठोका

आगरा। आगरा में ताजमहल के निकट स्थित ग्यारह सीढ़ी पार्क को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। कछपुरा के निवासी किसान मुन्ना लाल ने दावा किया है कि इस पार्क में उनकी पुश्तैनी जमीन का एक हिस्सा है, जिस पर उन्होंने 40 वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अधिकार प्राप्त किया है। उनका कहना है कि यह जमीन उनके पूर्वजों द्वारा उपयोग की जाती थी और इसके लिए उनके पास सभी कानूनी दस्तावेज भी मौजूद हैं। मुन्ना लाल के अनुसार, उनकी जमीन पर पहले उनके पिता और चाचा खेती करते थे। लेकिन 1976 में भूमि सीलिंग के कारण यह जमीन उनके हाथ से निकल गई। इसके बावजूद, उन्होंने न्यायालय में अपने स्वामित्व का दावा किया और 1998 और 2020 में जारी दस्तावेजों में भूमि का ट्रांसफर उनके पक्ष में दर्ज किया गया है। हाल ही में, मुन्ना लाल ने पार्क के अंदर छह

बीघा जमीन जोत दी है।

लोक गायिका शारदा सिन्हा का निधन

अपनी मधुर आवाज के लिए 'बिहार कोकिला' के नाम से प्रसिद्ध पद्म भूषण से सम्मानित शारदा सिन्हा (Sharda Sinha) का आज निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। एम्स ने शारदा सिन्हा के निधन की पुष्टि की है। वह 11 दिनों से एम्स में भर्ती थीं।

राज्य केवल उन संसाधनों पर दावा

वह पिछले छह वर्षों से ब्लड कैंसर से जुझ रही थीं। पिछले दिनों उनकी तबीयत बिगड़ने पर 26 अक्टूबर को एम्स में भर्ती किया

शारदा सिन्हा को सोमवार रात से दिल्ली के एम्स में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। उनके बेटे अंशुमान सिन्हा ने दोपहर को ही इस बारे में जानकारी दी थी।

पद्म भूषण से सम्मानित गायिकाशारदा सिन्हा मैथिली और



भोजपुरी की एक प्रसिद्ध लोक गायिका थी, जिन्हें बिहार कोकिला के नाम से भी जाना जाता है। उनके छठ पूजा के गीत बहुत लोकप्रिय हैं, लेकिन उन्होंने हिंदी फिल्मों में भी अपनी आवाज दी है। उनकी पहचान एक ऐसी गायिका की थी जो अपनी मिठास भरी आवाज से लोगों के दिलों पर छाप छोड़ती थी।

खरीफ की मुख्य फसलों के १६४७ लाख टन रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन का प्रथम अग्रिम अनुमान जारी

नर्ड दिल्ली । कृषि एवं किसान कलयाण विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए मुख्य कृषि फसलों (केवल खरीफ) के उत्पादन के प्रथम अग्रिम अनुमान जारी कर दिए गए हैं। ये अनुमान मुख्यतः राज्यों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार किये गये हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि राज्यों से प्राप्त फसलों के क्षेत्रफल को रिमोट सेंसिंग, साप्ताहिक फसल मौसम निगरानी समूह और अन्य एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के साथ सत्यापित किया गया है। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने उद्योग और अन्य सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों के साथ वर्तमान खरीफ मौसम के लिए उनकी राय और विचार प्राप्त करने हेतु हितधारक परामर्श करने की पहल की है। अनुमानों को अंतिम रूप देते समय इन पर भी विचार किया गया है। पहली



बार डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत राज्य सरकारों के सहयोग से किए जा रहे डिजिटल क्राप सर्वे (डीसीएस) के आंकडों का उपयोग क्षेत्रफल के अनुमानों को तैयार करने के लिए किया गया है। यह सर्वे, जो मैनुअल गिरदावरी प्रणाली को प्रतिस्थापित करने के लिए परिकल्पित किया गया है, मजबूत फसल क्षेत्रफल अनुमान प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा राज्यों जिसमें खरीफ 2024 में शत प्रतिशत जिलों को डीसीएस के

अंतर्गत कवर किया गया है। परिणामस्वरूप विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में चावल के अंतर्गत क्षेत्रफल में काफी वृद्धि हुई है। प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2024-25 के दौरान कुल खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1647.05 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के खरीफ खाद्यात्र उतुपादन की तुलना में 89.37 लाख टन अधिक एवं औसत खरीफ खाद्यात्र उत्पादन की तुलना में 124.59 लाख टन अधिक है। चावल, ज्वार और मक्का के अच्छे उत्पादन के कारण खाद्यात्र उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई। वर्ष 2024-25 के दौरान खरीफ चावल का उत्पादन 1199.34 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के खरीफ चावल उत्पादन से 66.75 लाख टन अधिक एवं औसत खरीफ चावल उत्पादन से 114.83 लाख टन अधिक है।

यह चुनाव राज्य की अस्मिता को बचाने का अवसर है : अमर कुमार बाउरी

के लिए झारखंड में राजनीतिक संघर्ष तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष और चंदनिकयारी विधायक अमर कुमार बाउरी ने मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सरकार की नीतियों पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राज्य की अस्मिता को बचाने का अवसर है, जहां हेमंत सोरेन की सरकार ने खनिज संपदा, बालू, और युवाओं के सपनों की लूट की है। बाउरी ने कहा कि जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है और इस बार भाजपा को सत्ता में लाना चाहती है, जो विकास और अंत्योदय को प्राथमिकता देती है। बाउरी ने बताया कि 2024 के विधानसभा चुनाव में झारखंड में पहले चरण का मतदान 13 और दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होगा। भाजपा ने इस चुनाव में अपने 25 संकल्पों के साथ जनता के बीच प्रचार शुरू कर दिया है, जिसमें बाबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पंच प्रण के माध्यम से चुनावी मुहिम की शुरुआत की है और यह समय है कि जनता अपने वास्तविक हितों की रक्षा के लिए आगे आए। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन की सरकार ने चुनाव से पूर्व जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया। चाहे युवाओं को नौकरी देने की बात हो, बुजुर्गों के लिए पेंशन का लाभ हो या किसानों की ऋण माफी, सभी वादे अधूरे हैं। इसके विपरीत, भाजपा ने अपने



को भरने का वादा किया है और पहले वर्ष में ही डेढ़ लाख सरकारी नौकरियों पर नियुक्तियां करने का संकल्प लिया है। महिला सशक्तिकरण पर बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने 2019 में दिए गए वादों को भी भूला दिया। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि 'गोगो दीदी योजना' के तहत हर माह 2100 रुपये माताओं और बहनों के खाते में सीधे भेजे जाएंगे। इसके साथ ही, महिलाओं को सस्ती रसोई गैस और विशेष अवसरों पर मुफ्त सिलेंडर देने की योजना भी है। बाउरी ने यह भी कहा कि भाजपा युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 2000 रुपये प्रति माह देगी और 21 लाख परिवारों के लिए पक्के मकान का निर्माण करेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड में बालू की कीमत इतनी बढ़ गई है कि आम जनता इसे

को निशुल्क बालू देने का वादा कर रही है। बांग्लादेशी घुसपैठ पर चर्चा करते हुए बाउरी ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय ने इस बात की पृष्टि की है कि घूसपैठ राज्य और देश की संप्रभुता के लिए खतरा बन गई है। भाजपा एक कठोर कानून बनाने का वादा कर रही है, जिससे घुसपैठियों द्वारा कब्जाई गई भूमि को मुक्त किया जाएगा और आदिवासी बेटियों के साथ शादी करने वाले घुसपैठियों को आदिवासी का दर्जा नहीं दिया जाएगा। भाजपा ने अपने अन्य संकल्पों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक रुपये की स्टांप ड्यूटी को बहाल करने, बीएड, नर्सिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में निःशुल्क शिक्षा देने का वादा किया है। इसके अलावा, आदिवासी और सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए अनुदान

बाउरी ने बताया कि झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 10 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज और हर जिले में नर्सिंग प्रशिक्षण कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 साल से ऊपर के व्यक्तियों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही, भाजपा ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाने का संकल्प लिया है। इसके साथ ही, नक्सलवाद को समाप्त करने की योजना भी बनाई गई है। भाजपा ने ग्रामीण विकास और महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं प्रस्तुत की हैं. जिनमें से कुछ में महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता और स्वास्थ्य सुरक्षा शामिल है। इसके अलावा, आदिवासी समुदायों के विकास के लिए भी कई कदम उठाए जाने की योजना है। बाउरी ने कहा कि चुनाव में झारखंड की जनता को भाजपा के संकल्पों को समझना होगा और एक मजबूत और विकासोन्मुख सरकार चुनने का निर्णय लेना होगा। भाजपा इस चुनाव में एक विकासात्मक दृष्टिकोण के साथ जनता के बीच जाएगी और विश्वास दिलाएगी कि राज्य के विकास के लिए यह सही दिशा है। वास्तव में, झारखंड के विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे न केवल राज्य की राजनीति को प्रभावित करेंगे, बल्कि राज्य के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे।

तैयारी चुनाव की - सोलह



रवि बाबू फिर से चिंताग्रस्त हो रामलाल को मिलने के लिए आने का संवाद भेजा . रामलाल ने उसी संवाद वाहक से तपाक से उत्तर भी भेज दिया कि चुनाव का समय चल रहा है . व्यस्त हुँ . समय मिलेगा तभी आकर मिलूँगा . रवि बाबू संदेश वाहक से उत्तर उनकर मुस्कुरा उठे . अब संदेश वाहन तनाव में आ गया . स्थिति भाँपते हुए उसे रवि बाबू ने समझाया - भाईसाहब , कोई चुनाव में उम्मीदवार न होते हुए व्यस्त रहे तो समझो उस पर माता लक्ष्मी की कृपा बरस रही है . रात्रि साढे ग्यारह बजे जब रवि बाबू सो चुके थे तब कहीं जाकर रामलाल आए . आते ही रामलाल से रवि बाबू के एक गंभीर नीतिगत प्रश्न पूछ डाला . रवि बाबू बोले - चुनाव में उम्मीदवार जीतने के लिए इतना पैसा खर्च क्यों करता है और अधिकतर अपनी दिखाई गयी सम्पत्ति से दस गुना खर्च करता कहाँ से है ? रामलाल बोले - आपका प्रश्न मौलिक है . यह जिज्ञासा सभी भारतवासियों की है . अभी सोमरस पान से मेरा मुड फ्रेश है . आपको समझाता हूँ . कल ही समझाया है कि राजनीति की माता अर्थशास्त्र है . राजनीति एक सेवा है , यही भ्रम जनता में स्वतन्त्रता

और उसकी आड़ में व्यापार फलता - फूलता रहा . गरीबी हटाओ जपते - जपते सारे नेता अरबपति - खरबपति होते चले गए और गरीबों की स्थिति और पतली होती चली गयी . उनका तर्क था कि गरीब गरीब बने रहेंगे तभी तो गरीबी हटाने का हमारा व्यापार चलता रहेगा . लेकिन अब सचमच गरीबी हटने लगी तो उन व्यापारियों की पुश्तें घबराने लगीं हैं . उनकी राजनीति के व्यापार में आय दस वर्षों से बंद है . व्याज का कुछ अंश खर्च होता जा रहा है . चुनाव में उम्मीदवार खर्च नहीं करते . आप अपनी मानसिकता बदलिए . उम्मीदवार राजनीति के व्यवसाय में चनाव के समय निवेश करता और कराता है . इस व्यवसाय में विजयी हुए तो निवेश की राशि छः माह में निकाल लेते हैं . अगले छः माह में पाँच वर्ष के बाद होने वाले चुनाव की निवेश राशि बढ़ोत्तरी के क्रम में कमा कर रख ली जाती है . बाकी के पूरे चार वर्षलाभ ही लाभ . जिसका जितना सामर्थ , जितनी व्यावसायिक बुद्धि , जितना अवसर उतना ही लाभ . पाँच वर्षों तक वेतन भत्ते सामयिक निवेश में जमा होते हैं . सारे खर्च जनता के माथे . अगली बार न भी विजयी हए तो जीवन भर पेंशन . अब रही बात चुनाव में खडे होकर बैठने की तो यह भी अल्पकालिक निवेश है , जिसमें चंद दिनों में हजार - लाख गना रिटर्न . मालदार उम्मीदवार से मोटा माल लेकर बैठ जाओ . चाँदी ही चाँदी . बस परिस्थिति यह दिखा देना है कि कम से कम दस हजार वोट पर चोट तो कर सकते हैं फिर माल लेकर सम्मान से बैठ जाओ रिव बाबू इस रहस्योद्घाटन से हतप्रभ रह गए

बोले - वैसे भाईसाहब यह बढ़िया व्यापार है

झारखंड में भाजपा खोलेगी 10 मेडिकल कॉलेज, सभी वर्गों के सशक्तिकरण का रोडमैप

गिरिडीहः भाजपा का संकल्प पत्र जारी होने के बाद मंगलवार को गिरिडीह के धनवार में भाजपा प्रत्याशी और प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने प्रेसवार्ता की। इस दौरान जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, मुकेश जालान, विनय सिंह, नवीन सिन्हा और राजेश जायसवाल भी मौजूद थे। प्रेसवार्ता में बाबुलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र राज्य के विकास के लिए एक ठोस रोडमैप है, जो सभी वर्गों को सशक्त करेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार के गठन के बाद राज्य में 10 नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे, जिससे डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी। साथ ही, युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में सिर्फ घोषणाएं की गईं, लेकिन रोजगार सृजन नहीं हुआ। मरांडी ने कांग्रेस पर भी तंज कसते हुए कहा कि खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस शासित राज्य वही घोषणाएं करें, जिन्हें पूरा किया जा सके। इससे जाहिर होता है कि कांग्रेस कितनी

में सक्षम है।



संथाल परगना और झारखंड में बांग्लादेशी घसपैठ के मद्दे पर मरांडी ने हेमंत सरकार और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की नीति के चलते राज्य में एक साजिश के तहत संथालियों की संख्या घट रही है, जबकि 2011 की जनगणना के स्लिम आबादी में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलते हुए मरांडी

ने कहा कि भाजपा की गैरमौजूदगी में राज्य में भ्रष्टाचारी और जमीन माफिया सक्रिय हैं। उन्हें विश्वास है कि इस चुनाव में धनवार की जनता उन्हें फिर से समर्थन देगी, जैसा कि 2004, 2006, 2009 और 2014 में देती आई है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड का जनता हमत सरकार स उब चका ह आर बदलाव के लिए भाजपा को समर्थन देगी।

एक औरंगजेब ने देश, एक आलमगीर ने झारखंड को लूटा' : योगी आदित्यनाथ

कोडरमा : जिले के डोमचांच में मंगलवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया। योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और झामुमो के नेताओं पर तीखे आरोप लगाए और भाजपा को देश की सुरक्षा, विकास और स्वाभिमान की गारंटी बताया। योगी ने सभा में मुगल शासक औरंगजेब का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता आलमगीर आलम पर निशाना साधते हुए कहा, "एक औरंगजेब था जिसने देश को लूटा, और एक आलमगीर है जिसने झारखंड को लट लिया। उनके घर से नोटों की गड्डी मिली थी।'' योगी ने कहा कि भाजपा ही देश के स्वाभिमान. यवाओं के रोजगार, महिलाओं के सम्मान और विरासत के संरक्षण की सच्ची गारंटी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे राज्य के भविष्य के लिए भाजपा को समर्थन दें। मुख्यमंत्री योगी ने राम मंदिर के कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी. गायब हो गए, उसी प्रकार झारखंड तब राम मंदिर निर्माण में कई बाधाएं



सोरेन की सरकार रोजगार देने में बात है। योगी ने कहा कि झारखंड विफल रही है और भाजपा अगले पांच साल में राज्य के युवाओं को 5 के लोग चुनाव के बाद अयोध्या जाकर रामलला का दर्शन करें। लाख रोजगार देगी। उन्होंने राष्ट्रीय योगी ने माफिया और अपराध के सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि खिलाफ उत्तर प्रदेश में किए गए आज भारत के मजबूत नेतृत्व के सख्त कदमों का भी उल्लेख किया। कारण पाकिस्तान और चीन दोनों उन्होंने कहा, "2017 के बाद युपी ही भारत का सामना करने से घबराते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र में बुलडोजर चला, कुछ माफिया जेल में हैं और कुछ का राम नाम मोदी द्वारा कश्मीर में किए गए सत्य हो गया। यूपी से माफिया का सफाया हो चुका है।'' उन्होंने कि भाजपा की डबल इंजन सरकार निर्माण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जैसे यूपी में माफिया से झारखंड में विकास तेज होगा। सभा के अंत में योगी आदित्यनाथ म भा भाजपा सत्ता म आकर न कांडरमा स भाजपा प्रत्याशा डा. आईं। लेकिन आज भाजपा के अपराधियों का सफाया करेगी। नीरा यादव और बरकड़ा से अमित किया गया।

यादव के लिए वोट मांगा। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, कोडरमा प्रत्याशी डॉ. नीरा यादव, बरकड्टा के अमित यादव सहित अन्य नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री शिवेंद्र नारायण और अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनूप जोशी ने की। बड़कागांव ँ में राजनीति के खिलाफ की अपील-बड़कागांव में भाजपा प्रत्याशी रौशन चौधरी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी ने जाति-आधारित विभाजन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, "जातियों में बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे।'' योगी ने लोगों से जातिवाद से ऊपर उठकर भाजपा को समर्थन देने की अपील की और कहा कि भाजपा विरोधी दल समाज को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ की इन रैलियों में भाजपा को मजबूत समर्थन देने और प्रदेश में कानून व्यवस्था, विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा की बातों पर जोर देने के साथ ही लोगों

खड़गे का भाजपा पर हमलाः 'संविधान बदलने की फिराक में है भाजपा'

रांचीः कांग्रेस अध्यक्ष मिल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को मांडू में कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में भाजपा और एनडीए पर जमकर निशाना साधा। खडगे ने भाजपा पर कांग्रेस की योजनाओं की नकल करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी अपनी कोई सोच या योजना नहीं है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने कर्नाटक में भाग्यलक्ष्मी योजना चलाई थी, जिसे भाजपा ने गोगो दीदी और लाडली बहना जैसी योजनाओं में बदलकर लागू किया। सभा में खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर झूठे वादे करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अपने वादों को पूरा नहीं करती है। उन्होंने आशंका जताई कि अगर लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल गया, तो वे संविधान तक बदल सकते हैं। खड़गे ने ओबीसी और आदिवासियों को आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। झारखंड में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव हेमंत सरकार ने भेजा था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया। खड़गे ने जनता से अपील की कि वे भाजपा के झूठे वादों के झांसे में न आएं और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें।

वाईबीएन यूनिवर्सिटी के संचालक के आवास से 67 लाख नकदी और निवेश के कागजात बरामद

रांची। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रांची पुलिस ने मंगलवार को शहर के नामकुम स्थित वाईबीएन यूनिवर्सिटी के संचालक रामजी यादव के तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। मिली जानकारी के अनुसार, अवैध नकदी की सूचना पर नामकुम स्थित यूनिवर्सिटी, मां कलावती अस्पताल और चुटिया थाना क्षेत्र के अमरावर्ती कॉलोनी स्थित संचालक के आवास में छापेमारी की गयी। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि छापेमारी के दौरान अबतक 67 लाख रुपये नकदी और जमीन में निवेश करने के कागजात बरामद किये गये हैं। पूरे मामले की जांच-पड़ताल जारी है। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर को इससे पूर्व रांची पुलिस ने नामकुम स्थित जीडी गोयनका स्कूल में छापेमारी कर एक करोड़ 14 लाख 99 हजार रुपये बरामद

भाजपा में बगावत पर कड़ा कदमः ३० नेताओं को ६ वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित

रांचीः भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशन में महामंत्री व सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने विधानसभा चुनाव में पार्टी नीतियों के खिलाफ जाकर अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लंडने वाले 30 भाजपा के बागी नेताओं को छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, जिन नेताओं को निष्कासित किया गया है, उनमें चंद्रमा कुमारी (पलामू), कुमकुम देवी (हजारीबाग), लक्ष्मी देवी (पलामू), जूली यादव (दुमका), बलवंत सिंह (लातेहार), अरविंद (खरसावां), बटेश्वर मेहता (हजारीबाग), भैय्या बांके



सिंह (पलाम्), हर्ष अजमेरा संतोष (हजारीबाग), हजारी प्रसाद साहू शिवचरण (रांची ग्रामीण), मिसिर कुजूर (गुमला), मिस्त्री सोरेन (पाकुड़), मुकेश कुमार शुक्ला (पाकुड़), पुष्परंजन (पलामू), राजकुमार (जमशेदपुर महानगर). रामावतार केरकेट्टा (रांची ग्रामीण), बिहारी (हजारीबाग), चितरंजन रामदेव हेम्ब्रम (पूर्वी सिंहभूम), साव (बोकारो), कर्नल संजय रामेश्वर उरांव (लोहरदगा), विनोद सिंह (पलामू) शामिल हैं।

(पाकुड़), शिवशंकर शिव शंकर सिंह (जमशेदपुर) सुरेंद्र मोदी (हजारीबाग), उपेंद्र यादव (गढ़वा), उमेश भारती (चतरा), विकास सिंह (जमशेदपुर महानगर), विमल बैठा (जमशेदपुर महानगर) और

हेमंत सोरेन सरकार ने झारखंड की जनता के हित में कई बड़े निर्णय लिए : मिल्लकार्जुन खरगे

हजारीबाग। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे ने मंगलवार को झारखंड में इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने हजारीबाग के मांडू विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे जयप्रकाश भाई पटेल के पक्ष में लोगों से वोट देने की अपील की। साथ ही राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही गठबंधन सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि सोरेन सरकार ने झारखंड की जनता के हित में कई बड़े निर्णय लिए।

भुखे लोगों को मिल रहा अन्न-भी हमला बोला। खासकर प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी वाले बयान के लिए उन्हें आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि 'ये मोदी की गारंटी है...'. कहां है आपकी गारंटी। खरगे ने कहा कि गारंटी कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने दी थी। उनकी वजह से भूखे लोगों को आज अन्न मिल रहा है। उन्होंने मनरेगा योजना की गारंटी दी थी। लोगों को साल 100 दिन के रोजगार

सोनिया गांधी की वजह से की गारंटी मिली थी। आज मोदी की सरकार इस योजना को खत्म करने में खरेंगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लगी हुई है। उन्होंने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'आपके वादों का कद भी आपके जैसा है। कभी भी नाप के देखों तो कम निकलता है। एससी-एसटी का आरक्षण

क्यों नहीं बढ़ाते- मल्लिकार्जुन ने कहा कि मोदी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की बात करते हैं। आदिवासियों की बात करते हैं। हेमंत सोरेन की सरकार ने 2022 में एससी-एसटी के आरक्षण को बढ़ाने का प्रस्ताव पास करके भेजा था।

झारखंड को ऊंचाई पर ले जाने वाला रॉकेट है बीजेपी – राजनाथ सिंह



रांचीः केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को रांची के रातू में एक चुनावी जनसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जमकर निशाना साधा। सिंह ने कहा कि भाजपा झारखंड के लिए एक शक्तिशाली रॉकेट है, जो राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने झारखंड के साथ भाजपा के गहरे संबंध की बात करते हुए कहा कि जब भी झामुमो ने राज्य की बागडोर संभाली, तब राज्य में बर्बादी ही आई। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "झामुमो का मतलब है - जमकर मलाई मारो," और आरोप लगाया कि इस दल ने के मार्ग में तीन बड़े अवरोधक हैं। आदिवासियों का शोषण किया है। भाजपा के किसी मुख्यमंत्री पर नहीं हुआ भ्रष्टाचार का

भाषण में झारखंड के अब तक के 13 मुख्यमंत्रियों का जिक्र किया और कहा कि भाजपा के किसी भी मुख्यमंत्री - बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुवर – पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा। भाजपा की विशेष उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि अलग राज्य के निर्माण का श्रेय भी भाजपा को ही जाता है।

झारखंड के विकास में ब्रेकर हैं झामुमो, कांग्रेस और राजद-सिंह ने कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद झारखंड के विकास प्रधानमंत्री मोदी की वजह से आज हैं। उन्होंने धनतेरस पर भारत का दोहराया।

आरोप-राजनाथ सिंह ने अपने विदेश में रखा 102 टन सोना वापस लाने की भी उपलब्धि गिनाई और कहा कि भारत अब विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है और जल्द ही तीसरे स्थान पर आ सकता है। आदिवासियों का सम्मान बढाने का काम किया भाजपा ने-केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा ने आदिवासियों का सबसे अधिक सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज से देश के सर्वोच्च पद पर राष्ट्रपति नियुक्त किए गए, बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है और 62,000 आदिवासी गांवों के विकास के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं। सिंह ने आदिवासियों की सुरक्षा और उनके विकास के पूरी दुनिया में भारत का नाम गूंज रहा प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को भी

संक्षिप्त समाचार

मतदाता-जागरुकता को ले बच्चों ने निकाली प्रभातफेरी



राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित संत पॉल मॉडर्न स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को मतदान को लेकर वोटरों को जागरूक करने को लेकर प्रभातफेरी निकाली। प्रभातफेरी स्कूल परिसर से निकल जीएम कॉलोनी, थाना चौक, हनुमान मंदिर, झारखंड चौक, गुरुद्वारा मार्केट सिंहत अन्य मोहल्ले से होकर स्कूल पहुंच समाप्त हो गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकायें मौजूद रहीं।

जांच टीम ने किया गरगा पुल के पास आगजनी स्थल का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : गरगा पुल के पास अस्थायी पटाखा दुकानों में हाल ही में हुए आगजनी की घटना के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच तेज कर दी है। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर डीडीसी गिरजा शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय जांच टीम ने मंगलवार को घटनास्थल का



जांच टीम ने आग लगने के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए मौके पर दुकानदारों से बातचीत की और घटनास्थल की बारीकी से जांच की। टीम ने आगजनी से हुए नुकसान का भी आकलन किया, जिसमें कई पटाखा दुकानों के जल जाने और सामग्री के नष्ट होने की पुष्टि हुई।

जांच के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढ़ांडा, सीटी डीएसपी आलोक रंजन, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, और जिला अग्निशमन पदाधिकारी भगवान ओझा समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

महिला सिमिति द्वारा जगन्नाथ मंदिर परिसर में सजावटी जलाशय का उद्घाटन

: शहर सौंदर्यीकरण हेतु श्रीमती अनिता तिवारी, अध्यक्षा महिला समिति, बोकारो ने मंगलवार को श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में सजावटी जलाशय का उद्घाटन किया। मुख्य मंदिर के दोनों तरफ



एक-एक फव्वारा मंदिर की शोभा बढ़ा रहा हैं तथा दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हैं। आज छठ पूजा के नहाए-खाए से समिति की कार्यकारिणी दल की उपस्थिति में अध्यक्षा द्वारा इसका शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मोनिका रंगानी, निशा श्रीवास्तव, प्रीति शरण सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी, सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार, अनीशा झा, प्रीति राजेश, जया, आशा, समिता ने दीप जलाया तथा पूजा अर्चना की।

डा. लंबोदर ने पदयात्रा कर किया जनसंपर्क, मांगे वोट

गोमिया (बोकारो) : गोमिया विधायक सह राजग समर्थित आजसू पाटी के उम्मीदवार डॉ लंबोदर महतो ने मंगलवार को क्षेत्र के धवैया, कंडेर, महुआटांड़, बड़की पुत्रू व छोटकी पुत्रू, गंगापुर और आसपास के



गांवों में में पदयात्रा कर जनसंपर्क किया। इस क्रम में उन्होंने एक-एक घर व लोगों से मिलकर गोमिया की उन्नति व प्रगति के लिए पुनः आशीर्वाद मांगा। कहा कि हमने गोमिया के लोगों के हितों का बराबर ध्यान रखा है और आगे भी रखेंगे। गोमिया के लोग तरक्की करें क्षेत्र उन्नति के मामले में आगे रहे, इसी इसी सोच के साथ काम करता हूं। गोमिया की जनता जल, जंगल, जमीन व माटी बेटी व रोटी की रक्षा करने वाली आजस पार्टी व एनडीए के साथ खड़ी है। लोगों का रुझान पूरी तरह से एनडीए के पक्ष में बना हुआ है। हमें यह यकीन है कि मेरे किए हुए कार्यों, सामाजिक सरोकार को लोग भूलेंगे नहीं और अपना आशीर्वाद हमें पुनः देंगे। इस दौरे में उनके साथ मुख्य रूप से अरविंद करमाली, आजसू पार्टी प्रखंड अध्यक्ष महेश महतो, आजसू पार्टी केंद्रीय सदस्य विक्रम साव, ईश्वर महतो, अजय महतो, हेमंत गुप्ता, शेखर महतो आदि शामिल रहे।

डीवीसी की जमीन पर अतिक्रमण मामले की इंस्पेक्टर ने की जांच



राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल की सिक्स यूनिट स्थित शंकर उत्क्रमित मध्य विद्यालय मेन गेट के सामने डीवीसी की जमीन पर अतिक्रमण कर निर्माण करने संबंधी मामले की जांच करने मंगलवार को स्थानीय थाना के इंस्पेक्टर शैलैंद्र कुमार सिंह पहुंचे। इंस्पेक्टर के साथ थाना के अनि अजीत कुमार एवं उप प्रमुख विनोद कुमार साहू, स्कूल की एचएम सीमा कुमारी, शिक्षक संजय कुमार एवं निर्माण करने वाला व्यक्ति सूरज साव भी थे। जांचोपरांत इंस्पेक्टर ने पाया कि उक्त जमीन डीवीसी की है, जिसे किसी दूसरे व्यक्ति ने सूरज को बेच दिया है और सूरज उक्त जमीन पर निर्माण करेना चाहता है। इंस्पेक्टर ने कहा कि डीवीसी की जमीन खरीदी और बेची नहीं जा सकती है। उक्त जमीन स्कूल मेन गेट के सामने है, इसलिए उन्होंने सूरज को उक्त जमीन पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य करने से मना कर दिया। स्कूल की एचएम ने मामले को लेकर पूर्व में लिखित शिकायत डीवीसी के एचओपी, डीजीएम,बेरमो एसडीएम, बेरमो सीओ सहित थाना के इंस्पेक्टर को की थी। एचएम ने लिखा था कि डीवीसी के सेनेटरी विभाग में कार्य करने वाले शिव शंकर राम द्वारा यहां अवैध रूप से एस्बेस्टस घर बनाया गया तथा बाद में उसे दूसरे को बेच दिया। वह व्यक्ति अब इसे तोड़ कर पक्का मकान बनाने की तैयारी कर रहा है।

डीवीसी चंद्रपुरा में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सत्यनिष्ठा, सतर्कता और जागरूकता में ही जीवन की सार्थकता : एचओपी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के प्रबंधन और सतर्कता विभाग द्वारा सप्ताह मंगलवार को संपन्न हो गया। सीटीपीएस के तेजस भवन के सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक समारोह में वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रमुख (एचओपी) विजय नंद शर्मा ने कहा कि जीवन को सार्थक और जागरूकता को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा से किए गए कार्यों को सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। शर्मा ने यह भी कहा कि संस्थान की उन्नति के लिए सत्यनिष्ठा, सतर्कता



इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक राम प्रवेश साह ने कहा कि मनुष्य पालन करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्थान और समाज के विकास के लिए हमें इन रहने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को सत्यनिष्ठा और हम सभी का दायित्व है, क्योंकि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं।

वरिष्ठ महाप्रबंधक अविजीत घोष कहा कि सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि का महत्व हमारे जीवन में अमृत के समान है। इस संस्कृति का समावेश होते ही मनुष्य, समाज और देश का विकास बिना किसी विलंब के होगा। समारोह का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक अभिषेक

प्रियदर्शी, दिलीप कुमार, आर.आर. ओझा, राजकुमार चौधरी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जबिक, मौके पर संजीव कुमार, बसंत कुमार महापात्रा, विनोद कुमार, मुकेश कुमार, सुबोध कुमार पासवान, कार्तिक कुमार महतो, अभिनंदन कुमार, रवि रंजन सिंह, रामजी रजक, राम सुधिष्ट स्नेही, चंदन कुमार, पवन कुमार, रंजीत कुमार चौबे. अक्षय कुमार, गुलाम मोईनुद्दीन, राजू गोराई, तनुश्री गोराई, प्रतिमा कुमारी, रिया गोराई, तान्या कुमारी, करीना कुमारी, नेहा कुमारी आदि को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व, पोपलो ग्राम पंचायत में सतर्कता जागरुकता को लेकर एक ग्राम सभा आयोजित की गई।

घोष ने किया। समारोह में के.एम.

प्रशासन ने आसमान में हॉट एयर गुब्बारा उड़ाकर मतदाताओं को किया जागरूक

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर के लिए जिला प्रशासन द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को समाहरणालय परिसर से हॉट एयर गुब्बारा उड़ाया गया। इस आयोजन की अगुवाई जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) श्रीमती विजया जाधव ने की। गुब्बारे पर मतदान से जुड़े स्लोगन और 20 नवंबर की मतदान तिथि प्रदर्शित की गई, ताकि अधिक से अधिक लोग मतदान करने के लिए प्रेरित

चास अनुमंडल में भी **हुआ आयोजन**- अनुमंडल कार्यालय चास परिसर में भी मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हॉट एयर गब्बारा उडाया गया। यहां निवार्ची पदाधिकारी अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री प्रांजल ढ़ांडा और अन्य



उपस्थित लोगों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया।

इस प्रकार के प्रयासों के माध्यम से जिले के 34 गोमिया, 35 बेरमो, 36 बोकारो, और 37 चंदनिकयारी विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं को मतदान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा

कसमार में एनडीए के चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार में मंगलवार को एनडीए के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया। गोमिया विधानसभा संयोजक

लक्ष्मण कुमार नायक, विधानसभा सह प्रभारी प्रह्लाद महतो, समाजसेविका कौशल्या देवी ने फीता काटकर गोमिया विधानसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी डॉ लंबोदर महतो के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। मौके पर गोमिया विधानसभा संयोजक लक्ष्मण कुमार नायक ने कहा कि इस बार

जोरदार लहर है। जनता व मतदाता झारखंड में बदलाव चाहती है। इस बार भाजपा एवं आजसू कार्यकर्ताओं ने पुनः कमर कस लिया है, इसलिए दोबारा गोमिया विधानसभा की सीट एनडीए के खाते में जाएगी।

उन्होंने पूरे प्रखंड में हर पंचायत के सभी बूथों के प्रभारियों से आह्वान किया कि वे आजसू पार्टी के चुनाव चिन्ह केला छाप में बटन दबाने को लेकर घर घर अभियान जारी रखें, ताकि गोमिया के एनडीए प्रत्याशी डॉ लंबोदर महतो को दोबारा रिकार्ड मतों से

पूरे झारखंड में एनडीए के पक्ष में जिताकर विधानसभा में भेजें।

इस दौरान कसमार प्रखंड प्रभारी संजय सिन्हा, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र नाथ महतो, राजेश पांडेय, परमेश्वर नायक, आनंद महतो, प्रताप सिंह, रामलाल ठाकुर, राजेश्वर महतो, भवानी मुखर्जी, अनीश जायसवाल, कमल किशोर कपरदार, अरविंद पांडेय, वीणा देवी, सुदामा महतो, शैलेंद्र भूषण शर्मा, रितेश रंजन तिवारी, रवि स्वर्णकार, एमएस मुखर्जी, चिन्मय मुखर्जी, किशोर महतो, गोपाल दसौंधी व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर सीआरपीएफ की टीम ने किया बूथों का निरीक्षण



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड विधानसभा चुनाव में कसमार प्रखंड के सभी पर शांति पूर्ण तरीके से मतदान के लिए केन्द्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी, ताकि मतदान सुरक्षित व निष्पक्ष संपन्न हो सके। मंगलवार को सीआरपीएफ कंपनी द्वारा कसमार

का निरीक्षण किया गया। कसमार थाना प्रभारी भजन लाल महतो की अगुवाई में सीआरपीएफ की टीम प्रखंड के अतिसंवेदनशील बूथ के हिसीम, केदला, त्रियोनाला व संवेदनशील बूथ पिरगुल सहित अन्य बूथों का जायजा लिया। इस दौरान जगह-जगह ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित किया गया और

की बात कही। सीआरपीएफ टीम के सुशील जोशी व थाना प्रभारी भजन लाल महतो ने ग्रामीणों से पूछा कि उन्हें वोट देने में किसी प्रकार की समस्या होती है तो जानकारी साझा करें। प्रशासन पूरी तरह निष्पक्ष चुनाव कराने में कटिबद्ध है। इस

नहाय-खाय का अनुष्ठान कर व्रतियों ने लिया छठ महाव्रत का संकल्प,खरना आज

- छठव्रतियों ने चना दाल व कहु की सब्जी तथा अरवा चावल से बने प्रसाद को किया ग्रहण
- घाट से लेकर घरों में छठ गीतों के बजने से माहील बना भीवतमय, बाहर से बड़ी सख्या में पहुंचे लोग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेड़ोः सूर्य उपासना के चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुवात मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में नहाय खाय के साथ महाव्रत का अनुष्ठान प्रारंभ हो गया। पहले दिन छठ व्रत करने वाले पुरुष व महिला परवैतिन ने अंतःकरण की शुद्धि के लिए जलाशयों में स्नान कर व्रत का संकल्प लिया। जहां परवैतिनों ने शुद्धता के साथ सेंधा नमक से बने चना दाल व कद्द की सब्जी तथा अरवा चावल का प्रसाद बनाया। पूजा के पश्चात व्रतियों ने छठ व्रत का संकल्प लेकर जाता है।छठ पूजा के तीसरे दिन वर्ती खुद कद भात का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों व स्वजनों के बीच कदू भात के प्रसाद का वितरण किया

रहे है।वर्तीयों द्वारा गाए जा रहे छठ गीत से पूरा माहौल भिक्तमय हो गया है।छठ व्रती महिला गेहूं चावल सूखा रही है।वही श्रद्धालु लोग दुकानों में घी,गुड़,चावल व् अन्य सामानों की खरीददारी कर रहे है। छठ पूजा के दूसरे दिन खरना पूजा होगी।जिसमें वर्ती शाम में स्नान करने के बाद पूरे नेम निष्ठा व् विधि-विधान से अरवा चावल, दूध और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद तैयार करेंगी।इसके बाद भगवान सूर्य की आराधना कर प्रसाद ग्रहण किया उपवास रखकर ठेकुआ बानाएंगी।और शाम में दैउरा व् सूप में ठेकुआ,फल व् ईख समेत अन्य प्रसाद लेकर जलाशयों

गया। वहीं नेम निष्ठा के महापर्व छठ व्रत को में पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य किया जाता हैं। इसके बाद छठ की कथा सुनती



लेकर पूरा प्रखंड मुख्यालय भिक्तमय हो गया अर्पित करेंगे।पर्व के चौथे और अंतिम दिन है।और वर्ती घर लौटकर अन्न- जल ग्रहण कर है। छठ पूजा के पारम्परिक गीत चहुंओर गूंज वर्ती महिलाएं उदयीमान सूर्य को अर्ध्य अर्पित पारण करती है औरअपना व्रत तोड़ती है।

बीएलओ ने घर- घर जाकर किया मतदाता पर्ची का वितरण



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार प्रखंड के मधुकरपुर में बीएलओ मीना कुमारी ने घर-घर जाकर वोटरों के बीच मतदाता पर्ची का वितरण की। इस दौरान जागरुक मतदाताओं के चुनाव के महापर्व पर बढ-चढ़ कर मतदान करने की बात कही। अंचलाधिकारी सह सहायक निर्वाची पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि कसमार प्रखंड के 82 बूथ में लगभग 73 हजार

मतदाताओं तक मतदाता सूचना पर्ची वितरण का कार्य युद्ध स्तर पर बीएलओ के द्वारा किया जा रहा है। बताया कि सभी मतदाता बीएलओ से पर्ची और मतदाता मार्गदर्शिका प्राप्त करें और अपने अपने मतदान केंद्र, मतदान की तिथि, समय और सीरियल नम्बर के साथ मतदान करने के तरीके की जानकारी प्राप्त करें, ताकि मतदान की तिथि और समय पर मतदान केंद्र पर सुगम तरीके से सुबह सात बजे से मतदान कर सके।

मतदान के दिन कर्मचारियों को अवकाश देने का आदेश, चैंबर का प्रतिनिधिमंडल शामिल

बोकारोः उप श्रम आयुक्त बोकारो के कार्यालय के आदेशानुसार, बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड राज्य में 20 नवंबर को होने वाले बोकारो विधानसभा चुनाव के दिन कर्मचारियों और कामगारों को छुट्टी देने के संबंध में एक बैठक में शामिल हुआ। यह बैठक श्रम विभाग के कारखाना निरीक्षक श्री शिवानंद लागुरी के साथ आयोजित की गई। बैठक में कारखाना निरीक्षक ने बताया कि झारखंड के मुख्य चुनाव गया है कि बोकारो विधानसभा औद्योगिक प्रतिष्ठानों



अनिवार्य रूप से अवकाश दिया जाएगा। बोकारो चैंबर के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने स्पष्ट किया कि सभी कर्मचारियों को मतदान के बाद अपनी उंगली पर स्याही में महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने व्यापारी भी मौजूद थे।

कर्मचारियों और श्रमिकों को इस अवसर पर बोकारो जिले के सभी औद्योगिक और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के मालिकों और संचालकों से अपील की कि वे अपने कर्मचारियों को 20 नवंबर, 2024 को होने वाले चुनाव के का निशान दिखाना अनिवार्य दिन वेतन सहित अवकाश देने पदाधिकारी द्वारा आदेश दिया होगा। जो कर्मचारी स्याही का को सुनिश्चित करें। इस बैठक निशान नहीं दिखाएंगे, उन्हें छुट्टी में नरेंद्र सिंह, संजय अग्रवाल, क्षेत्र में सभी व्यापारिक और का भुगतान नहीं किया जाएगा। राजीव कुमार और कई अन्य

सीताराम रवानी की प्रथम पुण्य तिथि में अधिवक्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष स्व सीताराम रवानी की प्रथम पुण्य तिथि के मौके पर मंगलवार को बोकारो कोर्ट परिसर के पुस्तकालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान आगंतुकों का स्वागत स्व रवानी के अधिवक्ता पुत्र अतुल कुमार एवं पुत्री राज श्री ने उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर की। शोक सभा को संबोधित करते के सदस्य अब्दुल कलाम रशीदी,



नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने स्व रवानी के जीवनी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। श्रद्धांजिल सभा में पाठक, सम्पूर्ण चन्द्र लायक, वरीय संघ के अध्यक्ष प्रभारी बासुदेव हुए झारखंड स्टेट बार कौंसिल गोस्वामी, महासचिव प्रभारी महेश ददन सिंह, मोहन लाल ओझा, चोधरी, कोषाध्यक्ष सोमनाथ राम सिंघासन राम, अशोक कुमार मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, इंडियन शेखर, उप कोषाध्यक्ष विकास पाल, शंकर डे के अलावे अन्य एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के तापड़ीया, प्रेम कुमार, कार्यकारिणी अधिवक्ताओं ने श्रद्धांजलि दी।

सदस्य रुपेश कुमार, नवीन कुमार, सृष्टिधर सिंह, माया सिंह, संजय कुमार, मृत्युन्जय मलिक, कामदेव अधिवक्ता दिनेश प्रसाद शर्मा,

समाचार

बोरियो थाना प्रभारी पंकज वर्मा के नेतृत्व में सघन वाहन जांच

राष्ट्रीय मुख्यधाराः सुजीत कुमारः साहिबगंजः विधानसभा आम चुनाव 2024 एवं महापर्व छठ के मद्देनजर साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के आदेशानुसार साहिबगंज



बोरियो प्रखंड अंतर्गत बोरियों इंस्पेक्टर नुनुदेव रॉय के नेतृत्व में संघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वही संघन वाहन जांच अभियान के दौरान दो पहिया एवं चार पहिया वाहन का जांच किया गया। वहीं जांच के दौरान किसी भी तरह का कोई अवैध चीज नहीं पाया गया। वही मौके पर सघन जांच अभियान बोरियों थाना प्रभारी पंकज वर्मा, एसआई जियालाल किस्कू, व आईटीबीपी के अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में सघन वाहन जांच

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः विधानसभा आम चुनाव एवं महापर्व छठ के मद्देनजर साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के आदेशानुसार साहिबगंज बरहेट प्रखंड अंतर्गत बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार यादव के नेतृत्व में संघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वही सघन वाहन जांच अभियान में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन का जांच किया गया। वहीं जांच के दौरान किसी भी तरह का कोई अवैध चीज नहीं पाया गया। मौके पर जांच अभियान में अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।



निर्दलीय उम्मीदवार सुनील यादव ने जनसंपर्क के दौरान लोगों की समस्या जानी

साहिबगंजः राजमहल विधानसभा के निर्दलीय उम्मीदवार सुनील यादव ने मंगलवार को क्षेत्र का भ्रमण कर जनसंपर्क करते हुए लोगों से वोट देने की अपील की। उन्होंने बताया कि हाजीपुर बूथ संख्या 1 से लेकर



7 तक के भ्रमण के दौरान कई समस्या से लोगों ने अवगत कराया। बूथ संख्या 4 व 5 में पेयजल की समस्या है। पिछले लोगों ने समस्या क्यों दूर नहीं कि ये कह नहीं सकते। लेकिन जीतने के बाद वे यहां की समस्या चाहे जैसे भी हो को दूर करेंगे। कहा कि फोरलेन सड़क निर्माण में कई गांव को उजाड़ा जा रहा है जो सरासर नाइंसाफी है। जबकि उत्तर व दक्षिण भाग में जमीन मौजूद है। कहा कि उनका सहयोग ग्रामीणों के साथ है।

छट व्रतियों को सहयोग करेगा नव जागृति संघ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची। नव जागृति संघ महाछठ पूजा समिति, नागाबाबा खटाल (राजभवन के निकट), रांची द्वारा छठ पर्व को सफलतापूर्वक आयोजित करने और व्रतियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। मंगलवार को रातू रोड स्थित संघ कार्यालय में समिति के सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें छठ पर्व को लेकर कई महत्वपूर्ण

बैठक में निर्णय हुआ कि जाकिर हुसैन पार्क से मछली घर तक की सड़क को पानी से धोया जाएगा और छंठ घाट की साफ-सफाई का काम किया जाएगा। इसके अलावा, छठ पर्व के दौरान व्रतियों और आम लोगों की सुविधा के लिए जाकिर हुसैन पार्क के चारो तरफ लाइट की व्यवस्था

संघ के अध्यक्ष संतोष यादव ने बताया कि गुरुवार को दोपहर दो बजे राजभवन के पास शिविर लगाया जाएगा, जहां छठव्रतियों के बीच नारियल, विभिन्न प्रकार के फल, 351 लीटर दूध, अगरबत्ती, पान पत्ता, आम दातून आदि का वितरण किया जाएगा। वहीं, शुक्रवार को सुबह छठव्रतियों और घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए चाय की व्यवस्था भी की गई है।

संतोष यादव ने कहा कि नव जागृति संघ के सदस्य छठ व्रतियों के स्वागत और सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से ललन पाडय, मुकश यादव, काशा यादव, उमश यादव, मुन्ना यादव, साचन यादव, विनय यादव, आकाश यादव, जुगेश राय, सतीश राय, श्रवण साह, सुधन राय सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

टाटा टी अग्नि लीफ ने छठ पूजा समारोह को दिया अनुठा रंग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः हजारीबागः बिहार और झारखंड का प्रमुख चाय ब्रांड, टांटा टी अग्नि अपने नवीनतम ब्रांड अभियान के जरिये इस साल बिहार के सांस्कृतिक इतिहास से गहराई से जुड़ी प्राचीन और जटिल कला, "सिक्की घास शिल्प" को सामने लाकर छठ पूजा मना रहा है। यह प्रचार अभियान, परंपरा तथा कला को जोड़कर क्षेत्रीय गौरव और भावना को जगाने का प्रयास कर रहा है। यह बिहार की संस्कृति के साथ गहरे जुड़ने की कोशिश है। उपभोक्ताओं को बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक झलक देखने का अवसर प्रदान करने के अभियान के अंग के रूप में, टाटा टी अग्नि लीफ ने छठ पूजा उत्सव की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए 4 और 5 नवंबर 2024 को पटना के सिटी सेंटर मॉल में 'सिक्की कला महोत्सव' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था, सिक्की घास से बने एक शानदार आदमकद इंस्टॉलेशन का अनावरण, जो बिहार के पारंपरिक शिल्प रूप को समर्पित था। बिहार के कारीगरों द्वारा हाथ से तैयार इस भव्य इंस्टॉलेशन में सीमित संस्करण के छठ पूजा उत्सव पैक शामिल थे। चार-पैक श्रृंखला में प्रतीकात्मक तत्वों के माध्यम से छठ पूजा के सार को दर्शाया गया है, जिनमें से हर पैक त्योहार के चार दिन में से एकः नहाय खाय, खरना, संध्या अर्ध्य और उषा अर्ध्य का प्रतिनिधित्व करता है।

चुनाव आयोग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए पदाधिकारी

चुनाव आयोग का निर्देश महत्वपूर्ण सभी सख्ती से करें पालन - बीडीओ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः वुनाव आयोग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चुनाव से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए कई अहम निर्देश भी दिए गए।



मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय के सभागार में बीडीओ व सीओ की मौजूदगी में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, बीएलओ ,चुनाव प्रभारी समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेकर अपनी जिम्मेदारियां को भली भांति समझने का काम किया। लगभग 1 घंटे तक चली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत बीडीओ व सीओ ने चुनाव से संबंधित जमीनी सतह पर कई अहम निर्देश दिए। मौके पर बीडीओं राहुल उरांव ने कहा कि सफलता पूर्वक वोटिंग करना और संपूर्ण चुनाव को संपन्न करना ही प्रशासन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। लिहाजा इलेक्शन के महत्व को कभी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह जरूरी है कि चुनाव से संबंधित हम अपने कर्तव्य का निर्वहन समय पर शत प्रतिशत करना सुनिश्चित कर लें। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दिया। मौके पर चुनाव से संबंधित सभी पदाधिकारी व बीएलओ आदि मौजूद थे।

सीबीआई की टीम अचानक पहुंची साहिबगंज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः सुजीत कुमार

साहिबगंज/बरहरवाः झारखंड में पिछले कई महीनों

से केंद्रीय एजेंसियों की औचक छापेमारी और कार्यवाही सियासी गलियारों में घमसान तो छेड़ रखी थी परन्तु व्यवसायी वर्ग के लोगों में भी हड़कम्प का माहौल बना हुआ है,एक तरफ ईडी की छापेमारी हजारों करोड़ो के घोटालों का खुलाशा पैसों की बरामदगी और फिर कई गिरफ्तारियां एक ऐतिहासिक कहानियाँ बयाँ कर चुकी है। वहीं झारखंड में वर्तमान समय चुनावी दंगल का है जिसमें पक्ष और विपक्ष आम लोगों को विकास कार्यों की गिनती करवाती नजर आ रही है। तो दूसरी ओर आरोप और प्रत्यारोप चुनावी संघर्ष जारी है। इसी बीच मंगलवार को सीबीआई की पाँच सदस्य टीम एक बोलेरो वाहन संख्या डब्ल्यू बी 66 एफ 6388 से बरहरवा थाना क्षेत्र के मुनिया होटल के समीप पत्थर व्यवसायी कृष्णा साहा के आवास पर पहुचें और औचक छापेमारी की।



अनुसार सीबीआई की टीम व्यव्सायी के आवास स्थित कार्यालय में विभिन्न दस्तावेजों की केकेएस कम्पनी के माइंस में अन्य कार्यालयों में जाकर भी दस्तावेजों की जाँच कर कर्मचारियों से पूछताछ की। हालांकि इस मामले में सीबीआई की टीम मीडिया से कुछ भी कहने से कतरा रही है, जानकारी के अनुसार सीबीआई द्वारा एक ही समय 10:30 बजे सुबह में साहिबगंज जिले के कई स्थानों जैसे उधवा, बरहरवा और मिर्जाचौकी में है कि बरमाद किये गए रिवॉल्वर

छापेमारी की है।जिसमें मिर्जाचौकी में संजय जयसवाल, टिंकल भगत के आवास कार्यालय, उधवा में मेहताब आलम के आवासीय कुमार साहा आवास, बरहरवा मेनरोड बस स्टैंड के समीप स्थित (एमएटी कम्पनी) सुब्रोतो पाल के कार्यालय, रतनपुर स्थित भगवान भगत के आवसीय कार्यालय में छापेमारी की है,गुप्त सूत्रों की माने तो व्यव्सिययों के यहाँ से भारी मात्रा में कैश एवं एक रिवॉल्वर भी बरमाद की गई है। बताया जा रहा

उपरांत ही साफ हो पायेगा। हालांकि खबर लिखे जाने तक छापेमारी अभियान व जाँच लगातार जारी थी। बताया जा रहा है सीबीआई की यह एक बड़ी छापेमारी में से एक है झारखंड बंगाल और बिहार में एक साथ हुई इस छापेमारी में कई बड़े खुलासे सामने आ सकते है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस छापेमारी में भारी मात्रा में कैश, करोड़ो के सोने,चांदी और दस्तावेज की बरामदगी हुई है,इस जाँच की आँच राजनैतिक अखाडे पर भी बड़ा प्रभाव डाल सकती है।

थाना प्रभारी पंकज दुबे के नेतृत्व में पकड़ा गया अवैध शराब



राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा पंचगढ़ से अशोक मुंडा के घर में पुलिस को अवैध शराब की खरीद बिक्री की गुप्त सूचना मिली। गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम का गठन किया गया। जहां थाना प्रभारी पंकज दुबे के नेतृत्व में छापामारी कर अलग-अलग ब्रांड के अंग्रेजी अवैध शराब और बियर के लगभग 50 बोतल बरामद कर जप्त किया गया

। थाना प्रभारी पंकज दुबे से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि अवैध शराब की बिक्री का मास्टरमाइंड सूरज साव पिता मानिक चंद्र साव ग्राम बड़ा पंचगढ़ बताया जाता है। इन्हीं के द्वारा अशोक मुंडा के घर को किराया पर लेकर अवैध शराब का बिक्री किया जाता था। पुलिस इसे लेकर अग्रतर कार्रवाई में जुटी है।

मौके पर छापामारी दल में एएसआई अरुण कुजूर, मनोज शर्मा, सशस्त्र पुलिस दल के जवान शामिल थे।

CBI की बड़ी कार्रवाई, 1250 करोड़ के अवैध खनन मामले में छापेमारी

रांचीः झारखंड में विधानसभा चनाव से पहले सीबीआई ने 1250 करोड़ रुपये के अवैध खनन मामले में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। सीबीआई की टीम ने झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार में कुल 16 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके दौरान 50 लाख रुपये, एक किलो सोना और कुछ चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं।

छापेमारी के ठिकाने-छापेमारी के दौरान जिन 16 ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें 11 साहिबगंज, तीन रांची, एक कोलकाता और एक पटना में स्थित हैं। इस कार्रवाई में शामिल लोगों में प्रमुख रूप से प्रेम प्रकाश (रांची) , सीए जयपुरियार (रांची) , महताब आलम (राजमहल), रंजन वर्मा (साहिबगंज) , संजय



जायसवाल (साहिबगंज) , सुब्रतो पाल (साहिबगंज) , टिंकल भगत (साहिबगंज), अवध किशोर सिंह (साहिबगंज), भगवान भगत (साहिबगंज) और कृष्णा (साहिबगंज) शामिल हैं।

मामले की पृष्ठभूमि-सीबीआई नींबू पहाड़ पर अवैध खनन की जांच कर रही थी, जिसमें प्रधान विजय हांसदा गवाह बने थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपने बयान से मुकर गए। इस मामले में हजार करोड़ रुपये के अवैध खनन घोटाले के मुख्य आरोपियों के खिलाफ जांच

प्रमुख आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई- सीबीआई ने अपने एफआईआर में पंकज मिश्रा, विष्णु कुमार यादव, पवितर कुमार यादव, राजेश यादव, संजय कुमार यादव बच्चू यादव, संजय यादव, सुवेश मंडल समेत कई अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसके अलावा, साहिबगंज के मुफस्सिल थाना में विजय हांसदा द्वारा दर्ज कोर्ट कंप्लेन और एसटी-एससी थाने में दर्ज केस को सीबीआई ने टेकओवर किया है।

सीबीआई की कार्रवाई का नेतृत्व- इस मामले की जांच के लिए सीबीआई ने चर्चित डीएसपी कृष्ण कुमार सिंह को आईओ बनाया है। इसके साथ ही, साहिबगंज में अवैध खनन के संबंध में झारखंड माइंस एंड मिनरल्स एक्ट, आर्म्स एक्ट और एसटी-एससी एक्ट की धाराओं में भी केस दर्ज किया गया है।

नहाए खाए के साथ छठ महापर्व का आगाज

साहिबगंजः विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार को नहाय खाय के साथ ही चार दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व का शुभारंभ हो गया। लोक आस्था का महापर्व छठ 05 नवंबर से नहाय खाय के साथ शुभारंभ हुआ तथा विगत 08 नवंबर को उदीयमान सूर्य भगवान के अर्ध देने के साथ ही छठ पर्व का समापन होगा। मंगलवार को नहाय खाय में छठ व्रती अहले सुबह गंगा स्नान आदि कर नये वस्त्र धारण कर सुर्य देवता को जल अर्पित करती है। भोजन में कदू भात आदि पकवान बना कर खाया जाता है। दुसरा दिन 06 नवंबर बुधवार को छठ व्रती संध्या के खरना में खीर के रुप में प्रसाद ग्रहण करती है और श्रद्वालुओं में खीर प्रसाद के रुप में वितरण किया जाता है। खरना के बाद छठव्रती आगामी 36 धंटे निर्जला उपवास रखती है। जो उदीयमान भगवान सुर्य को अर्ध देने के बाद 8 नवंबर को पारण



खोला जाता है। छठ के तीसरे दिन 07 नवंबर गुरुवार को छठव्रती गंगा नदी, तालाब, सरोवर में अस्ताचल भगवान सुर्य को अर्ध देती है। रात भर छठव्रती छठी मैइया की गीत गाकर अपने परिजनों की सुख समृद्धि की कामना करती है। वहीं चौथे दिन शुक्रवार 08 नवंबर को छठव्रती उदीयमान भगवान सुर्य को अर्ध जल में खड़े होकर भगवान

ही छठ महापर्व का समापन होता है। वहीं साहिबगंज के बिजल घाट, शकुंतला घाट, ओझा टोली घाट, जनता घाट, छठ घाट, एवं चानन घाट समेत दर्जनों क्षेत्रों के छठ घाटों को बिजली डेकोरेशन एवं अन्य साज सजा से सजाया जा रहा है। वहीं छठी मैइया की गीत से क्षेत्र भक्तिमय हो गया है।

जतरा हमारी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत.... डॉ रविन्द्र भगत

बेड़ोः जतरा हमारी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत और पह चान है। इसे अक्षुण्ण बनाए रखना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। यह बातें विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के पूर्व कुलपति डॉ रविन्द्र नाथ भगत ने कहीं। वे बेड़ो प्रखंड के जरिया गांव में स्थित करमचंद भगत स्टेडियम में मंगलवार को वार्षिक सोहराई जतरा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल थे।उन्होंने कहा कि जतरा हमें सामाजिक सांस्कृतिक समरसता, भाईचारा,एकता व मानवता की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। यह हमारा पुरखों द्वारा प्रदत्त अनमोल सामाजिक -सांस्कृतिक धरोहर को अक्षुण्ण बनाए रखने का संदेश देता

वहीं इसके पूर्व जरिया गांव के पहान तुरिया उरांव ने शक्ति का प्रतीक काड़ा झण्डा की परंपरागत रीति रिवाज से पूजा अर्चना कराया। इस दौरान 10 पड़हा



ढोल,ढाक,मांदर, नगाड़ा व काड़ा झण्डा के साथ परंपरागत नाच गान करते हुए एक भव्य शोभायात्रा निकाला। जो सरना स्थल से शुरू होकर गांव का परिभ्रमण करते हुए शिव मंदिर पहुंचा। साथ ही ग्रामीणों ने शिव मंदिर व भगवान महादेव के

किया। इसके बाद शोभायात्रा पुनः करमचंद भगत स्टेडियम जरिया में पहुंचकर एक समारोह में बदल गया। इस दौरान 10 पड़हा क्षेत्र के गांवों की खोड़हा टीम ने जतरा राग पर आधारित परंपरागत नाच गान प्रस्तुत कर जनमानस को झूमने पर दरबार में मत्था टेका और क्षेत्र में विवश कर दिया। साथ ही जतरा

सुख, समृद्धि व शांति की कामना में ग्रामीणों ने घरेलू सामानों व ईख की जमकर खरीदारी किया। वहीं मौके पर मुख्य रूप से विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के पूर्व कुलपति डॉ रविन्द्र नाथ भगत व पड़हा समाज के 10 पड़हा राजा रोहित उरांव, दीवान,कोटवार व महतो समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद

मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार ने अवैध देसी शराब के ठिकानों पर की कार्रवाई



राष्ट्रीय मुख्यधारा

मिर्जाचौकी मंडरो प्रखंड अंतर्गत रेलवे साइडिंग के पास अवैध देशी शराब पर प्रशासन

चुनाव व छठ महापर्व को देखते हुए मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के निर्देश पर मिर्जाचौकी रेलवे साइडिंग आसपास अवैध तरीके से दारू बेचने वाले लोगों पर कारवाई की है। मौक़े से सभी लोग हुए फरार हो

गए। पुलिस ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए अवैध जावा महुआ शराब के खिलाफ जगह जगह छापेमारी किया। वरीय अधिकारी के निर्देश पर कार्रवाई की गई है।

बताया गया कि विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न को इसके मद्देनजर छापेमारी लगातार जारी

शिवसेना प्रत्याशी शंभू नंदन भगत ने की आप पत्रकार सम्मेलन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/साहिबगंज

पाकुड़ विधानसभा के बरहरवा में मंगलवार को शिवसेना प्रत्याशी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पाकुड़ विधानसभा के शिवसेना प्रत्याशी शंभू नंदन भगत ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि बरहरवा में मेरा जन्म हुआ है। मैं यही से अपनी आवाजों को उठाना शुरू किया था। बरहरवा की धरती से मुझे बहुत बड़ी पहचान मिली है। जिससे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ हम पहले भी आवाज उठाते रहे है। प्रशासन हो या नेता जो भी गरीब आदिवासी पिछड़ा वर्ग एवं व्यवसायि को प्रताड़ित करेंगे उनका आवाज उठाते रहेंगे। हमारे जनता को बेवजह कोई परेशान नहीं कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मैं भी व्यवसायी वर्ग से आता हुं हमें भी परेशान किया गया है। लेकिन हम निडर होकर भ्रष्टाचारियों



के खिलाफ लड़े। परंतु भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आवाज उठाना बंद नहीं किया हूं। उन्होंने भाजपा को लेकर कहा कि टिकट को लेकर भाजपा में अपनी दावेदारी भी पेश किया हूं लेकिन पार्टी ने हमारा मनोबल को तोड़ने का काम किया है। उन्होंने आजसू पार्टी के प्रत्याशी पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार हमेशा बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ आवाज उठाते रहती है लेकिन पाकुड़ विधानसभा के गठबंधन आजसू प्रत्याशी कहते हैं कि हम ऐसा दस्तावेज बना देंगे की कोई बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर

कुछ नहीं कहा पाएगा। यह भी कहा कि भाजपा ने आजसू को टिकट दिया। ऐसे में हिन्दू मतदाता उन्हें कैसे मतदान करेंगे। उसे स्थिति में मतदाताओं को कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं दिख रहा है जिस कारण हमनें शिवसेना पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने का फैसला किया। साथी मतदाताओं से अपील किया कि हमारा चुनाव चिन्ह कुकर छाप में मतदान कर जिताएं। ताकि मैं पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की मुद्दों को

मौके पर संजीव कुमार, दिलीप डोकानियां सहित अन्य मौजूद थे।

मिर्जाचौकी में सीबीआई कि टीम ने पत्थर व्यवसायों के यहां छापा मारा

मंडरो/साहिबगंजः साहिबगंज के मंडरो प्रखंड अंतर्गत मिर्जाचौकी में मंगलवार सुबह 11 बजे सीबीआई की टीम ने कुछ पत्थर व्यवसायों के यहां छापा मारा। सीबीआई की टीम जैसे ही मिर्जाचौकी लोहाररपट्टी पहुंची, सड़क पर मौजूद लोग हैरान हो गए।

ज्ञात हो की झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से 8 दिन पहले सीबीआई टीम साहिबगंज पहुंची। प्राप्त जानकारी के अनुसार 1200 करोड रुपए के अवैध खनन मामले में झारखंड के तीन जगहों में साहिबगंज ,पाकुड़, राजमहल में रेड

वहीं सूचना मिली कि सीबीआई ने छापेमारी के दौरान अलग-अलग जगह से कुछ रुपए भी जप्त किए हैं। एजेंसी ने जिन लोगों के यहां रेड मारी है वे सभी पंकज मिश्रा के करीबी बताए जाते हैं।

विधायक प्रतिनिधि रह चुके हैं । मिली जानकारी के इस मामले में आरोपी बनाए गए विभिन्न व्यक्तियों के अनुसार साहिबगंज राजमहल उधवा के बड़े कारोबारी खिलाफ जांच कर रही है।



महताब आलम मिर्जाचौकी के रंजन वर्मा बरहरवा के सुब्रतो पाल, अवध किशोर सिंह उर्फ पतरु सिंह, बरहरवा के भगवान भगत और कृष्णा शाह के यहां छापेमारी की सूचना मिली है। दरअसल नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय ईडी कर रही थी इस अवैध खनन मामले में गवाह बने प्रधान विजय हासदा के मुकर जाने के बाद मामला सीबीआई के हाथ चला गया था । साहिबगंज के मुफ्फिसिल थाना में विजय हांसदा द्वारा दर्ज कोर्ट कंप्लेन और एसटी एससी थाने में दर्ज केस को सीबीआई ने टेक ओवर कर लिया । वही सीबीआई ने अपने एफआईआर में पंकज मिश्रा झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सीबीआई

झारखंड में सरकार बनते ही गोगो दीदी योजना को कैबिनेट में किया जाएगा पासःसांसद खगेन मुर्मू

राष्ट्रीय गुरव्यधारा अस्तार भी, आन्दोलन भी

सांसद खगेन मुर्मू , मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता आशुतोष तिवारी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, जिला महामंत्री रूपेश भगत, पवन भगत की उपस्थिति में मंगलवार जारी किए गए संकल्प पत्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस दिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी इस राज्य में गोगो दीदी योजना पहले कैबिनेट में पास किया जाएगा। जिससे झारखंड की हर महिला को हर महीने 2100 लगभग सालाना 25000 से भी अधिक की राशि मिलेगा।उन्होंने आगे कहा कि पार्टी लक्ष्मी जोहार योजना जिसमें 500 में गैस सिलेंडर और साल में दो मुफ्त गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने

जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय, मालदा के जनता पार्टी की सरकार युवा साथी भत्ता योजना के अंतर्गत संघर्षरत स्नातक और स्नातकोत्तर युवाओ को 2 साल तक प्रतिमाह 2000 उपलब्ध कराएगी। उन्होंने को प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस का घर हो इसके लिए निशुल्क बालू सांसद खगेन मुर्मू ने भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की जनता से वादा किया पार्टी द्वारा इस विधानसभा चुनाव के लिए है कि प्रदेश में उनकी सरकार बनी, तो किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान के एक-एक दाने की खरीद होगी। खरीद के 24 घंटे के अंदर किसानों के खाते में धान का पैसा ट्रांसफर कर तहत धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3100 रुपए प्रति क्विंटल बिना किसी कटनी-छटनी के धान के आगे कहा कि राज्य के 287500 सरकारी पूरे वजन का पैसा धान खरीद के 24 पदों पर भर्ती और 5 लाख स्वरोजगार घंटे के भीतर किसानों के बैंक अकाउंट के अवसर प्रदान किए जाएंगे। साथ ही में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) नवंबर 2025 तक 15 लाख पदों पर के जरिए भेज दिए जाएंगे। छोटे और की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 लिए एमएसपी में अरहर और मड़आ को भर्ती और एक वार्षिक कैलेंडर भी जारी सीमांत किसानों और पशुपालकों को प्रति तक झारखंड में 'सिंचाई क्षेत्र को 3 शामिल किया जाएगा। साथ ही ऑदिवासी



एकड़ 5000 रुपए की दर से 25,000 गुणा' करने का लक्ष्य है। इतना ही नहीं, रुपए तक दिए जाएंगे. इसके लिए 'कृषि भाजपा के संकल्प पत्र में यह भी कहा का भी वादा भाजपा ने झारखंड की जनता प्रसंस्करण और भंडारण केंद्र की स्थापना बाजार उपलब्ध करवाया जा सके। वन आशीर्वाद योजना' की फिर से शुरुआत गया है कि ग्रामीण आजीविका बढ़ाने के से अपने संकल्प पत्र में किया है। अरहर होगी, ताकि केंद्रू पत्ता, मड़आ और आधारित समुदायों को महुआ, केंद्रू पत्ते,

ब्लॉक में प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने जाएगा। आदिवासी बहुल हर ब्लॉक में ताकि उत्पादों के लिए ऋण सहायता और और मड़आ को न्यूनतम समर्थन मूल्य मशरूम जैसे वन उत्पादों का मूल्यवर्द्धन इमली, साल बीज और चिरौंजी जैसे (एमएसँपी) के तंत्रे में शामिल किया किया जाएगा। बड़े लैम्पस का गठेन होगा, प्रमुख वन उत्पादों की खरीद की जाएगी।

पोस्टल बैलेट से हुआ मतदान शुरू



2024 कार्य में प्रतिनियुक्त मतदानकर्मियों नहीं पाते थे, विदित हो कि विधानसभा प्रेक्षक लिट्टीपाड़ा, सामान्य प्रेक्षक पाकुड़ के बाद सामान्य प्रेक्षकों, जिला निर्वाचन और आवश्यक सेवाओं के मतदाता आम निर्वाचन के निमित्त प्रथम फेज में को पोस्टल बैलेट से मतदान करने हेतु मतदान की तिथि 13 नवंबर 2024 वाले मंगलवार को समाहरणालय में पोस्टल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के वैसे मतदाता ने निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान के लिए पश्चात जिले के पदाधिकारियों एवं किमयों बैलेट से मतदान शुरू हुआ। प्रारंभ हुए जो विभिन्न निर्वाचन ड्यूटी में पाकुड़ जिले मतदान में जिला के विभिन्न विभागों के में पदस्थापित है। उनका मतदान पोस्टल कर्मियों को शत प्रतिशत मतदान करने का अकाउंट, व्हाट्सएप ग्रूप में फोटो डालकर पदाधिकारियों ने अपने मताधिकार का बैलेट के माध्यम से आज प्रारंभ हुआ। अपील किया। इस पोस्टल बैलेट के कर्मियों मतदाताओं से 20 नवंबर को वोट करने की



विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया कतारबद्ध तरीके से खड़े पदाधिकारियों एवं ने उत्साहपूर्वक अपने सोशल मीडिया प्रयोग किया। सभी ने कहा कि पहले पोस्टल बैलट से मतदान के लिए बनाए को आयोग के निर्देशानुसार मतदान कार्य अपील भी कर रहे हैं।

पाकुड़ः विधानसभा आम चुनाव चुनाव में ड्यूटी रहने के कारण वोट दे गए सुविधा केंद्र समाहरणालय का सामान्य को पूरा करने की बात कहीं। मतदान करने एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी व उप पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त ने उपहार देकर सम्मानित किया। मतदान के

निर्वाची पदाधिकारी ने किया मतदाता सूचना पर्ची के वितरण का निरीक्षण



विधानसभा के बेड़ो प्रखंड के मतदान केंद्रों में बीएलओ के माध्यम से मतदाता सूचना पर्ची

संवाददाता बेड़ो:- मांडर निर्वाची पदाधिकारी मोनी कुमारी मतदान करने के लिए प्रेरित किया व सहायक निर्वाची पदाधिकारी प्रताप मिंज ने प्रखंड के 9 मतदान मतदाताओं के घर-घर जाकर केंद्रों का दौरा कर बीएलओ द्वारा (वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप) मतदाता सूचना पर्ची के वितरण करते हुए आगामी 13 नवंबर को वितरण किया जा रहा है। वहीं का निरीक्षण किया। बीएलओ बूथ पर जाकर मतदान करने की

जा रहा है। बीएलओ के द्वारा मतदाता सचना पर्ची का वितरण मंगलवार को मांडर विधानसभा के के द्वारा मतदाताओं को नैतिक अपील की जा रही है।

मतदान कर्मियों का हुआ दूसरा रेंडमाइजेशन

पाकुड़ः विधानसभा आम चुनाव 2024 के लिए समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त 04- लिट्टीपाड़ा के जितेन्द्र कुमार शुक्ला, सामान्य प्रेक्षक, 05-पाकुड़ विधानसभा युगल किशोर पंत सामान्य प्रेक्षक एवं 06- महेशपुर विधानसभा शंभुगा सुंदरम सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में मतदान कर्मियों का दूसरा रेंडमाइजेशन हुआ। इस दौरान निर्वाचन आयोग के विशेष साफ्टवेयर से सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए रेंडमाइजेशन कराते हुए मतदान दल बनाए गए। विदित हो कि प्रथम रेंडमाइजेशन में निर्वाचन में कार्य करने वाले कर्मचारियों का चयन हुआ था। इसके बाद अब में मतदान दलों के लिए मतदान जिले के सभी 1014 मतदान केंद्रों



अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाची केंद्र निर्धारित किए जाएंगे। उप पदाधिकारी लिट्टीपाड़ा, भूमि विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सुधार उप समाहर्ता सह निर्वाची गठित किए गए। तीसरे रेंडमाइजेशन सह निर्वाची पदाधिकारी पाकुड़, पदाधिकारी महेशपुर, उप निर्वाचन उपस्थित थे।

पदाधिकारी, जिला सचना विज्ञान पदाधिकारी, संबंधित विभाग व कोषांग के अधिकारी व कर्मी आदि

55 छठव्रतियों को व्याहुत समाज ने बांटें पूजन सामग्री

पाकुड़ः मंगलवार को स्थानीय व्याहुत विवाह भवन पाकुड़ में ब्याहुत कलवार समाज पाकुड़ के अध्यक्ष अशोक कुमार भगत (भगत पाड़ा) सचिव अशोक कुमार भगत (फाटक पार) के अध्यक्षता में कुलदेवता भगवान बलभद्र के तस्वीर में पुष्प एवं दीप प्रज्वलित कर आरती किया गया। तत्पश्चात विवाह भवन परिसर में ब्याहुत समाज की ओर से 55 निर्धन गरीब छठवर्ती माता बहन को बांस की डाला सूप, नारियल, साड़ी, शुद्ध घी, धूप, दीप तथा अन्य पूजन सामग्री निशुल्क वितरण किया गया। कलवार संघ पाकुड़ के अध्यक्ष अशोक कुमार भगत ने बताया कि पिछले 1977 से निर्धन सामान्य छठ व्रतित्तयों को समाज की ओर से यह सेवा दी जा रही है आगे भी दी जाती रहेगी।सचिव अशोक भगत ने कहा कि इस वर्ष 55 छठव्रतियों को छठ पूजन सामग्री दिया गया है ताकि गरीब छठ वर्तियों को कठिनाई का सामना न करना पड़े । अगले वर्ष इसकी संख्या और बढ़ने की कुमार भगत , राजेंद्र भगत, मुन्ना भगत,डॉ श्याम विनय भगत, काली शंकर भगत, ललन भगत, अथक प्रयास रहा।



संभावना है। मौके पर मुख्य रूप से महासचिव 🛮 प्रसाद भगत, बद्री प्रसाद भगत, जगदीश प्रसाद 🗀 संजय भगत , उत्तम भगत, गोपाल भगत, रोहित विश्वनाथ भगत,अध्यक्ष अशोक कुमार भगत, भगत, कैलाश प्रसाद भगत तारकेश्वर भगत, भगत रमेश भगत कृष्ण भगत प्रमिला भगत रिम सचिव अशोक कुमार भगत, कोषाध्यक्ष प्रदीप संजय भगत, गौरी शंकर भगत,प्रीतम भगत,

देवीआदि आदि ने कार्यक्रम की सफलता के लिए

बेड़ो में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए रंगोली का आयोजन

विधानसभा चुनाव के तहत मांडर विधानसभा के बेड़ो प्रखंड में आगामी 13 नवंबर को अधिक से अधिक वोटर अपना वोट दें, इसके लिए मंगलवार को प्रखंड कार्यालय में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सहायक निर्वाचन पदाधिकारी प्रताप मिंज की अध्यक्षता में स्वीप कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों द्वारा



मतदाताओं को जागरूक करने के किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड छात्राओं ने भाग लिया। लिए रंगोली कार्यक्रम का आयोजन मुख्यालय के कई स्कूलों के छात्र

रालोजपा ने निर्दलीय प्रत्याशी शंभू भगत को समर्थन देने का किया एलान

भगत को पूष गुच्छ देकर सम्मानित किया।

पाकुड़ः एनडीए के घटक दल माने ने इस बार निर्दलीय प्रत्याशी शंभू भगत जाने वाले राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया। ताकि ने अंततः पाकुड़ विधानसभा चुनाव में गरीब किसान मजदूर कमजोर वर्ग समाज निर्दलीय प्रत्याशी शंभू भगत को समर्थन देने के अंतिम व्यक्ति दलित समुदाय के हित में का फैसला किया। इस दौरान राष्ट्रीय लोक काम करने वाली रालोजपा की आवाज और जनशक्ति पार्टी के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह भी बुलंद हो सके । निर्दलीय प्रत्याशी शंभू के साथ उनके सैकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक भगत ने बताया कि इस चुनाव में उनका मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह ने शंभू मुख्य मुद्दा खाकी व खादी के बीच मौजूद भ्रष्टाचार के गठजोड़ को छिन्न-भिन्न करना हरिणडांगा बाजार स्थित कुमार निवास में है। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में विकास हो आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में रालोजपा सड़क बिजली पानी समस्या का निदान के जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस चुनाव में कारवाई गी तथा महंगाई से निजात दिलाएगी एनडीए के द्वारा बार-बार घटक दलों को धन्यवाद रालोसपा जिला अध्यक्ष रंजीत नजरंदाज किया गया, ना तो किसी बैठक कुमार सिंह व शंभू भगत ने बताया कि की सूचना दी जाती थी और ना ही किसी उनकी अब तक की संघर्ष की कहानी ही कार्यक्रम की जानकारी घटक दलों को दी भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिबानगी व जाती है। इसलिए रालोजपा की पूरी टीम पहचान रही है।



भारत की आर्थिक बदहाली

असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता इतनी कमजोर क्यों है कि हर व्यापार मुकाबले में वह पिट जाती है? देश सही दिमागी हालत में हो तो इस सवाल से उसकी नींद उड़ जानी चाहिए। बहुपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को नुकसान की आशंका से ग्रस्त नरेंद्र मोदी सरकार ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) करार से अंतिम मौके पर खुद को अलग कर लिया था। तब हौव्वा बनाया गया कि ऐसा समझौते में शामिल अन्य देशों के रास्ते चीन की उत्पादों डंपिंग से बचने के लिए किया गया। उसके बाद मोदी सरकार ने द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का रास्ता अपनाया। यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन आदि से ऐसे करार हुए। ब्रिटेन सहित कई देशों से द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत चल रही थी। मगर अब अचानक सरकार ने ऐसी सभी वार्ताओं पर विराम लगाने का फैसला किया है। वजह हाल के वर्षों में हुए सभी ऐसे समझौतों से भारत को हो रहे बड़े व्यापार घाटे को बताया गया है। साथ ही सरकार ने 2010 में आसियान से हुए करार का भी जिक्र किया है, जिसकी वजह से भारत को लगातार व्यापार घाटा हुआ है। कहा जाता है कि उसके परिणामस्वरूप कई भारतीय कारोबार तबाह हो गए। मोदी सरकार ने आसियान से कई बार इस समझौते पर पुनर्विचार को कहा है, जिसे उसे स्वीकार नहीं किया है। इस बीच यूएई से हुए बहुचर्चित करार के बारे में सामने आया है कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में वहां से आयात 52 फीसदी बढ़ा, जबकि निर्यात में सिर्फ 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसके अतिरिक्त एक नई चिंता यह पैदा हुई है कि इन समझौतों के कारण भारतीय निवेशकों को वहां जाकर निवेश करने के अवसर मिले हैं, जिसका वे खूब लाभ उठा रहे हैं। जबिक भारत को खुद बड़े निवेश की आवश्यकता है। यानी नुकसान ही नुकसान! तो अब खुशफहमियों से निकलने की जरूरत है। असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढती ही जाएगी।

आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बडी समस्या

एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए। मिथक हिंदू/भगवा आतंकवाद सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका फिर खुलासा पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए। यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया-राहल-प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए हिंदु आतंकवाद रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था। शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान-विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था। इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवतः स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए (वर्तमान आईएनडीआईए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था। व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते हिंदू/भगवा आतंकवाद शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का जाल बुना गया। इसकी जड़े 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती है, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि 13वां धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोडऩे का प्रयास था। इसी चिंतन को यूपीए-काल (2004-14) में राहुल गांधी के साथ पी।चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने बतौर केंद्रीय गृहमंत्री आगे बढ़ाया था। हद तो तब हो गई, जब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2008 के भीषण मुंबई 26/11 आतंकवादी हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ बता दिया। यहां तक, दिग्विजय ने इसी हमले में जिहादियों की गोलियों के शिकार हुए मुंबई आतंक निरोधक दस्ते के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे की मौत को हिंदूवादी संगठनों से जोडऩे का प्रयास किया था। इस संबंध में तब पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हाथों में पवित्र कलावा/मौली को आधार बनाकर कई समाचारपत्रों में आलेख तक प्रकाशित हुए थे। सोचिए, यदि आतंकी कसाब और डेविड हेडली (दाऊद सैयद गिलानी) के जीवित नहीं पकड़े जाते, तो क्या होता? वास्तव में, यह हिंसा-घृणा के पीड़ितों को अपराधी और दोषियों को मासूम बताने की सेकुलरवादी (लेफ्ट-लिबरल सहित) साजिश है। 14 फरवरी 1998 को कोयंबट्टर में श्रंखलाबद्ध 12 बम धमाकों हुए थे, जिसमें 58 बेकसूरों की मौत हो गई। आतंकवादियों का मुख्य निशाना भाजपा के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी थे, जिन्हें तब चुनाव प्रचार के हेतु कोयंबटूर आना था।

झारखंड में भाजपा के 25 संकल्पः एक नई दिशा की ओर



पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश '

झारखंड स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर झारखंड भाजपा ने राज्य के विकास के लिए 25 संकल्प बिंदुओं की घोषणा की है। ये संकल्प न केवल राज्य की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारने का आश्वासन देते हैं, बल्कि ये झारखंड के नागरिकों के जीवन में सुधार लाने की दिशा में एक ठोस कदम भी हैं। ये संकल्प आर्थिक सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास को प्राथमिकता देते हैं। यह आवश्यक है कि इन संकल्पों को चुनावी घोषणाओं के रूप में न देख कर कार्यान्वयन के लिए ठोस कदमों के रूप में लिया जाए।

भाजपा का पहला संकल्प 'गोगो दीदी योजना' के तहत हर महीने की 11 तारीख को झारखंड की सभी महिलाओं के बैंक खाते में 2,100 प्रदान करने का है। यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर

महिलाओं को वित्तीय सहायता मिलेगी। इसके अलावा, सभी परिवारों को 500 में एलपीजी गैस सिलेंडर और साल में दो मुफ्त सिलेंडर प्रदान करने का आश्वासन भी दिया गया है, जो गरीब परिवारों की जीवनस्तर को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर सूजन करने का संकल्प भी महत्वपूर्ण है। भाजपा ने 5 वर्षों में 5 लाख स्वरोजगार के अवसर और 2,87,500 सरकारी पदों पर निष्पक्ष भर्ती का वादा किया है। पहली कैबिनेट बैठक में भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन और हर साल 1 लाख यवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने का लक्ष्य इस दिशा में सराहनीय कदम हैं। इसके अलावा, 'युवा साथी' भत्ता योजना के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर युवाओं को प्रति माह 2,000 की सहायता देने की घोषणा की गई है, जो शिक्षा में बढ़ती प्रतियोगिता के मद्देनजर आवश्यक है।

झारखंड की वर्तमान सरकार में व्याप्त कुशासन को खत्म करने का वादा भी भाजपा ने किया है। सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक नागरिक को घर बनाने के लिए निःशुल्क बालू उपलब्ध कराया जाएगा और पीएम आवास योजना का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इससे आवास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिलेगा, जो झारखंड में अतीत में हुई उपेक्षा को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

की पारदर्शिता अभ्यर्थियों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने कुछ ठोस

संविधान और कानून के शासन वाले देश

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करने और पेपर लीक की घटनाओं की सीबीआई जांच कराने का प्रस्ताव एक सकारात्मक संकेत है। यह सुनिश्चित करेगा कि सरकारी नौकरी पाने के लिए हर अभ्यर्थी को एक समान अवसर मिले और किसी भी प्रकार की धांधली का अंत हो सके।

राज्य में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ पर रोक लगाने और आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का भी संकल्प लिया गया है। यह कदम न केवल आदिवासी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि उनकी भूमि और संसाधनों की रक्षा में भी सहायक होगा। इसके तहत घसपैठियों द्वारा कब्जाई गई आदिवासी जमीन को वापस लौटाने के लिए कानून बनाने का वादा किया गया है।

महिला संशक्तिकरण के लिए 50 लाख तक मूल्य की अचल संपत्ति के पंजीकरण के लिए एक रुपये की स्टांप ड्यूटी को पुनः बहाल करने का संकल्प भी सराहनीय है। इसके माध्यम से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार दिया जाएगा, जो उनके आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण में मददगार

शिक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण योजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं। बीएड, और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए सरकारी संस्थानों में निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह शिक्षा के स्तर को सुधारने और युवाओं को बेहतर अवसर देने में सहायक होगा। 'फूलो-झानो पढ़ो बिटिया' योजना के तहत गरीब और पिछड़े वर्ग की प्रत्येक बालिका को KG

और राज करो की अपनी नीति के तहत



से PG तक मुफ्त शिक्षा प्रदान करने का संकल्प भी शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी व्यापक सुधार की योजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं। झारखंड में 10 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग प्रशिक्षण कॉलेज स्थापित करने का संकल्प स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'आयुष्मान भारत जीवन धारा योजना' के माध्यम से 70 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का वादा भी समाज के कमजोर वर्ग की ओर एक सकारात्मक संकेत है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ टॉलरेंस' नीति को लागु करने और नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प भी राज्य के सुरक्षा और विकास के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, राज्य को मानव तस्करी मुक्त बनाने के लिए 'ऑपरेशन सुरक्षा' की शुरुआत करने का वादा, मानवाधिकारों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक लिए कई योजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं। धान की खरीद की दर को बढ़ाने और बिना कटनी-छटनी के पूरे वजन का भुगतान करने का वादा किसानों को सशक्त बनाने में सहायक होगा। इसके साथ ही, छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय सहायता देने के लिए 'कृषि आशीर्वाद योजना' का पुनः प्रारंभ भी

समाज के सभी वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था को बरकरार रखते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27% आरक्षण का वादा भी न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करेगा कि समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिले।

महत्वपूर्ण है।

झारखंड के परिवहन नेटवर्क के विकास के लिए भी कई महत्वपूर्ण योजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं। विश्वस्तरीय 'डायमंड क्वॉड्रिलैटरल एक्सप्रेसवे' का निर्माण और 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' के तहत सड़क नेटवर्क का विस्तार राज्य के विकास बाहर रहने वाले झारखंडियों के लिए 'झारखंड जोहार भवन' स्थापित किया जाएगा, जिससे राज्य के निवासियों को अन्य राज्यों में सुविधाएँ, सुरक्षा की गारंटी और आपातकालीन समय में सहायता मिल सकेगी।

अंत में, वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों के लिए मासिक पेंशन को बढाने का संकल्प भी समाज के कमजोर वर्गों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

झारखंड भाजपा के ये 25 संकल्प केवल चुनावी घोषणाएँ हैं, बल्कि ये राज्य की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए एक ठोस दिशा में उठाया गया कदम हैं। यदि ये संकल्प ईमानदारी से कार्यान्वित होते हैं, तो झारखंड में विकास, सुधार और समृद्धि की नई संभावनाएँ पैदा हो सकती हैं। यह आवश्यक है कि भाजपा इन संकल्पों को चुनावी घोषणा पत्र से आगे बढ़ाकर वास्तविकता में तब्दील करे. ताकि झारखंड के नागरिकों को उनके जीवन में वास्तविक बदलाव

राहुल मनुस्मृति के बारे गांधी के विचारों को नहीं पढ़ा

कांग्रेस नेता राहल गांधी ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में संविधान के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में देश में कथित तौर पर चल रहे वैचारिक संघर्ष को प्रतीकित करने वाली दो बातें कहीं। पहली, मनुस्मृति संविधान विरोधी है। यह एकदम बेतुकी बात है क्योंकि दो विचारों को एक दूसरे का विरोधी तभी कहा जा सकता है, जब वे समकालीन हों और एक साथ चलन में हों। दूसरी, मनुस्मृति और संविधान के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है। सवाल है कि क्या सचमुच इस तरह का कोई वैचारिक संघर्ष धरातल पर चल रहा है? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब देश 75 साल से संविधान के आधार पर चल रहा है, जिसमें से 55 साल के भी 38 साल राहल गांधी के परनाना, दादी और पिता ही प्रधानमंत्री रहे तो अब आ गई ?इस सदी में 10 साल कांग्रेस का थे क्या तब भी मनुस्मृति और संविधान में संघर्ष चल रहा था? अगर चल रहा था तो राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी नेता ने 10 साल में एक बार भी इसका जिक्र क्यों नहीं किया और अब अचानक राहुल गांधी इसे लेकर क्यों इतने मुखर हो गए हैं? जाहिर है राहुल गांधी को न तो मनुस्मृति से कोई मतलब है और न संविधान से। उनको सत्ता की राजनीति बेचैनी में वे जो बातें कह रहे हैं उनसे देश और समाज का कोई भला नहीं हो रहा है। और समय के साथ उसमें बदलाव आता

में वे जबरदस्ती मनुस्मृति की बात करके सामाजिक विभाजन बढ़ाने का खतरनाक प्रयास कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि इस देश में मनुस्मृति कोई नहीं पढ़ता है। खुद राहुल गांधी ने भी उसका एक भी पन्ना नहीं पढ़ा होगा। उनको पता भी नहीं होगा कि मनुस्मृति के कितने संस्करण मौजूद हैं और उनमें से कोई भी असली नहीं है। वे शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि सोशल मीडिया में मनुस्मृति के नाम से जितनी बातें वायरल होती हैं उनमें से ज्यादातर बातें उस ग्रंथ में नहीं लिखी हैं। मनुस्मृति के की जो बातें सोशल मीडिया में प्रचारित होती हैं उनका असली मकसद सामाजिक विद्वेष बढ़ाना और राजनीतिक लाभ लेना होता है। वह देश में एक नया नैरेटिव सेट करने का टूलकिट है, जिसके पीछे बड़ा खेल हो सकता है। जरूरी नहीं करीब कांग्रेस सत्ता में रही है और उसमें है कि जिस हैंडल या अकाउंट से इसे प्रचारित किया जाता है उसके पीछे कोई ापछंडा, दोलत या काइ प्रगातशाल चहरा मनस्मृति से देश चलने की बात कहां से हो। लेकिन वह अलग बहस और चिंता का विषय है। अभी इस सवाल पर विचार शासन था और तब राहुल गांधी भी सांसद करने की जरुरत है कि क्या सचमुच इस देश में मनुस्मृति और संविधान को लेकर कोई संघर्ष चल रहा है? धरातल पर तो ऐसा कोई संघर्ष देखने को नहीं मिलता है। इसकी पड़ताल करने के लिए कहीं भी 10 लोगों से मनुस्मृति के बारे में पूछा जा सकता है। ज्यादातर लोगों ने इस ग्रंथ का नाम नहीं सुना होगा और सुना भी होगा तो उसके बारे में कोई जानकारी नहीं होगी। हां, यह जरूर है कि भारत में समाज से मतलब है। होना भी चाहिए क्योंकि के संचालन के जो नियम बने उनका वे कोई संत, महात्मा या दार्शनिक तो हैं एक बड़ा हिस्सा मनुस्मृति की बातों पर नहीं। वे नेता हैं और नेता की ही तरह काम आधारित है। लेकिन यह काम 10 या 20 करते हैं। लेकिन सत्ता हासिल करने की साल पहले या सौ दो सौ साल पहले नहीं हुआ है, बल्कि हजारों साल पहले हुआ

इसे आधार बना कर कुछ कानून बनाए। लेकिन आजादी मिलने और संविधान लागू होने के बाद तो सारी चीजें बदल गईं। अब निजी, पारिवारिक या धार्मिक कार्यक्रमों में वेद या मनुस्मृति की कुछ बातों का पालन होता हो तो अलग बात है लेकिन सार्वजनिक जीवन में या सरकार के कामकाज में मनुस्मृति की किसी भी बात का प्रयोग नहीं होता है। मनुस्मृति का सिर्फ इतना ही मतलब है कि इस ग्रंथ ने प्राचीन भारत के हमारे पूर्वजों को एक रास्ता दिखाया था। यह बताया था कि समाज के संचालन के लिए एक संहिता की जरुरत होती है। यह ठीक उसी तरह था, जैसे मध्य पूर्व में हम्मूराबी की संहिता बनी थी। यह वो समय था, जब समाज को संचालित या नियंत्रित करने के लिए कोई नियम या कानून नहीं थे। उस समय जो सामाजिक व्यवस्था मौजूद थी उसे विरोधाभासी हैं। लेकिन ये अवधारणाएं देखते हुए एक संहिता बनाई गई थी, तो एक सदी पुरानी भी नहीं हैं। इनकी जिसे लेकर यह विवाद है कि इसे स्वंयभू मनु ने बनाई या भृगु ऋषि ने बनाई, इसे एक व्यक्ति ने लिखा या कई व्यक्तियों ने लिखा और एक बार लिखे जाने के बाद सदियों तक इसमें कुछ चीजें जोड़ी जाती रहीं। लेकिन जिसने भी बनाई उसने अपने समय की वास्तविकताओं और जरुरतों के हिसाब से इसे बनाया, जिसका मकसद समाज में व्यवस्था बहाल करना था। एक बार संहिता बन जाने के बाद आगे आने वाली पीढिय़ों की जिम्मेदारी थी कि वे समय की जरुरतों के हिसाब से इसमें सुधार करें या इसे पूरी तरह से खारिज करके नई संहिता बनाएं। भारत में भी तमाम सुधार और बदलाव हुए। इसके बावजूद अगर कुछ चीजें समाज में ऐसी मौजूद हैं, जिनके बीज मनुस्मृति में थे तो वह ग्रंथ लिखने वाले की नहीं, बल्कि

पहले बने संविधान में एक सौ से ज्यादा बदलाव हो चुके हैं। बदलते हुए समय की जरुरतों के हिसाब से संविधान को बदला जाता है। लेकिन जब भी संविधान संविधान बनाने वालों को गालियां दी जाती हैं? उनकी लिखी कोई बात अगर समय की कसौटी पर सही नहीं उतरी तब भी वे सम्मानीय हैं क्योंकि उन्होंने अपने समय की जरुरत के हिसाब से उसे लिखा था। इसी तर्क से मनस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को सम्मान क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? उन्होंने यह रास्ता दिखाया कि समाज को संचालित और नियंत्रित करने के लिए एक संहिता की जरुरत है क्या इसके लिए वे सम्मान के पात्र नहीं स्त्री अधिकार, बाल अधिकार आदि की अवधारणा के अनुकूल नहीं हैं या कसौटी बना कर करीब दो सहस्त्राब्दी पहले लिखे गए ग्रंथ का आकलन कैसे किया जा सकता है? हम्मूराबी की संहिता में भी सैकडों ऐसी चीजें हैं, जो आधनिक अवधारणों की कसौटी पर बहुत खराब हैं। लेकिन इस आधार पर तो हम्मूराबी संहिता लिखने वाले को गाली नहीं दी जाती है। फिर मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को गाली देने का क्या मतलब है? इनके लेखकों ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। इन दोनों ग्रंथों का मानव सभ्यता के इतिहास में वही स्थान है, जो आग और पहिए के आविष्कार का है। सोचें, हमारे पूर्वजों ने कैसे पत्थरों को आड़ा तिरछा काट कर पहला पहिया बनाया था और आज हम मिशेलिन टायर्स बना रहे हैं तो क्या हम अपने पूर्वजों को गाली देते हैं कि

मेष : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा।

वृषः यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम

बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने

श्भांक-3-4-5

मिथुन : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से परे होते रहेंगे। स्वास्थ्य

शुभांक-2-4-5

कर्क : शत्रभय, चिंताए संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। तोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें।

सिंह: महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कन्याः शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें।

शुभांक-2-5-7

तुला : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

शुभांक-3-5-7 वश्चिक : कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार

शुभांक-2-4-6

धनु : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि

बचा ही जाए तो अच्छा है।

लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

मकर : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान

बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। कुंभ : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का

कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। शुभांक-3-5-7 मीन : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ

इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए

शुभांक-2-4-6

शब्द सामध्ये -227

16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17.

बाएं से दाएं वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित. उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. श्वस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग. तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स

परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, बादशाह, खिंचाव पैदा करना। ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय. सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना

उन्होंने कैसा पहिया बनाया था?

(भागवत साहू)

15

	शब्द	साम	ार्थ्य ३	क्रमाद	万 22	६ का	हल	
મૂ	कं	प		फा	य	दा		स
प		ल	ला	ट		य	ती	Ŧ
ति	ल	क		क	न	क		इ
	क्ष्म				रे			
ग	ण	क		सं	श	य		सं
ह		या	च	क		म	न	त
रा	क्ष	स		र	क्ष	क		न
	त्रि				मि			
शा	य	री	31	का	त	र		ग

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित पंजीकृत कार्यालय— गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड। संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'®**; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।** रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संक्षिप्त समाचार

आर्म्स एक्ट के अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाए इश्तेहार

हन्टरगंज थाना के आमिन गांव में सोमवार को बहेरा थाना की पुलिस टीम ने आर्म्स एक्ट के अभियुक्त के घर विधिवत इश्तेहार चिपकाया। इस संबंध में बहेरा थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि न्यायलय से मिले आदेश के आरोप में आमिन गांव के सुरेश चौधरी के पुत्र संतोष चौधरी के घर पर पुलिस टीम ने इश्तेहार को चिपकाया। साल 2024 में आर्म्स एक्ट के मामले में संतोष को प्राथमिक अभियुक्त बनाया गया था। जिसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस की टीम ने पहले माइकिंग के जरिए लोगों को बताया कि आर्म्स एक्ट के मामले में संतोष आरोपी है और वह पिछले करीब पांच माह से फरार चल रहा है। इसके बाद घर पर फरारी की कागजात चिपकाया गया। इस दौरान बताया गया कि अपराधी जल्द आत्मसमर्पण करें, नहीं तो कुर्की-जब्ती व अपराधियों की

अतरी में दो बाइक से 84 लीटर शराब बरामद

गया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के टेटारु भुंईटोली से पुलिस ने 84 लीटर महुआ शराब जब्त की है। वहीं, दो बाइक भी जब्त की है। इस संबंध में एसआई रवि रंजन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर के टेटारु भूईटोली में वाहन चेकिंग किया गया। इस दौरान लालू कुमार और दूसरा अरविन्द कुमार को गिरफ्तार किया गया।

डेंगू मरीज का इलाज नहीं, गेट पर हुआ बेहोश

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। एसकेएमसीएच में सोमवार को सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपर निवासी डेंग के संदिग्ध मरीज विजय कुमार को गंभीर हालत में लाया गया। लेकिन, करीब एक घंटा तक इलाज नहीं हुआ। परिजन का आरोप है कि इमरजेंसी में डॉक्टर ने देखा तक नहीं। गुहार लगाने पर गार्ड को बुलाकर निकलवा दिया। इस बीच इमरजेंसी गेट के बाहर मरीज बेहोश होकर गिर पड़ा। करीब 10 मिनट तक बेहोश रहा। इसके बाद परिजन में चींख-पुकार मच गई। तब एसकेएमसीएच प्रबंधन के स्टाफ ने ट्रॉली बुलाकर मरीज को इमरजेंसी में भर्ती कराया। उसकी स्थिति अभी नाजुक है। परिजन अजय कुमार ने बताया कि चार दिन पहले विजय दिल्ली से आया है। वहां निजी जांच घर में टेस्ट कराने पर डेंगू व मलेरिया की रिपोर्ट मिली। सोमवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। अजय ने बताया कि ट्रॉली वाले ने भी 200 रुपए की मांग की। एसकेएमसीएच उपाधीक्षक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। इधर, जिले में सोमवार को डेंगू के 15 नये मरीज मिले हैं। अब तक डेंगू मरीजों की संख्या 225 हो गई है। जहां-जहां डेंगू के मरीज मिले हैं, वहां फॉगिंग कराने का निर्देश दिया है।

अधिकारियों ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

दरभंगा, एजेंसी। क्षेत्र में होने वाले लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों को लेकर सदर टू कमतौल एसडीपीओ ज्योति कुमारी ने पलिस निरीक्षक सह कमतौल थानाध्यक्ष पंकज कुमार के साथ अहियारी गोट स्थित महथा पोंखर, कमतौल के बहुरी पोखर घाटों का सोमवार को निरीक्षण किया। अहियारी गोट स्थित महथा पोखर पर एसडीपीओ ज्योति कुमारी ने मौके पर मौजूद स्थानीय मुखिया नागेंद्र शर्मा से कहा कि घाटों पर साफ-सफाई की व्यवस्था अच्छी तरह से रहे, ताकि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बांस की बैरिकेडिंग करने, साफ-सफाई, लाइट की व्यवस्था करने सहित कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। स्थानीय लोगों ने एसडीपीओ को महथा पोखर पर भगवान भास्कर की प्रतिमा बनाकर पुजा-अर्चना किए जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने मूर्तिकार द्वारा बनायी जा रही विभिन्न प्रतिमाओं को भी जाकर देखा। वहीं, कमतौल बहुरी पोखर पर एसडीपीओ ने घाट पर पानी की गहराई की व्यवस्था को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों व नगर पंचायत के कर्मियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने बैरिकेडिंग को निकट करने का निर्देश दिया, ताकि कोई दुर्घटना घटित ना हो सके।

औगारीधाम बना सूर्योपासना का पावन केंद्र 12 प्रमुख सूर्य मंदिरों में से एक है यह मंदिर गया, एजेंसी। पड़ोसी राज्य झारखंड के गिरफ्तारी के लिए पुलिस तैयार है।

गंगा स्नानकर लौट रहेथे, भैंस से टकराने के बाद महिला की भागलपुर में इलाज के दौरान मौत

2 घायल भर्ती

बांका, एजेंसी। बांका के धोरैया थाना क्षेत्र में गंगा स्नान कर घर लौट रहे एक महिला की सड़क दुर्घटना में इलाज के दौरान मौत हो गई। एक बाइक से एक पुरुष और दो महिला कहलगांव से गंगा स्नान कर घर लौट रही थी। इसमें बाइक का भैंस से टकराने के बाद तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सभी को गंभीर अवस्था में भागलपुर के मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया था।जहां सोमवार की देर शाम इलाज के दौरान सुलचना देवी की मौत हो गई। जबकि दो लोगों का इलाज चल रहा है। राज्य के गोड्डा जिला अंतर्गत सुर्निया गांव निवासी साजन कुमार अपनी बाइक पर धोरैया थाना क्षेत्र के बसबिट्टा गांव निवासी सुलोचना देवी और सुमित्रा देवी को अपनी बाइक पर बिठाकर गंगा स्नान करने के लिए कहलगांव लेकर गया हुआ था। एक ही बाइक से ट्रिपल

वहां से गंगा स्नान कर मार्केटिंग कर घर लौट रहा था। इसी क्रम में अचानक धरिया थाना क्षेत्र के पंजवारा मख मार्ग स्थित कुशमाहा मोड़ के पास अचानक बाइक एक भैंस से टकरा गई। जिसमें



सड़क किनारे फेंका गया। जिसमें दो महिला की स्थिति गंभीर थी। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

डॉक्टर द्वारा इलाज करने के बाद भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। सभी का मायागंज अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान सोमवार की संध्या सुलोचना देवी की

मौत हो गई। जबकि 40 वर्षिय सुमित्रा देवी की स्थिति नाजुक बनी हुई है। मौत की सूचना के बाद घर में कोहराम बज गया है। सभी करो रो कर बरा हाल है। भागलपुर में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि दुर्घटना में एक महिला की मौत हुई है। पुलिस मामले में आगे की कानुनी कार्रवाई कर रही है।

भागवन सूर्य मंदिर के परिसर सहित ८ घाटों पर भव्य गंगा आरती आयोजित

औरंगाबाद में ५ हजार दीपक से सजाया गया घाट

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद स्थित सूर्य मंदिर परिसर में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। नगर परिषद द्वारा काशी के सुप्रसिद्ध ब्राह्मणों द्वारा शुद्ध गंगाजल मंगवाकर अद्री नदी में मिलाया गया। उसकी विधिवत पजा अर्चना किया गया। इस दौरान नगर परिषद के साथ-साथ शहर के सभी सामाजिक संस्था के सदस्य शामिल हए। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता ने कहा कि अद्री नदी जीवन दायिनी है। इसको स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी नगर परिषद औरंगाबाद के साथ-साथ शहर वासियों की भी है। वहीं, रेड क्रॉस अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह ने कहा कि अद्री नदी से कई यादें जुड़ी हैं।

भाजपा नेता सतीश कुमार सिंह ने बताया कि गंगा आरती का मतलब अपने-अपने क्षेत्र में स्थित नदियों को बचाने के लिए किया जाता है। लोगों को नदियों में गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। लोगों को नदियों को सुरक्षित और स्वच्छ बनाए रखना चाहिए। नमामि गंगे के तहत देश के सभी बड़ी नदियों को जोड़ा गया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा नदियों को पुर्न विकसित किया

छठा वर्ष आयोजित हुई दीपोत्सवः सतीश कुमार सिंह ने बताया कि लगातार 5 सालों से औरंगाबाद के सामाजिक संगठनों द्वारा दीप उत्सव एवं यह कार्यक्रम आयोजित होते आ रहा है। छठा वर्ष औरंगाबाद नगर परिषद द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

औरंगाबाद शहर के 8 घाटों पर **आयोजित हुआ दीपोत्सवः** वक्ताओं ने बताया कि औरंगाबाद के जसोईया.गंगटी घाट.पिपरडिह घाट,कर्मा रोड चहका सुर्य मंदिर घाट, सहित अन्य घाटों पर दिपोत्सव मानया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सनोज सागर की टीम के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई तथा रंग बिरंगी रंगौलीया बनाई गई। औरंगाबाद नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता ने बताया कि 5000 की संख्या में दीपकों को जलाया गया। उन्होंने बताया कि आपके क्षेत्र के सभी लोगों को निदयों को सुरक्षित एवं स्वच्छ रखना है।

विदेशी सैलानियों से गुलजार हुआ अजगैवीनाथ मंदिर

भागलपुर, एजेंसी। विदेशी सैलानियों से अजगैवीनाथ मंदिर गुलजार रहा। आरवी क्लब पांडव क्रज से सोमवार को सुल्तानगंज पहुंचे विदेशी सैलानियों ने अजगैवीनाथ मंदिर का दर्शन किया और यहां की पहाड़ियों में ख़ुदी कलाकृतियों को अपने कैमरे में कैद किया। विभिन्न देशों से आए 21 सैलानियों ने गाइड दीपक मिश्रा से आवश्यक जानकारी ली और अजगैवीनाथ की महत्ता को जानकर बार-बार आने की इच्छा जाहिर की। क्रूज प्रबंधक सिद्ध ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूके, स्विट्जरलैंड, अमेरिका और इटली से आए ये 21 विदेशी पर्यटक गंगा नदी मार्ग से कोलकाता से 25 अक्टूबर को चलकर आज यहां पहुंचे हैं, और आठ नवंबर तक पटना पहुंचेंगे। गाइड ने उन्हें विभिन्न स्थानों की महत्वपूर्ण जानकारी दी। अमेरिका के टॉम ने कहा कि वह पहली बार यहां आए हैं और भोजन काफी अच्छा लगा। ऑस्ट्रेलिया की मोयला ने कहा कि यहां आकर उसके अनुभव सुनने से भी बेहतर रहे। सैलानियों एनडी और कैरीन ने कहा कि विभिन्न रंग-बिरंगे वस्त्रों में गंगा स्नान करते देख मन गदगद हो गया। अन्य सैलानियों ने कहा कि यह स्थान बहुत सुंदर और आकर्षण का केंद्र है, और वे बार-बार यहां आना चाहेंगे।

प्रवेशद्वार पश्चिम दिशा की ओर

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड में स्थित ऐतिहासिक सूर्य नगरी औंगारी धाम अपनी अद्भुत विरासत और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। द्वापर युग से ही सूर्य उपासना का यह प्रमुख केंद्र रहा है, जो आज भी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र

औंगारी धाम की सबसे विशिष्ट पहचान यहां का सूर्य मंदिर है। इसका प्रवेश द्वार पश्चिम दिशा की ओर है। यह मंदिर देश के 12 प्रमुख सूर्य मंदिरों में से एक है। मंदिर में स्थापित भगवान सूर्य की मूर्ति बहुमूल्य अष्टधातु से निर्मित है। गर्भगृह में सूर्य देव के साथ गणेश, शिव-पार्वती सहित एक दर्जन से अधिक देवी-देवताओं की प्रतिमा

पौराणिक महत्व और चमत्कारिक मान्यताएं

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भगवान सूर्य के पौत्र राजा शाम्ब ने कुष्ठ रोग से मुक्ति पाने के लिए यहां आकर तालाब और भास्कर मंदिर का निर्माण करवाया था। आज भी लोगों का विश्वास है कि यहां के पवित्र तालाब में स्नान करने से कई बीमारियों से मुक्ति मिलती है। साथ ही यहां पूजा-

अर्चना करने से निर्धन को धन और निःसंतान को

छर पर्व का महत्वपूर्ण केंद्र

औंगारी धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष रामभूषण दयाल ने बताया कि कार्तिक और चैती छठ के दौरान औंगारी धाम अपनी भव्यता के चरम पर पहुंच जाता है। प्रखंड और जिले से ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों और नेपाल से भी सैकड़ों श्रद्धालु यहां अर्घ्य देने आते हैं। यहां व्रतियों की सेवा का विशेष प्रबंध किया जाता है।

प्रशासनिक व्यवस्था

जिला प्रशासन की ओर से छठ के दौरान विशेष प्रबंध किए गए हैं। इनमें पुलिस बल की तैनाती, स्वास्थ्य सुविधाएं, साफ-सफाई की व्यवस्था, तालाब की बैरिकेटिंग, आवासन की व्यवस्था की गई है। आज औंगारी धाम की ख्याति देश-विदेश में फैल चुकी है। यहां का सूर्य तालाब, जिसके चारों कोनों पर गहरे कुएं हैं और बीच में सूर्य स्तंभ है। अपने आप में एक अनूठी विरासत है। इस प्राचीन धरोहर को संरक्षित करने में स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संस्थाएं और प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं।



दरभंगा में जिला खेल महोत्सव-2024 के आयोजन के लिए बैठक १५ नवंबर से होगी शुरूआत

अधिकारियों को दिया गया निर्देश

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा के जिला खेल महोत्सव-2024 के आयोजन के लिए एक बैठक जिलाधिकारी-सह-अध्यक्ष जिला खेल संघ, दरभंगा राजीव रोशन की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में आगामी जिला स्तरीय जिला खेल महोत्सव-2024 की तैयारी और उसकी तिथि और व्यवस्थित कार्यक्रम की रूपरेखा का विवरण दरभंगा जिला खेल संघ के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह ने जिलाधिकारी के समक्ष रखा। जिलाधिकारी ने पूर्व से निर्धारित तिथि में बदलाव कर इसे 15 नवंबर से 18 नवंबर-2024 तक करने का निर्देश दिया। उन्होंने आयोजन समिति, खेल समिति एवं विभिन्न खेल विधाओं की दृष्टि से उसकी कार्यकारिणी बनाने के लिए विशेष दिशा निर्देश दिया। जिला खेल संघ दरभंगा के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस जिला खेल महोत्सव में ऐथ्लैटिक्स, टेबल टेनिस, कबड्डी, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, खो खो, शतरंज, बैडमिंटन, टेनिस बॉल क्रिकेट एवं कुश्ती में बालक एवं बालिका टीम को सम्मिलित होना है। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से साइक्लिंग एसोसिएशन, दरभंगा के सचिव रतीश कुमार को 15 नवंबर को सुबह 7 बजे खेल महोत्सव

की जागृति और व्यापक प्रचार प्रसार के लिए व्यवस्थित साइकिल जन जागृति रैली आयोजित करने का निर्देश दिया। वहीं, जिला खेल महोत्सव 2024 के लिए आयोजन समिति में जिलाधिकारी दरभंगा अध्यक्ष होंगे। वहीं, जावेद अनवर कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह सचिव, प्रदीप कुमार गुप्ता संयुक्त सचिव, नवीन सिंह सदस्य संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह अध्यक्ष जिला कबड्डी संघ दरभंगा, अखलाकुर रहमान सचिव जिला कबड्डी संघ दरभंगा, देवनंदन झा सदस्य, उमर अली खान सदस्य, रविंद्र कुमार सिंह सचिव हैंडबॉल संघ, आशीष कमार सचिव टेबल टेनिस संघ, विजय कुमार झा सचिव बैडमिंटन संघ, पवन कुमार सिंह सचिव क्रिकेट, रौशन कुमार सचिव कैरम, सतीश कुमार सिंह सदस्य, रमाशंकर चौधरी सिचव खो खो, यशपाल कुमार सिचव ऐथ्लैटिक्स, ब्रजेश सिंह राठौर सचिव वॉलीबॉल, साकेत चौधरी सचिव शतरंज, दिनेश पंडित सचिव फुटबॉल, रतीश सिंह सचिव साइक्लिंग, रामवृक्ष यादव सचिव कुश्ती, डा. महताब आलम अध्यक्ष ऐथ्लैटिक्स, मुकेश कुमार शामिल किए गए। निबंधन की तिथि को विस्तारित करते हुए इसे 11 नवंबर 2024 तक किया गया है।

औरंगाबाद के देव सूर्य मंदिर पहुंचे पवन सिंह, छठ घाट का भी भोजपुर स्टार ने किया निरीक्षण

औरंगाबाद, एजेंसी। भोजपुरी स्टार पवन सिंह सोमवार की रात करीब 8 बजे के आसपास औरंगाबाद के नबीनगर घाट पहुंचे। पंचायत कार्यालय में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विपिन सिंह सिहत अन्य लोगों ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान हजारों की संख्या में उनके फैंस उपस्थित रहे। पवन सिंह ने मंच के माध्यम से लोगों को प्रणाम किया और उनका हाल-चाल जाना। इससे पूर्व पवन सिंह छठ घाट का निरीक्षण और संपर्क यात्रा के तहत देव सूर्य मंदिर, धुंधुआ घाट, नबीनगर घाट, माधे घाट पहुंचे। देव सूर्य मंदिर पवन सिंह सोमवार की शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। जहां उन्होंने भगवान सूर्य का दर्शन किया। इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा को लेकर पुख्ता व्यवस्था किया गया था।

बेगूसराय, एजेंसी। इंडियन ऑयल के बरौनी रिफाइनरी में आयोजित किए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत रिफाइनरी के टाउनशिप में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के चर्चित कवियों ने अपने कविता और मुक्तक से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए बरौनी रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश ने कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह हमें सामूहिक रूप से जागरूक करने का महती प्रयास है। नैतिकता, ईमानदारी, पारदर्शिता

बेगूसराय के कवि सम्मेलन में मंत्रमुग्ध हुए दर्शक छोटी कुंडलियां सुनाकर काफी और जवाबदेही को अपनाकर ही

इसके सारगर्भित उद्देश्य को प्राप्त कर सकते है। कवि सम्मेलन की शुरुआत जिले के चर्चित गजलकार डॉ. रमा मौसम ने सुरमय तरीके से की, उनकी प्रस्तुति जरा बचपन का वो खोया वो एहसास दे देना, मुहब्बत के परिंदों को खुला आकाश दे देना सुनकर श्रोता रोमांचित हो उठे। पुणे से आए वैज्ञानिक डॉ. हिमांशु शेखर ने हनुमान वंदना से अपनी प्रस्तुति आरम्भ की। इसके बाद उन्होंने दीपावली पर अपनी बानगी प्रस्तुत की जले है दीप हर द्वार, रौशन जग हुआ सारा सुनकर श्रोता देर तक तालियां बजाते रहे। उन्होंने छोटी-

प्रभावित किया। उनकी कुण्डली कुकर, कोकर व कुकुर पर लोग काफी देर तक ठहाका लगाते रहे। भ्रष्टाचार पर आधारित क्णडली कुर्सी बनती है व्यापार मैं करता हूं भ्रष्टाचार ने व्यवस्था पर कड़ा प्रहार किया। जिले के लोकप्रिय कवि प्रफुल्ल चन्द्र मिश्र ने अपनी कविता चलो चले बचपन में सुनाकर श्रोताओं को भावुक कर दिया। माहौल बदलते हुए उन्होंने हर घड़ी, हर पल, खुशियों के बहाने ढूंढते रहे सुनाकर श्रोताओं को उत्साहित किया। लोकगायक डॉ. सच्चिदानंद पाठक ने जब आश्चर्यजनक आंकडों से देश पटा है, श्रोताओं की मांग पर उन्होंने आज मेरे यार की शादी है सुनाकर तालियां बटोरी। अंत में जिले के वरीय कवि और पत्रकार अशान्त भोला ने मुक्तक से जोश भर दिया। उनकी मुक्तक किसी को पीना नहीं आता, मरना जीना नहीं आता। कोई वतन को खून देता है, आपको पसीना नहीं आता पर काफी तालियां बटोरी। उनकी कविता ताजा लहू के धब्बे किसे दिखाऊं प्रभावित कर गया। ऑफिसर क्लब में आयोजित कवि गोष्ठी का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक जी.आर. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक डॉ. प्रशान्त राउत, मुख्य महाप्रबंधक , एस.के. सरकार, संतर्कता विभाग महाप्रबंधक एन. राजेश, जागृति क्लब की अध्यक्ष डॉ. सुष्मिता प्रकाश ने कवियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक आशीष आनन्द, मुख्य प्रबंधक नीरज कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक मिनाक्षी ठाक्र, ऑफिसर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रगति कुमार एवं कल्याण केंद्र के उपाध्यक्ष वागीश आनंद सहित अन्य उपस्थित थे। कवि सम्मेलन का संचालन लोकगायक सिच्चदानंद पाठक एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ अधिकारी सत्येंद्र कुमार यादव ने किया।

फांसी के फंदे से लटका विवाहिता का शव बरामद

छपरा, एजेंसी। थाना क्षेत्र के अमनौर हरनारायण नहर बाईपास स्थित एक घर से पुलिस ने फांसी के फंदे से लटका हुआ महिला का शव बरामद किया। सोमवार को सुबह मिली सूचना के बाद पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे लेकर जांच में जुट गई। मृतक महिला स्थानीय शैलेश महतों की पत्नी सविता देवी (28वर्ष) बतायी गई है। जब पुलिस पहुंची तो उस वक्त पित सहित परिवार के सभी सदस्य फरार थे। बताया जाता है कि विवाहिता छठ पर्व की तैयारी में लगी हुई थी पर दहेज व परिवारिक विवाद की वजह ने महिला दहेज हत्या की शिकार हो गई। घटना स्थल पर मायके से पहुंचे भाई -बहन व पिता का कहना था कि उसके साथ दहेज व आपसी विवाद को लेकर बराबर मारपीट की जाती थी। जान से मारने की धमकी भी दी जाती थी। कई बार सुलह व समझौता भी हुआ पर बेटी के ससुरालवाले कुछ समझने को तैयार ही नहीं थे। आखिरकार मेरी बेटी दहेज की बलिबेदी पर चढ़ ही गई । महिला को दो नन्हे बच्चे भी हैं। एक डेढ़ साल का मुन्ना तो तीन साल की बेबी अपनी मां की मौत के बारे में समझ तो नहीं पा रहे थे पर टुकुर -टुकुर लोगों की तरफ देख रोने लग जा रहे थे । इस मामले में पानापुर थाना के धोबौल गांव निवासी मृतका के पिता दीपलाल महतो ने पित समेत ससुरालवालों के खिलाफ स्थानीय थाना में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगायी है।

बीएसपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची, मायावती और सतीशचंद्र मिश्रा सहित 40 नामशामिल

लखनऊ, एजेंसी।उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है।इसके लिए बसपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें बसपा सुप्रीमो मायावती और सतीशचंद्र मिश्रा सिहत 40 नाम शामिल हैं। बसपा के ये महारथी उपचुनाव में बसपा की जीत के लिए दिनरात एक करेंगे। बताते चलें कि यूपी में गाजियाबाद, मीरपुर, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसमऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझावां सीटों पर उपचुनाव होना है।इसके लिए पहले 13 नवंबर को मतदान होना था।लेकिन, 04 नवंबर को



चुनाव आयोग ने इन सभी सीटों पर मतदान की तारीख एक हफ्ते बढ़ा दी है। अब इन नौ सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी।

बताते चलें कि उपचुनाव को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती विपक्ष पर लगातार हमलावर हैं। एक दिन पहले सोमवार को उन्होंने भाजपा – कांग्रेस को निशाने पर लिया। कहा कि ऐसे समय में जब करोड़ों लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, भाजपा और कांग्रेस महाराष्ट्र व झारखंड चुनाव के लिए प्रचार में एक – दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। साथ ही मुफ्त उपहारों की घोषणा करने में व्यस्त हैं।

नकारात्मक राजनीति में व्यस्त हैं पार्टियां उन्होंने कहा था कि जनता के मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय ये पार्टियां चुनाव से पहले अपने झूठे प्रचार और वादों के साथ नकारात्मक राजनीति में व्यस्त हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों द्वारा जनता से किए गए वादे ईमानदारी से पूरे नहीं किए जा रहे हैं। क्योंकि, वादे केवल लोगों को गुमराह करने के लिए किए जाते हैं। सरकार बनने के बाद नेता इसे भूल जाते

रायबरेली में राहुल गांधीः नो सड़कों का किया लोकार्पण, शहीद चौक का भी उद्घाटन किया

रायबरेली, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिशा की बैठक में शामिल हुए। इससे पहले वह लखनऊ – रायबरेली सीमा पर बने चुरुवा हनुमान मंदिर सुबह 10.09 बजे पहुंचे। जहां उन्होंने हनुमान जी के दर्शन किए और बछरावां पहुंचे जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सुबह 10.45 बजे वह रायबरेली शहर पहुंचे जहां फिरोज गांधी डिग्री कालेज चौराहा पर बने शहीद



चौक का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने 70.900 किमी की नौ सड़कों का लोकार्पण किया। यह सड़कें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनाई गई हैं। एफडीआर तकनीक का उपयोग सड़क निर्माण में हुआ है। 5367.88 लाख की लागत से सड़कों का निर्माण

सांसद सड़कों का लोकार्पण करने के बाद बचत भवन में आयोजित दिशा (जिला अनुश्रवण समिति) की बैठक में पहुंचे । वहीं, कांग्रेसियों को पुलिस ने राहुल गांधी से भेंट तक नहीं करने दी, जिसे लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फिरोज गांधी चौराहा पर हंगामा भी किया। सांसद की सुरक्षा को देखते हुए कलेक्ट्रेट को छावनी में तब्दील किया गया है। किसी को भी कलेक्ट्रेट परिसर में घुसने की इजाजत नहीं दी गई है।

9.53 करोड़ से दीक्षा भवन के ऑडिटोरियम का होगा जीर्णोद्धार

एक थिएटर रूम का

भी होगा निर्माण

ऑडिटोरियम कॉम्प्लेक्स में एक समर्पित थिएटर रूम भी बनाया

जाएगा, जो सांस्कृतिक और शैक्षणिक प्रस्तुतियों के लिए उपयुक्त

परिसर में लगेगी सैंडस्टोन

की बेंच व स्ट्रीट लाइट

संपूर्ण विश्वविद्यालय परिसर को आकर्षक और सुविधाजनक

सैंडस्टोन की बेंच और स्ट्रीट लाइट भी स्थापित की जाएगी, ताकि

नवीनीकरण विश्वविद्यालय के लिए एक मील का पत्थर साबित

साथ यह भवन छात्रों, शिक्षकों और आगंतुकों के लिए एक

करना है : प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

होगा । अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं और उत्कृष्ट इंटीरियर के

आकर्षक स्थान बनेगा । इसके जीर्णोद्धार के पीछे सांस्कृतिक और

शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक आदर्श स्थल प्रदान

छात्र और आगंतुकों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो सके। दीक्षा भवन का

बनाने के उद्देश्य से मुख्य परिसर के 1.8 किलोमीटर क्षेत्र में



गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन का ऑडिटोरियम 9.53 करोड़ रुपये से जीर्गोद्धार किया जाएगा। ऑडिटोरियम में नवीनीकरण के साथ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। जल्द कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

दीक्षा भवन ऑडिटोरियम में नवीनीकरण कार्य के अंतर्गत नवीनतम ऑडियो-विजुअल उपकरणों को लगाए जाने की योजना है, जो विशेष आयोजनों में उत्कृष्ट दूश्य और श्रवण अनुभव प्रदान करेंगे।

दीक्षा भवन ऑडिटोरियम के विभिन्न हिस्सों का पुनरुद्धार किया जाएगा, जिसमें आधुनिक सीटिंग चेयर्स, सुसिज्जित मंच इंटोरियर, आकर्षक फ्रंट एिलवेशन डिजाइन, गैलरी और शौचालयों का नवीनीकरण प्रमुख हैं। इसके साथ ही ऑडिटोरियम कॉम्प्लेक्स में दो प्रवेश की व्यवस्था होगी। अति महत्वपूर्ण अतिथियों के लिए अलग प्रवेश की व्यवस्था होगी एवं विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य अतिथियों के लिए दूसरे प्रवेश का प्रावधान भी है।

खिलाड़ियों में प्लेइंग किट और ट्रैक सूट वितरित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोरखपुर के प्रशासनिक भवन पर आयोजित कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो.शांतन् रस्तोगी, एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. विमलेश मिश्र, उपाध्यक्ष प्रो. आलोक गोयल एवं संयुक्त सचिव डॉ. मनीष पांडेय की ओर से खिलाड़ियों को प्लेइंग किट एवं ट्रैक सूट प्रदान किया प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हो रही विश्वविद्यालय कबड्डी की पुरुष टीम को शुभकामनाएं देते हुए प्रति कुलपति प्रो. शांतनु रस्तोगी ने कहा कि सभी खिलाडी खेल भावना के साथ सर्वश्रेष्ठ खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। क्रीडा परिषद अध्यक्ष प्रो. विमलेश मिश्रा ने बताया कि दिवाली के बाद बैडमिंटन एवं कबड्डी की टीमें स्पोर्ट्स कम्पटीशन में भाग लेने के लिए रवाना हुई हैं। बैडमिंटन टीम मणिपुर यूनिवर्सिटी एवं कबड्डी टीम जौनपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित जोनल प्रतियोगिता में भाग

नहाय-खाय के साथ कानपुर में धूमधाम से शुरु हुई छठ पूजा

सुनील बाजपे

कानपुर। 'सुनिहा अरज छठी मईया...के भजन गायन के साथ यहां 'आज मंगलवार से लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की शुरूवात हो गयी। इसको लेकर पूर्वांचल के लोगों में भरपूर उत्साह है। आज बड़े जोर शोर से शुरु छठ पूजा का आयोजन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए नदी, नहरों, तालाबों, पोखरों और रजवहों में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरे विधिविधान से छठ पूजा की। कई क्षेत्रों में सामूहिक पूजन भी किया गया। चार दिनों तक चलने वाले इस छठ महा पर्व का समापन 08 नवंबर को होगा। आज पहले दिन इसकी शुरुवात दिन नहाय-खाय, के साथ की गई। जबकि दूसरे दिन यानी आज बुधवार को खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य देते हुए समापन होगा। जैसा कि सर्व विदित हैं कि छठ महापर्व सूर्य उपासना का सबसे बड़ा त्योहार होता है।

इस पर्व में भगवान सूर्य के साथ छठी माई की पूजा-उपासना विधि-विधान के साथ की जाती है। यह सबसे किठन व्रतों में से एक माना जाता है। इस पर्व में आस्था रखने वाले लोग सालभर इसका इंतजार करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि छठ का व्रत संतान प्राप्ति की कामना, संतान की कुशलता, सुख-समृद्धि और उसकी दीर्घायु के लिए किया जाता है। साथ ही यह भी बताते चलें कि छठ पूजा पूर्वांचल का प्रमुख पर्व है। आज से प्रारंभ होकर अगले चार दिन तक छठ पूजा का पर्व मनाया जाएगा। शहर में भी पूर्वांचल के तमाम लोग रहते हैं, इसलिए यहां भी जगह-जगह पूरे श्रद्धाभाव से छठ पूजा की जाती है।

नहाए-खाय से छठ महापर्व प्रारंभ : बहुत ही कठिन माने जाने वाले इस व्रत में 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए रख जाता है। छठ पूजा का व्रत रखने वाले लोग चौबीस घंटो से अधिक समय तक निर्जल उपवास रखते हैं। इस पर्व का मुख्य व्रत षष्ठी तिथि को रखा जाता है, लेकिन छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से हो जाती है, जिसका समापन सप्तमी तिथि को प्रातः सूर्योदय के समय अर्घ्य देने के बाद



समाप्त होता है। खरना : इसके बाद 06 नवंबर को खरना यानी लोहंडा छठ पूजा का दूसरा दिन होता है। इस साल खरना है। खरना के दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास करते हैं। फिर शाम को प्रसाद में गुड़ की खीर और रोटी बनाकर चढ़ाते हैं। इसके साथ फल का भी भोग लगाते हैं और इसके बाद इसे खाते हैं।

संध्या अर्घ्यः इसके बाद छठ पूजा का तीसरा दिन संध्या अर्घ्य का होता है। इस दिन छठ पर्व की मुख्य पूजा की जाती है। तीसरे दिन व्रता और उनके परिवार के लोग घाट पर आते हैं और डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस साल छठ पूजा का संध्या अर्घ्य 07 नवंबर को दिया जाएगा। उषा अर्घ्य और पारण (सूर्य को अर्घ्य) : इसी तरह से उषा अर्घ्य और पारण 8 नवंबर को है। इस दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जिसके बाद व्रती अपना व्रत खोलते हैं और फिर पारण करते हैं। इसी के बाद छठ पूजा का प्रसाद बंटता है और लोग सूर्य भगवान का आशीर्वाद लेकर उन्हें प्रणाम करते हैं।

छठ पूजा की महिमा: जहां तक छठ पूजा की महिमा और उसके महत्व का सवाल है। इस दौरान सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस पूजा में भक्त गंगा नदी जैसे पवित्र जल में स्नान करते हैं। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव और छठी माता के लिए प्रसाद तैयार करते हैं। दूसरे और तीसरे दिन को खरना और छठ पूजा कहा जाता है। महिलाएं इन दिनों एक कठिन निर्जला व्रत रखती हैं। साथ ही चौथे दिन महिलाएं पानी में खड़े होकर उगते सूरज को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण करती हैं,जिसके साथ ही छठ महापर्व का समापन हो जाता है।

तीन दोस्तों की मौतः जांच में सामने आई हादसे की असली वजह, परिजनों को जिंदगी भर का गम दे गई दीपावली की रात

बिजनौर , एजेंसी। बिजनौर जनपद में दीपावली की रात सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत उनके परिवारों को जिंदगीभर नहीं भूलने वाला गम देकर चली गई। इस अनहोनी की वजह को बयां करते हुए घायल एक युवक के परिवार ने उस दुख भरे पल का जिक्र किया। बताया कि हादसे के वक्त सड़क पर दो नहीं बिल्क तीन सांड मौजूद थे। दो सांडों से कार को बचा लिया गया, जबिक सामने तीसरा सांड आया तो अचानक ब्रेक लगाने में कार अनियंत्रित हो गई।

हादसे के वक्त कार को पार्थ त्यागी चल रहा था। पार्थ के एक परिजन ने बताया कि जन्मदिन की खुशियों को लेकर कार में सवार छह दोस्त नजीबाबाद रोड पर स्वाहेड़ी बाईपास तक गए। जहां से वापस लौट रहे थे। तभी इंद्रलोक कॉलोनी के सामने सड़क पर दो सांड दिखाई दिए। दोनों से गाड़ी बचा ली, मगर तीसरा सांड अचानक सामने आ गया। जिसे देखते ही ब्रेक लगाए तो गाड़ी अनियंत्रित हो गई। बता दें कि कार में अश्विन (23) पुत्र अतुल राजपूत निवासी



नई बस्ती, सारांश (25) पुत्र सुशील शर्मा निवासी मोहल्ला पंचवटी कॉलोनी बिजनौर, अनिरूद्ध कोहली (23) पुत्र पुनीत कोहली मोहल्ला सिविल लाइन, प्रतिक्षित (24) पुत्र प्रमोद कुमार निवासी प्रगति विहार, प्रद्युमन (24) पुत्र सतेन्द्र निवासी शक्ति नगर बिजनौर और पार्थ त्यागी (24) पुत्र ऋतुराज त्यागी निवासी मालती नगर सवार थे।

इस हादसे में अश्विन उर्फ यश राजपूत, सारांश और अनिरुद्ध की मौत हो गई। फिलहाल पार्थ त्यागी और प्रद्युमन की हालत खतरे से बाहर है जबिक प्रतिक्षित का दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। उधर, मृतक सारांश भारद्वाज के दोस्त दक्ष अग्रवाल ने बताया कि सारांश के साथ उसने कोटा में कोचिंग की थी। तभी से दोस्ती थी। शुक्रवार को सारांश का जन्मदिन था, तो उस दिन शाम आठ बजे उसके घर गया लेकिन तब तक सारांश अपने दूसरे दोस्तों के साथ घूमने के लिए निकल चुका था।

सीएम योगी को फिर जान से मारने की धमकी: गोरखपुर पुलिस को मिला धमकी भरा स्क्रीनशॉट, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

गोरखपुर, एजेंसी। अभी मुंबई से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि गोरखपुर पुलिस के एक्स हैंडल पर सीएम को धमकी देने का एक स्क्रीनशॉट किसी ने भेजा है। इस बार धमकी देने वाला गोरखपुर का रहने वाला बताया जाता है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। वह गोरखपुर में कहां का रहने वाला है इसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

कुछ दिन पहले मुंबई की फातिमा खान ने सोशल मीडिया के जिरये मुख्यमंत्री की हत्या करने की धमकी दी थी। मुंबई पुलिस ने रविवार की दोपहर में फातिमा को हिरासत में लिया था। जांच में वह मानसिक रोगी पाई गई थी। फातिमा के ही ट्वीट को रीट्वीट करते हुए गोरखपुर के रियाजुल हक अंसारी नामक शख्स ने सैफ अंसारी नामक अपने अकाउंट से ट्वीट किया है, जिसमें लिखा है कि मैं भी मारूंगा योगी को। इस रीट्वीट का संज्ञान लेते हुए वायस आफ हिंदूज नामक संस्था ने पुलिस में शिकायत की है। इस संस्था ने सैफ को आतंकवादी बताते हुए उसे गोरखपुर निवासी बताया है। इस ट्वीट के बाद से गोरखपुर पुलिस अलर्ट हो गई और रियाजुल हक अंसारी के बारे में पुलिस ने जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया है कि मामला संज्ञान में आया है। अकाउंट होल्डर को ट्रेस किया जा रहा है। पुलिस ने कहा है कि ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटेगी।

लाठी व ईंट से पीट कर रिटायर्ड सिपाही की हत्या, नाली को लेकर हुआ था विवाद; पुलिस देख आरोपी फरार

आजमगढ़ , एजेंसी। आजमगढ़ के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के जमीन हरखोरी (लड़ीहा) गांव में नाली के विवाद को लेकर बीती रात पटीदारों ने रिटायर्ड सिपाही की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपियों की तलाश में पुलिस द्वारा दिबश दी जा रही है।

जमीन हरखोरी गांव के पुरवा लिड़या निवासी रिटायर्ड सिपाही नरिसंह यादव (65) सोमवार की सुबह घर के सामने नाली की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान घर के बगल में रहने वाले पटीदार बलजीत यादव से उनकी कहासुनी हो गई। इसके बाद कुछ लोगों ने बीच में पड़कर मामले को रफा-दफा कर दिया। इसके बाद बीती रात करीब 9:30 बजे के करीब बालजीत और उनके बेटों ने मिलकर रिटायर्ड सिपाही नरिसंह को लाठी-डंडे से पीटकर घायल कर दिया। घायल नरिसंह को लेकर परिजन एक निजी अस्पताल पहुंचे और उन्हें भर्ती कराया। इलाज के दौरान नरिसंह यादव की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर जीयनपुर पुलिस मौके पर पहुंची, और शव को कब्जे में लेकर जहां पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दिबश देने में जुट गई।

मेरठ के रोहटा में मजदूर की हत्या, खेत में गन्ना छीलने गया था राजू, धारदार हथियार से गला रेता

मेरठ मेरठ के रोहटा में मंगलवार अल सुबह को किनोनी गांव के जंगल में गन्ना छिलने गए एक मजदूर की गर्दन रेतकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पहुंची रोहटा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल भेजा।

अज्ञात हमलावरों ने वारदात को दिया अंजाम

जानकारी के अनुसार गांव किनोनी निवासी राजू पुत्र राम सिंह दिलत ठेकेदारी पर गन्ना छिलने का कार्य करता है। वह मंगलवार की अल सुबह 6:00 बजे गांव निवासी किसान पवन पुत्र रामसिंह के खेत में गन्ना छिलने के लिए गया था। जैसे ही वह खेत में पहुंचा तो उसके ऊपर अज्ञात हमलावरों ने उसकी गर्दन पर दराती से प्रहार कर हत्या कर दी और फरार हो गए। घंटों बाद जब अन्य मजदूर गन्ना छिलने के लिए खेत में पहुंचे तो राजू का खून से लथपथ शव देख दंग रह गए। ओर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीण और मृतक के परिजन भी पहुंचे और हंगामा करते हुए। हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग की। सूचना पाकर रोहटा पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा करने वालों को समझा बुझाकर बमुश्किल शांत किया। ओर शव को कब्जे में ले मेडिकल भेजा। पुलिस की फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर जाकर जांच की।

कमरे में मिली लाश: दुर्गंध की शिकायत पर पुलिस ने तोड़ा दरवाजा, नजारा देख सभी सन्न; पत्नी ने लगाया था आरोप

बलिया , एजेंसी। बलिया के बड़ागांव नगर पंचायत के वार्ड नंबर-12 आजाद नगर निवासी मृगेंद्र प्रताप उपाध्याय अपने बंद कमरे में मृत पाए गए। कमरे से भंयकर दुर्गंध निकलने की सूचना पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर जब अंदर पहुंची तो कमरे का नजारा देख सन्न रह गई। अंदर भयंकर दुर्गंध आ रही थी। पूरे कमरे में मल-मूत्र और खून इत्यादि फैला था। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर उनके परिजनों की उपस्थिति में साक्ष्य इकट्ठा किए। शव का पंचनामा करके अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कुमार चौधरी ने बताया कि गत 27 अक्टूबर को मृगेंद्र प्रताप की पत्नी अर्चना ने थाने में शिकायत की थी कि शादी के दो साल बाद से ही उनके पति उसे बुरी तरह मारते-पीटते व प्रताड़ित कर रहे हैं। लोक-लाज व प्रतिष्ठा का ख्याल करते हुए वह चुप थी।

ननद के यहां रह रही थी पत्नी

आरोप है कि 25 अक्टूबर को उन्होंने पुनः मारा-पीटा। साथ में अपनी पुत्री अनिका को भी पीटा। तहरीर पर मृगेंद्र प्रताप के विरुद्ध 27 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसी दिन से पत्नी अर्चना अपनी पुत्री के साथ मृगेंद्र की बहन के घर रसूलपुर चली गई थी। उनके पास जाकर रह रही थीं।

पड़ोसियों के अनुसार, इधर 10 दिनों से मृगेंद्र शराब का काफी सेवन कर रहे थे। खाना भी नहीं खा रहे थे। मंगलवार को उनके कमरे से कोई आहट नहीं मिली। कमरे से दुर्गंध आती महसूस हुई तो पड़ोसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वीडियो रिकॉर्डिंग कराते हुए दरवाजे को बलपूर्वक तोड़ा।

मौनी महाराज बोले- सरकार पूरी तरह लगाए प्रतिबंध

अमेठी , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अमेठी से सगरा पीठाधीश्वर ने महाकुंभ में गैर सनातिनयों के आने पर रोक लगाने की मांग की है। वह समय-समय पर हिंदुओं और धर्म के प्रति आवाज उठाते रहते हैं। उन्होंने एक बार फिर अपना बयान जारी किया है। संतों के बयान के समर्थन में मौनी महाराज ने वीडियो जारी करके महाकुंभ से पहले गैर सनातिनयों को लेकर मांग उठाई है। मौनी महाराज ने कहा कि गैर सनातिनयों का महाकुंभ में प्रवेश पूरी

तरीके से प्रतिबंधित किया जाए। गौरीगंज के बाबूगंज सगरा पीठाधीश्वर मौनी महाराज समय-समय पर धर्म को लेकर आवाज उठाते रहते हैं। ऐसे में उन्होंने एक बार फिर वीडियो जारी कर महाकुंभ 2025 से पहले प्रयागराज में गैर सनातिनयों का प्रवेश प्रतिबंधित किए जाने की मांग की है।



महाकुंभ 2025ः संतों की मांग, गैर सनातिनयों के आने पर लगे रोक

गैर सनातिनयों का प्रवेश लगे रोक-उन्होंने कहा कि महाकुंभ में गैर सनातिनयों का प्रवेश पूरी तरीके से प्रतिबंधित हो। गैर सनातनी लोग जिस तरीके से धर्म के प्रति अपशब्द प्रयोग

करते हैं और धर्म के खिलाफ बोलते हैं ऐसे में गैर सनातिनयों का प्रवेश भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित होना चाहिए। हिंदू पीठाधीश्वर मौनी महाराज ने कहा कि महाकुंभ 2025 लगने जा रहा है। ऐसे में गैर सनातनियों के ना आने का हम समर्थन करते हैं।इसके साथ ही अखाड़ा परिषद का जो बयान है उसका भी हम समर्थन करते। उन्होंने कहा कि जब गैर सनातनी भारत को नहीं मानते गंगा को नहीं मानते मेरे देवी-देवताओं को नहीं मानते, धर्म को नहीं मानते और मेरे मठ मंदिरों में रहकर अपशिष्ट पदार्थ का प्रयोग करते हैं, तो ऐसे लोगों को प्रयागराज आने की कोई आवश्यकता नहीं। उन्होंने कहा कि जब मक्का सिर्फ मुसलमान का है तो प्रयागराज हम सनातनियों का है वहां सिर्फ सनातनियों को ही इजाजत मिलनी चाहिए।सनातनियों को ही दुकान मिलनी चाहिए।सरकार को इसकी व्यवस्था करनी चाहिए कि वहां का हर व्यक्ति सनातनी हो हिंदू हो वह मां गंगा को माने राम को माने और सनातन धर्म को माने और मां गंगा में डुबकी लगाई यही हमारी मांग है।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट से 10 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी द्वीप फ्लोर्स में सोमवार को माउंट लियोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी में विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वोल्कैनो में रिववार (3 नवंबर) को करीब 24 मिनट तक विस्फोट हुआ। इसके बाद यह रातभर कई बार फटा और सुबह करीब 6 बजे 300 मीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार उठता नजर आया। ज्वालामुखी विस्फोट की वजह से दर्जनों भूकंप भी आए। फिलहाल

इंडोनेशिया की सरकार ने और झटकों की आशंका जताई है। ज्वालामुखी फटने से 7 गांवों में रह रहे 10 हजार लोगों को नुकसान हुआ है। इस दौरान कई घर भी जलकर राख हो गए। लोगों ने बताया कि विस्फोट के बाद ऐसा लग रहा था जैसे आग के गोले घरों पर



गिर रहे हैं। वे अपना घर छोड़कर इधर-उधर भागने लगे। प्रशासन ने लोगों को वोल्कैनो के 7 किलोमीटर के दायरे से दूर रहने की सलाह दी है। 5 गांवों को खाली कराया गया AFP के एक पत्रकार ने बताया कि माउंट लाकी-लाकी के पास 5 गांवों को खाली करा लिया गया है। इसके अलावा लोगों को धुएं के असर से बचने के लिए मास्क लगाने की सलाह दी है। अक्टूबर से लेकर अब तक माउंट लाकी-लाकी में 43 बार विस्फोट हो चुका है। पिछले हफ्ते ज्वालामुखी फटने के बाद 800 मीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार उठता नजर आया था।

परमिशन मिलने पर फ्लाइट में इस्तेमाल कर सकेंगे Wifi

मुंबई। सरकार ने सोमवार को कहा कि फ्लाइट में पैसेंजर्स वाई-फाई के माध्यम से इंटरनेट सर्विस का इस्तेमाल तभी कर पाएंगे, जब विमान इंडियन एयर स्पेस में 3.000 मीटर की ऊंचाई पर पहंचने के बाद उसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इस्तेमाल की अनुमति दी जाएगी। सरकार की ओर से

यह स्पष्टीकरण नए फ्लाइट एंड मेरीटाइम कनेक्टिविटी (अमेंडमेंट) रूल्स, 2024 के तहत आया है। इससे पहले 2018 में यह अनिवार्य किया गया था कि विमान में मोबाइल कम्युनिकेशन सर्विस तभी शुरू की जा सकती है जब विमान स्थलीय मोबाइल



नेटवर्क के साथ हस्तक्षेप से बचने के लिए 3,000 मीटर की न्यूनतम ऊंचाई पर पहुंच जाए। अब नए नियम के अनुसार, इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद भी वाई-फाई के माध्यम से इंटरनेट सर्विस तब ही उपलब्ध कराई जाएगी, जब इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों के इस्तेमाल की अनुमति होगी। फ्लाइट के कैप्टन के पास वाई-फाई चालू या बंद करने का अधिकार होगा। साथ ही वाई-फाई तब चालू होगा जब विमान टेक स्टेबल स्पीड पर होगा। वहीं, टेक-ऑफ या लैंडिंग के दौरान इसको बंद रखना होगा। अगस्त 2024 के डेटा के अनुसार, एविएशन सेक्टर में 62.4% की हिस्सेदारी के साथ इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। वहीं, एअर इंडिया दूसरे, विस्तारा तीसरे और AIX कनेक्ट चौथे स्थान पर है।

सलमान खान को लॉरेंस के नाम से फिर धमकी मिली

मुंबई। सलमान खान को अब मंगलवार सुबह फिर एक्टर को लॉरेंस के नाम से धमकी मिली है। मुंबई कंट्रोल रूम में आए मैसेज में कहा गया कि अगर सलमान खान काले हिरण का शिकार करने पर बिश्नोई समाज की मंदिर जाकर माफी नहीं मांगते या 5 करोड़ रुपए नहीं चुकाते तो उनकी

जान जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल रूम के पास सोमवार रात (4 अक्टूबर) को एक मैसेज आया था। आधी रात को एक अधिकारी की नजर उस मैसेज पर गई। मैसेज में लिखा गया था, 'अगर सलमान खान जिंदा रहना



चाहता है तो उसे हमारे मंदिर जाकर माफी मांगनी पड़ेगी या 5 करोड़ रुपए देने होंगे। हमारी गैंग आज भी एक्टिव है।' सलमान को अक्टूबर में दो बार धमकी मिली थी 25 अक्टूबर: NCP नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान के ऑफिस में एक मैसेज किया गया था, जिसमें 2 करोड़ रुपए की मांग भी की गई थी। कहा गया था कि अगर सलमान और जीशान पैसे नहीं देते । उन्हें जान से मार दिया जाएगा। इस मामले में मुंबई पुलिस ने नोएडा 20 साल के मोहम्मद तैयब को गिरफ्तार किया था।

वक्फ बोर्ड JPC में शामिल विपक्षी सांसद बिरला से मिले

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) बिल पर बनी संसदीय समिति में शामिल विपक्षी सांसद मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले। उन्होंने पैनल के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल पर

विपक्ष की राय लिए बिना एकतरफा निर्णय लेने का आरोप लगाया। सांसदों का आरोप है कि पाल विपक्षी सांसदों को बिल पर अपनी बात रखने का मौका नहीं दे रहे हैं। इसके लिए विपक्षी नेताओं ने बिरला को एक संयुक्त पत्र भी लिखा। जिसमें



सांसदों ने समिति से अलग होने की चेतावनी दी थी। इधर, 5 नवंबर को ही वक्फ बोर्ड पर पैनल की एक मीटिंग होनी है। जिसमें सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे दाऊदी बोहरा समुदाय के विचारों को सामने रखने के लिए पैनल के समक्ष पेश होंगे। बिरला को लिखी चिट्ठी में दावा- बैठकों में एकतरफा निर्णय ले रहे पत्र में विपक्षी सांसदों ने शिकायत की है कि जगदंबिका पाल कई बार लगातार 3 दिनों तक बैठकों की तारीखें तय करते हैं और गवाहों को बुलाने का निर्णय भी एकतरफा ले रहे हैं। विपक्षी सांसदों का कहना है कि हमारे लिए तैयारी के बिना उचित बातचीत करना संभव नहीं है। वहीं, भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया है कि विपक्षी सदस्य जानबूझकर समिति के काम में अड़चन डाल रहे हैं।

एशिया में सबसे ज्यादा ट्रैफिक में बेंगलुरु-पुणे टॉप पर

नई दिल्ली। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स की जारी रिपोर्ट में पूरे एशिया में सबसे खराब ट्रैफिक और सबसे अधिक गाड़ियों की भीड़ वाले शहरों में देश के दो शहर टॉप पर हैं। इनमें पहले स्थान पर बेंगलुरु और दूसरे स्थान पर पुणे है। बेंगलुरु में चार पहिया वाहन से 10 किमी की दूरी तय करने में 28.10 सेकेंड का समय लग जाता है। पुणे में इतनी ही दूरी तय करने में 27 मिनट 50 सेकेंड का वक्त लगता है। इसके अलावा नई दिल्ली 12वें और मुंबई 14वें स्थान पर है। नई दिल्ली में 10 किमी की दूरी तय करने के लिए औसतन 21.40 मिनट और मुंबई में 21.20 मिनट का समय लग जाता है। ग्लोबली ब्रिटेन की राजधानी लंदन और आयरलैंड की राजधानी डबलिन सबसे खराब यातायात और सबसे अधिक गाड़ियों की भीड़ वाले शहर है। लंदन में 10 किमी की दूरी तय करने के लिए औसतन 37.20 मिनट और डबलिन में 29.30 मिनट का समय दर्ज किया गया। रिपोर्ट में 55 देशों के 387 शहरों का ट्रैफिक ट्रेंड डेटा की जानकारी दी गई है। वहीं, एशियन डेवलपमेंट बैंक के मुताबिक, शहरों की बढ़ती आबादी के कारण हर 6 साल में शहरी गाड़ियों की संख्या दोगुनी हो रही हैं। हर साल 4.4 करोड़ लोग शहरी आबादी से जुड़ रहे एशियन डेवलपमेंट बैंक के मुताबिक, विकास बनाए रखने के लिए एशिया को 2030 तक सालाना लगभग 142 लाख करोड़ रुपए का निवेश करना होगा। इसमें से 30% से अधिक परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण पर खर्च करने की आवश्यकता होगी। एशिया में हर साल 4.4 करोड़ लोग शहरी आबादी से जुड़ते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने UP मदरसा एक्ट बरकरार रखा, लेकिन PG-रिसर्च सिलेबस तय करने पर रोक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे 17 लाख मदरसा स्टूडेंट

सुप्रीम कोर्ट ने UP बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट की वैधता बरकरार रखी है। यानी उत्तर प्रदेश में मदरसे चलते रहेंगे और 16000 मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सुनाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया, जिसमें मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- UP मदरसा एक्ट के सभी प्रावधान मूल अधिकार या संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का उल्लंघन नहीं करते हैं। हालांकि सप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें मरदसों को PG और रिसर्च का सिलेबस तय करने का अधिकार था। यानी अब मदरसा बोर्ड हायर एजुकेशन का सिलेबस और किताबें तय नहीं कर पाएंगे। 5 अप्रैल 2024



को असंवैधानिक करार देने वाले फैसले पर रोक लगा दी थी। केंद्र और UP सरकार से इस पर जवाब भी मांगा था। इस मामले में 22 अक्टूबर 2024 को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचुड़ की बेंच में सुनवाई हुई थी। चीफ जस्टिस ने कहा था-धर्मनिरपेक्षता का मतलब है- जियो

एक्ट के खिलाफ 2012 में पहली बार दाखिल हुई थी को सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट **याचिकाः** 2004 में मुलायम सरकार मुस्तफा ने दो याचिकाएं दाखिल की

ने मदरसा एक्ट 2004 लागू किया। इसके खिलाफ पहली बार 2012 में याचिका दायर हुई। ये याचिका दारुल उलुम वासिया मदरसा के मैनेजर की लखनऊ खंडपीठ में दाखिल की थी। फिर 2014 में माइनॉरिटी वेलफेयर लखनऊ के सेक्रेटरी अब्दुल अजीज, 2019 में लखनऊ के मोहम्मद जावेद ने याचिका दायर की थी। इसके बाद 2020 में रैजुल ने याचिका दायर की। सभी मामलों का नेचर एक था। सभी ने एक्ट को रद्द करने की मांग की थी। कहा था-धार्मिक शिक्षा से समाज में भेदभाव पैदा हो रहा। इसके बाद कोर्ट ने सभी याचिकाओं को मर्ज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा था- विभिन्न

धर्मों के बच्चों के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकताः 22 मार्च, 2024 को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 86 पेज का फैसला सुनाया। कोर्ट ने मदरसा को असंवैधानिक घोषित कर दिया। इसके साथ ही यूपी सरकार को स्कीम बनाकर मदरसों के बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजने को कहा था। कोर्ट ने कहा- यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन है। विभिन्न धर्मों के बच्चों के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता। धर्म के आधार पर उन्हें अलग-अलग प्रकार की शिक्षा मुहैया नहीं कराई जा सकती। अगर ऐसा किया जाता है तो यह धर्मनिरपेक्षता

मालदीव ने PAK से अपने हाई किमश्नर को वापस बुलाया

मालदीव ने पाकिस्तान में मौजूद

अपने हाई कमिश्नर मोहम्मद तोहा को वापस बुलाने बुलाने का फैसला किया है। दरअसल, तोहा ने 1 नवंबर को इस्लामाबाद में तालिबान के डिप्लोमैट सरदार अहमद शाकीब से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच अफगानिस्तान-मालदीव के रिश्तों पर चर्चा हुई। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अपने हाई कमिश्नर को इस बैठक की इजाजत नहीं दी थी। इसी वजह से सरकार ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक इस्लामाबाद में मौजूद मालदीव मिशन की वेबसाइट से भी तोहा का नाम हटा दिया गया है। मालदीव की लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मताबिक, तोहा को इस साल जुलाई में पाकिस्तान में बतौर हाई कमिश्नर भेजा गया था। मालदीव की सरकार ने तोहा के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। सेंट्रल एशियाई देशों से कटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिश में तालिबान 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से अब तक किसी भी देश ने उसकी सरकार को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, 3 साल से अफगानी सत्ता पर काबिज तालिबान कई देशों से



डिप्लोमैट से मुलाकात की थी, विदेश मंत्रालय बोला उन पर कार्रवाई होगी

कूटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है।पाकिस्तान, चीन, रूस और ईरान जैसे कई सेंट्रल एशियाई देशों ने अफगानिस्तान के डिप्लोमैटिक रिश्तों की शुरुआत की है। हालांकि, काबुल में अब भी सभी पश्चिमी देशों के दूतावासों पर ताला जड़ा हुआ। साउथ एशिया के सबसे छोटे इस्लामिक देश मालदीव ने भी अब तक तालिबान की सत्ता को मान्यता नहीं दी है। तालिबानी मंत्री ने कहा था- भारत से रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं मार्च में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने भारत के एक डेलिगेशन से मुलाकात की थी। तब मुत्ताकी ने कहा था कि हम भारत के साथ राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर रिश्तों को मजबूत

पाकिस्तान आर्मी चीफ का कार्यकाल बढ़ा, ३ नहीं, ५ साल का होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान में आर्मी चीफ के कार्यकाल को अब 3 साल से बढ़ाकर 5 साल कर दिया गया है। पाकिस्तान की सरकार ने सोमवार को कानून में यह संशोधन किया। इसी के साथ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर भी अब 2027 तक पद पर कायम रहेंगे। पहले उनका कार्यकाल 2025 में खत्म होने वाला था। आर्मी चीफ के अलावा पाकिस्तानी सेना के दूसरे सीनियर कमांडरों का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने पाकिस्तान आर्मी एक्ट 1952 में संशोधन का प्रस्ताव रखा था। इसे सदन के अध्यक्ष अयाज सादिक ने पारित कर दिया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, शहबाज सरकार का यह कदम सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को लुभाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। जियो न्यूज के मुताबिक, सीनेट में इस संशोधन को पास करने में करीब 16 मिनट का समय लगा। इमरान



दावा- फीज की लुभान के लिए शहबाज

की पार्टी के सांसद बोले- कानून देश के हित में नहीं इस अमेंडमेंट को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल, इमरान सत्ता से बेदखली के लिए फौज को जिम्मेदार ठहराते हैं। वे उनके खिलाफ कार्रवाई की भी मांग कर चके हैं। नेशनल असेंबली में सेशन के दौरान इमरान की पार्टी PTI के सांसद उमर अयूब ने कहा कि बिना डिबेट के संसद में इस तरह कानून पारित कराना असल

कनाडा में मंदिर पर हमला, पुलिस अधिकारी सस्पेंड

कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के प्रदर्शन में शामिल होने वाले एक पुलिस अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। CBS न्यूज के मुताबिक, हरिंदर सोही नाम का व्यक्ति पील रीजनल पुलिस टीम में अधिकारी के पद पर है। वह रविवार (3 नवंबर) को मंदिर के बाहर खालिस्तानी झंडा लहराता नजर आया था। पील पुलिस के मीडिया ऑफिसर रिचर्ड चिन ने बताया कि पुलिस को मंदिर के बाहर हिंसा से जुड़े फुटेज मिले हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हों रहे हैं। इसमें पुलिस अधिकारी प्रदर्शन में शामिल नजर आ रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है। अब तक 3 लोगों पर हिंदू मंदिर के बाहर भारतीय कॉन्सुलर अधिकारियों पर हमले के मामले में केस दर्ज किया गया है। पील पुलिस ने बताया कि मंदिर के बाहर हिंसा के बाहर उसके आसपास दूसरी जगहों पर भी प्रदर्शन के मामले सामने आए। जयशंकर बोले- कनाडा को बिना सबूत आरोप लगाने की आदत पड़ी पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने कहा कि उन्हें पहले ही हमले की जानकारी मिली थी। सभी को प्रदर्शन करने और अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन इस दौरान किसी भी तरह की हिंसा या अपराध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। हिंसा में जो लोग शामिल थे, उन्हें



विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कनाडा में मंदिर पर हमले का मामला चिंतित करने वाला है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गए जयशंकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि PM मोदी ने भी इस मामले में चिंता जताई है। कनाडा में भारतीय डिप्लोमैट्स की जासूसी को भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्हें बिना किसी सबूत के आरोप लगाने की आदत पड़ गई है। पुलिस ने भी श्रद्धालुओं से की थी मारपीट दरअसल, ब्रैम्पटन में 3 नवंबर को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया था। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए थे। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने कहा कि हमें कनाडा सरकार से कार्रवाई की उम्मीद है। ऐसी खालिस्तानी झंडा लहराया था, 3 लोगों पर केस दर्ज, भारत ने कहा था- ट्रडो सरकार एक्शन ले

घटनाएं हमें कमजोर नहीं कर सकतीं। वहीं विदेश मंत्रालय ने भी कनाडा की सरकार से पूजास्थलों की रक्षा की अपील की थी। इससे पहले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टुडो ने कहा था कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुईं हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है। कनाडा में पहले भी हो चुके हैं हिंदू मंदिरों पर हमले कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था। इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के 40 साल पूरे होने को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे खालिस्तानी वहां पहुंचे और उन्होंने लोगों पर हमला कर दिया। कनाडा में पिछले कुछ समय से हिंदू मंदिरों और समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने से भारतीय समुदाय चिंतित है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा में बाकी जगहों पर हिंदू मंदिरों को

शरद पवार का चुनावी

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले NCP के संस्थापक शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए हैं। पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी NCP (SP) चीफ के पद पर काम करते रहेंगे। 84 साल के शरद पवार ने बारामती में मंगलवार को कहा, 'कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं।' 1960 में शरद पवार ने राजनीतिक करियर की शुरुआत की 1960 में शरद पवार ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। 1960 में कांग्रेसी नेता केशवराव जेधे का



निधन हुआ और बारामती लोकसभा सीट खाली हो गई। उपचुनाव में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी PWP ने शरद के बड़े भाई बसंतराव पवार को टिकट दिया, जबिक कांग्रेस ने गुलाबराव जेधे को उम्मीदवार बनाया। उस वक्त वाईबी चव्हाण महाराष्ट्र के CM थे। उन्होंने बारामती सीट को अपनी साख का मुद्दा बना लिया था। शरद अपनी किताब 'अपनी शर्तों पर' में लिखते हैं कि मेरा भाई कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार था। हर कोई सोच रहा था कि मैं क्या करूंगा? बड़ी मुश्किल स्थिति थी। भाई बसंतराव ने मेरी परेशानी समझ ली।

लुरु में दोस्तों की शर्त SC बोला-सरकारें सभी प्राइवेट राजनीति से संन्यास का संकेत के कारण युवक की मौत

एजेंसी, बेंगलुरु।

कर्नाटक के बेंगलुरु का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जो दिवाली की रात का बताया जा रहा है। इसमें नजर आ रहा है कि एक युवक डिब्बे पर बैठा हुआ है। अचानक से डिब्बे में ब्लास्ट हो जाता है और युवक जोर से जमीन पर गिरता है। इसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो जाती हैं। निजी अंगों में चोट के कारण गई जान पुलिस ने बताया कि शबरीश और उसके दोस्तों ने दिवाली की रात शराब पी थी। इसके बाद सभी कोनानाकुंटे इलाके में जुटे। बेरोजगार शबरीश से उसके दोस्तों ने ऑटोरिक्शा दिलाने की बात कही। उससे पटाखे वाले डिब्बे पर बैठने की शर्त रखी। नशे में धृत शबरीश ने शर्त मानी। दोस्तों ने पटाखा जलाया और उस पर डिब्बा रखा दिया। शबरीश उस पर बैठ गया। उसके दोस्त वहां से चले गए।



पटाखा फटा और शबरीश हवा में उछल कर सडक पर आ गिरा। कुछ सेकेंड बाद वो सडक पर लेट गया। शबरीश के दोस्त उसके पास आए। उसे उठाने लगे लेकिन शबरीश नहीं उठा। इसके बाद सभी दोस्त शबरीश को अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दक्षिण बेंगलुरु एसपी लोकेश जगलासर ने कहा कि डॉक्टरों के मताबिक ब्लास्ट के कारण शबरीश के निजी अंगों में गहरी चोट आई थी। इसके कारण उसकी मौत हो गई। एसपी ने कहा कि घटना का वीडियो सामने आया था

प्रॉपर्टी पर कब्जा नहीं कर सकती

क्या सरकार आम लोगों की

भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है? इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को 1978 (45 साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया। CJI डीवाई चंद्रचुड की अध्यक्षता में 9 जजों की बेंच ने 7:2 के बहुमत से फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, 'हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संसाधनों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है।' बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था, 'सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं।' CJI बोले- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखे जाते हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने बहुमत का फैसला सुनाया। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले से आंशिक रूप से असहमति जताई, जबकि जस्टिस

पर असहमति जताई। याचिका में क्या मांग की गई थीः बेंच 16 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 1992 में मुंबई स्थित प्रॉपर्टी को किया जाता है, जो इन इमारतों

सुधांशु धूलिया ने सभी पहल्ओं



 हर निजी संपत्ति भौतिक संसाधन नहीं, 45 साल पहले दिया अपना ही फैसला पलटा

द्वारा दायर मुख्य याचिका भी शामिल है। POA ने महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट एक्ट (MHADA) अधिनियम के अध्याय VIII-ए का विरोध किया है। 1986 में जोड़ा गया यह अध्याय राज्य सरकार को जीर्ण-शीर्ण इमारतों और उनकी जमीन को अधिगृहीत करने का अधिकार देता है, बशर्ते उसके 70% मालिक ऐसा अनुरोध करें। इस संशोधन को प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन की ओर से चुनौती दी गई है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि MHADA प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 31 सी द्वारा संरक्षित है, जिसे कुछ नीति निदेशक तत्वों (DPSP) को प्रभावी करने वाले कानूनों की रक्षा के इरादे से 1971 के 25 वें संशोधन अधिनियम द्वारा डाला गया था।

क्या है महाराष्ट्र सरकार का कानून?ः राज्य सरकार इमारतों की मरम्मत के लिए महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MHADA) कानून 1976 के तहत इन मकानों में रहने वाले लोगों पर उपकर लगाता है। इसका भुगतान मुंबई भवन मरम्मत एवं पुनर्निर्माण बोर्ड (MBRRB) ओनर्स एसोसिएशन (POA) की मरम्मत का काम करता है।

झारखंड में CM योगी बोले- पहले औरंगजेब ने लूटा, अब झारखंड को आलमगीर आलम लूट रहे

'गेटवे ऑफ झारखंड' के नाम से मशहूर कोडरमा से यूपी के CM योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उन्होंने राज्य की हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस तरह औरंगजेब ने देश को लूटा था, मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड सरकार एक मंत्री था आलमगीर आलम। उनके घर से नोटों की गड्डियां मिली थीं। ये पैसा झारखंड के गरीबों का था, जिसे लूटकर जमा किया गया था। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के कोडरमा और <u>ब</u>ड़कागांव की सभाओं में सीएम



योगी ने बटेंगे तो कटेंगे का नारा दोहराया। उन्होंने लोगों से कहा कि अपनी ताकत का एहसास करवाइए। जातियों में नहीं बंटना है। जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे, कांग्रेस और विपक्ष यही काम करती है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या को बुला रहे हैं। एक दिन

इसलिए एक रहिए और नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि देश का इतिहास गवाह है जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं। CM योगी ने अपनी तीसरी सभा कोल्हान एरिया के जमशेदपुर में की। बता दें, झारखंड में दो चरणों में 81 सीटों पर मतदान होगा। पहले चरण में 13 नवंबर को 43 सीटों पर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को 38 सीटों पर मतदान होगा। योगी ने जिन आलमगीर आलम का जिक्र किया वे झारखंड की हेमंत सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 5 जुलाई 2024 को आलमगीर आलम ये लोग आपको घर के अंदर घंटी के पीएस संजीव लाल, उनके घरेलू

और शंख भी नहीं बजाने देंगे। नौकर जहांगीर आलम, एक बिल्डर और दो इंजीनियर्स के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुल 35.23 करोड़ रुपए कैश जब्त किए गए थे। नौकर जहांगीर के फ्लैट के कमरों में झोले में भर-भरकर 500-500 रुपए के नोटों के बंडल रखे हुए थे। तब नोट गिनने की तीन मशीन मंगाई गई। तीन दिन की गिनती के बाद यहां कुल 31.20 करोड़ रुपए मिले। फ्लैट से जमीन और ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़े कागजात भी मिले । ED ने आलम से करीबी बिल्डर मुत्रा के घर से भी 2.93 करोड़ रुपए जब्त किए थे। जबकि शेष राशि आलम से जुड़े अन्य लोगों के यहां मिली थी।

राष्ट्रीय मुख्यधारा

विराट, रोहित का भविष्य ऑस्ट्रेलिया दौरे पर निर्भर

राहल बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों

भारतीय टीम के कई क्रिकेटरों का भविष्य ऑस्ट्रेलिया दौरे में दांव पर लगा रहेगा। इसमें कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली तक शामिल हैं। हाल के दिनों में विराट और रोहित बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी ये दोनो रन नहीं बना पाये और भारतीय टीम क्लीन स्विप का शिकार हुई। ऐसे में अगर ये अब रन नहीं बना पाते हैं तो इनका भविष्य खतरे में आ जाएगा। वैसे भी इनकी उम्र बढ़ रही और कई युवा खिलाड़ी टीम में जगह के लिए लगातार दावेदारी पेश कर रहे हैं।

रोहित की बल्लेबाजी पहले जैसी नहीं रही। बांग्लादेश और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ इन 5 टेस्ट मैचों की 10 पारियों में रोहित एक अर्धशतक के साथ केवल 13.30 की औसत से 133 रन ही बना सके। उनका सबसे अधिक स्कोर 52 रन रहा। इस घरेल सीजन में रोहित कीवी स्पिनरों के खिलाफ बेबस दिखे और बड़े शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए। इस इस साल टेस्ट क्रिकेट में रोहित ने 11 गेम खेलते हुए 21 पारियों में 29.40 के औसत से केंवल 588 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक, दो अर्द्धशतक बनाए है। मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 में



रोहित ने 14 टेस्ट मैचों की 26 पारियों में था। इस घरेलू सीजन के दौरान उन्होंने 6, तीन शतक और चार अर्द्धशतक के साथ 33.32 की औसत से 833 रन बनाए हैं। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी इस साल रन बनाने में विफल रहे हैं। वह पिछले 5 टेस्ट मैचों की 10 पारियों में 21.33 के औसत से केवल 192 रन ही बना पाये हैं। इसमें वह केवल एक बार पचास से अधिक रन बना पाये हैं। 70 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर

17, 47, 29, 0, 70, 1, 17, 4 और 1 रन ही बनाये हैं। इस साल विराट ने छह मैचों की 12 टेस्ट पारियों में 22.72 की औसत से केवल 250 रन बनाए हैं, जिसमें केवल एक अर्धशतक शामिल है। मौजुदा डब्ल्यूटीसी चक्र 2023-25 में विराट ने नौ टेस्ट और 16 पारियों में 37.40 की औसत से 561 रन ही बनाए हैं। केएल

की सीरीज में राहल का प्रदर्शन सामान्य रहा था वह एक अर्धशतक लगा पाये थे पर न्युजीलैंड के खिलाफ वह विफल रहे। राहुल को लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में फिर से मौका मिला था पर वह इस अवसर का लाभ नहीं उठा पाये। ऐसे में अब अगर वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं चल पाए तो उनके लिए भारतीय टीम में जगह बनाये रखना कठिन हो जाएगा। इसके अलावा ऋषभ पंत से भी उन्हें स्थान के लिए कड़ी टक्कर मिल रही है। ऋषभ का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह विकेटकी पर बल्लेबाज के तौर पर पहली पसंद बनते जा रहे हैं। सरफराज को काफी मुश्किलों के बाद टेस्ट में अवसर मिला है। सरफराज ने 6 टेस्ट में 371 रन बनाए हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरा उनके लिए आसान नहीं रहेगा। सरफराज ने अब तक ज्यादातर टेस्ट घरेलू मैदानों पर ही खेली हैं। ऐसे में अगर ऑस्ट्रेलिया की तेज पिचों पर वह नहीं चल पाए तो उनके लिए आगे टीम में जगह बनाना कठिन होगा क्योंकि इसके बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड भी जाना है। न्युजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सरफराज ने 0 और 150 रन बनाये पर सके बाद दूसरे टेस्ट में 11 और 9 तो तीसरे टेस्ट में 0 और 1 रन ही बना सके।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी२० अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे फिल साल्ट

जोस ब टलर की इंगिल्श टीम में वापसी के बावजूद फिल साल्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे। सफेद गेंद के कप्तान बटलर ने अपने पिछले 108 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 106 में विकेटकीपिंग किया है, और केवल दो मैचों में क्षेत्ररक्षण किया है जो दिसंबर 2023 में इंग्लैंड के पिछले कैरेबियाई दौरे के दौरान त्रिनिदाद में हुए थे। साल्ट ने तीसरे वनडे से पहले बारबाडोस में कहा. "मैंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए बहुत जयादा कुछ नहीं किया है, लेकिन मुझे विकेटकीपिंग करना अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मैं टीम को सबसे ज्यादा योगदान दे सकता हूँ।" साल्ट ने इंग्लैंड के लिए सभी फ़ॉमेंट में खेले गए 59 मैचों में से 13 में विकेटकीपिंग की है और उन्हें मौजूदा वनडे सीरीज में जॉर्डन कॉक्स से आगे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जो न्यूजीलैंड में होने वाली आगामी



सीरीज में टेस्ट विकेटकीपर जेमी स्मिथ की जगह लेंगे। बटलर पिछले कई महीनों से पिंडली में खिंचाव के कारण बाहर हैं। अगर वह सितंबर में ऑस्टेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए फिट होते, तो साल्ट विकेटकीपिंग करते, क्योंकि बटलर मैदान पर अलग-अलग पोजीशन से कप्तानी करने के लिए प्रयोग करने के लिए उत्सुक हैं। बटलर रविवार को कैरेबियाई पहुंचे और सोमवार को केंसिंग्टन ओवल में ट्रेनिंग की। वह बुधवार को होने वाले निर्णायक वनडे के

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट जगत ने मंगलवार को

भारत के करिश्माई बल्लेबाज

विराट कोहली को उनके 36वें

जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज

सिंह ने अपने आधिकारिक एक्स

हैंडल पर कोहली को जन्मदिन

की बधाई दी। युवराज ने कहा कि

दुनिया कोहली की ठोस वापसी

का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा,

"आपको जन्मदिन की हार्दिक

शुभकामनाएं किंग कोहली हमारी

असफलताओं से बेहतरीन वापसी

होती है और दनिया आपकी ठोस

वापसी का बेसब्री से इंतजार कर

रही है। आपने पहले भी ऐसा

किया है और मुझे यकीन है कि

आप इसे फिर से करेंगे। भगवान

लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं और शनिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे. जो जन में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड की हार के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी। एसेक्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज माइकल पेपर, जिन्हें मूल रूप से केवल वनडे टीम के लिए चुना गया था, को टी20 टीम में शामिल किया गया है और वे दौरे के बाकी समय के लिए ग्रुप के

क्रिकेट जगत ने विराट कोहली

को उनके 36वें जन्मदिवस

की दीं शुभकामनाएं

प्राइम टेबल टेनिस लीग के तीसरे सत्र की मेजबानी करेगा इंदौर



एजेंसी, इंदौर। महाराष्ट्र में दो सत्रों की जबरदस्त सफलता के बाद, प्राइम टेबल टेनिस लीग (पीटीटी) का आयोजन मध्य प्रदेश मध्य टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से इंदौर में किया जाएगा। आगामी लीग 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक इंदौर के प्रतिष्ठित अभय प्रशाल

क्लब में आयोजित की जाएगी। रविवार को आयोजित हालिया खिलाड़ी नीलामी में आठ टीमों क्लिपर्स, निंजा, सेंसेशन, स्पार्टन्स, थंडरबोल्ट, योद्ध लायन वॉरियर और किंग पोंग ने बोली लगाई। नीलामी में 56 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, 8 समर्पित कोचों और 8 कुशल प्रबंधकों की सूची प्रदर्शित की गई। प्रत्येक टीम ने सात खिलाड़ियों का चयन किया है, जिसमें 11 से 60 वर्ष की आयु के प्रतिभागी शामिल हैं, जिससे एक समावेशी और विविधतापूर्ण प्रतियोगिता सुनिश्चित होती है। इस सीजन के लिए सबसे प्रतिस्पर्धी रोस्टर बनाने के लिए उत्सुक टीमों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को खरीदा गया। उल्लेखनीय खिलाड़ियों में रूकी बॉय अनुज सोनी शामिल हैं जो लॉयन वॉरियर में शामिल हुए, मार्की महिला अनुषा कुटुम्बले क्लिपर्स में शामिल हुईं, और मार्की पुरुष पंकज कुमार विश्वकर्मा भी क्लिपर्स में शामिल हुए। इसके अलावा, सेंसेशन ने हिमानी चतुर्वेदी को मार्की महिला खिलाड़ी के रूप में सुरक्षित किया।

मैनचेस्टर युनाइटेड में जाने से पहले एमोरिम ने कहा- गार्डियोला दुनिया के सर्वश्रेष्ट कोच



एजेंसी. लिस्बन। स्पोर्टिंग लिस्बन के कोच रूबेन एमोरिम, जो अगले सप्ताह मैनचेस्टर यूनाइटेड का कार्यभार संभालेंगे, ने सोमवार को मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला को विश्व का सर्वश्रेष्ठ कोच बताया। पूर्तगाली खिताब

धारक मंगलवार को चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी का सामना करेंगे, जो स्पोर्टिंग के प्रभारी एमोरिम के अंतिम मैच से पहले होगा। एमोरिम ने सोमवार को स्पोर्ट टीवी से कहा, "मैनचेस्टर सिटी के पास दुनिया की सबसे अच्छी टीम और दुनिया का सबसे अच्छा कोच है।" मैनचेस्टर सिटी ने 2022 में प्रतियोगिता के अंतिम 16 में स्पोर्टिंग को कुल मिलाकर 5-0 से हराया और एमोरिम ने कहा कि तब से एक कोच के रूप में सुधार के बावजूद, उनके और गार्डियोला के बीच अभी भी एक अंतर है। एमोरिम ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं अब एक बेहतर कोच हूं, दुर्भाग्य से मुझे लगता है कि पेप गार्डियोला भी एक बेहतर कोच बन गए हैं, इसलिए अंतर बना हुआ है। पेप गार्डियोला हम में से कई कोचों के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत थे।" सिटी ने लगातार चार सीजन प्रीमियर लीग जीती है, रिकॉर्ड 20 बार के इंग्लिश चैंपियन मैनचेस्टर युनाइटेड ने आखिरी बार 2013 में इसे जीता था।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका सेमीफाइनल में पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने सोमवार को चौथी वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 7-5 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही वह पर्पल राउंड-रॉबिन ग्रुप में अपराजित रहीं। 26 वर्षीय खिलाड़ी साल के अंत में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के कगार पर है। बुधवार को अंतिम ग्रप मैच में एलेना रयबाकिना पर जीत या अपनी प्रतिद्वंद्वी पोलैंड की इगा स्वियाटेक से हार, बेलारूसी खिलाड़ी के लिए साल के अंत में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर देगी। सबालेंका की जीत और



रयबाकिना पर पहले 7-6(4), अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली 3-6, 6-1 की जीत ने सुनिश्चित खिलाड़ी बन जाएंगी। ऑस्ट्रेलियन किया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त ओपन और यू.एस. ओपन चैंपियन खिलाडी बधवार को अपने अंतिम सबालेंका ने रियाद में सातवीं परिणाम के बावजूद अपने समूह में वरीयता प्राप्त झेंग के खिलाफ

पहले स्थान पर रहेगी, जिससे वह अपना पहला मैच भी जीता। चीनी

खिलाडी और पाओलिनी, जिनका रिकॉर्ड 1-1 है, दोनों सेमीफाइनल के लिए दावेदारी में हैं और बुधवार को उनका आमना-सामना होगा। स्वियाटेक एकमात्र खिलाड़ी हैं जो सबालेंका से आगे निकल सकती हैं। मंगलवार को कोको गॉफ से खेलने वाली 23 वर्षीय खिलाड़ी को अपना खिताब बनाए रखना होगा और उम्मीद करनी होगी कि सबालेंका अपने शेष मैच हार जाएं. ताकि साल के अंत में नंबर एक स्थान हासिल कर सकें। सबालेंका ने अपनी जीत के बाद कहा, "मुझे खुद पर गर्व है। सिर्फ़ खुद पर नहीं, बल्कि मेरी टीम पर भी। हम कई चीजों पर काबू पाने में सफल रहे। इतना बढ़िया टेनिस दिखाने और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी

> भला करे ! ढेर सारा प्यार।" पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें "एक प्रतिष्ठित क्रिकेटर और एक प्रेरक प्रतिभा से लेकर हमारे समय के व्यक्ति" कहा। सुरेश रैना ने एक्स सबसे महान खिलाड़ियों में से पर लिखा,"एक प्रतिष्ठित क्रिकेटर और एक प्रेरक व्यक्ति, कोहली, जन्मदिन की शुभकामनाएं! आपका आने वाला साल खुशियों और सफलता से भरा हो।" पूर्व

कहा कि कोहली के रवैये और दुष्टिकोण ने भारत के क्रिकेट खेलने के तरीके को बदल दिया। बद्रीनाथ ने एक्स पर लिखा, "एक गोल-मटोल बच्चे चीकु से लेकर महानतम खिलाड़ी बनने तक, आपके रवैये और दृष्टिकोण ने भारत के क्रिकेट खेलने के तरीके को बदल दिया। जन्मदिन की शुभकामनाएं।" पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भी मंगलवार को कोहली को उनके 36वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, "उस दिन लगा था कि यह लड़का आगे जाकर कुछ अलग बनेगा। एकमात्र और एकमात्र विराट कोहली को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।"

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि 36 वर्षीय कोहली का क्रिकेट में सफर अभूतपूर्व रहा है। हरभजन सिंह ने एक्स पर लिखा, "जन्मदिन की ्रशुभकामनाएं। एक होनहार युवा एक बनने तक का आपका सफर अभूतपूर्व रहा है। आपने हर जगह महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और खुद पर विश्वास करने के भारतीय क्रिकेटर एस बद्रीनाथ ने लिए प्रेरित किया है।



शाकिब अल हसन की गेंदबाजी पर उठे सवाल, संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए किया गया रिपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

अपने करियर के अंतिम दौर में चल रहे बांग्लादेशी ऑलराउंडर शांकिब अल हसन मुसीबतों में फंसते नजर आ रहे हैं और इस बार अपनी गेंदबाजी के कारण। काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए एकमात्र मैच के दौरान शाकिब की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए अंपायरों द्वारा रिपोर्ट की गई है। शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा अपने गेंदबाजी एक्शन का विश्लेषण करवाने के लिए कहा गया था।

शाकिब ने सितंबर में टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ एक रोमांचक चैंपियनशिप मुकाबले में सरे के लिए ने 63 से ज्यादा ओवर फेंके और नौ विकेट चटकाए। अब पता चला है कि ऑन-फील्ड अंपायर स्टीव ओ'शॉघनेसी और डेविड मिल्न्स



ने बाद में उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध माना। 2010-11 में वॉर्सेस्टरशायर के साथ एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद शांकिब की यह प्रतियोगिता में पहली उपस्थिति थी. उन्होंने इंग्लैंड की ड्यूटी पर आठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण कुछ समय के लिए सरे के

खेलने से निलंबित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें अगले कुछ हफ़्तों के भीतर एक स्वीकृत स्थान पर आगे के परीक्षणों से गुजरना होगा। यह शांकिब के लिए एक बडा आश्चर्य है, जिनकी गेंदबाजी उनके 17 साल से अधिक के करियर के दौरान कभी भी जांच के दायरे में नहीं आई, लिए खेलने का फैसला किया था। जिसमें उन्होंने 447 अंतरराष्ट्रीय यह समझा जाता है कि शांकिब को भैचों में 712 विकेट लिए। सोमवार

को जब इस मामले पर बीसीबी के किया गया तो उन्होंने कहा, "इस मामले (शाकिब के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन) का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या अन्य देशों में घरेलू क्रिकेट से कोई संबंध नहीं है। यह मामला ईसीबी के अधिकार क्षेत्र में है और आईसीसी या अन्य बोर्ड से संबंधित नहीं है।" उन्होंने कहा कि अगर शाकिब इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो उन्हें टेस्ट खेलना होगा। शांकिब को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें ठीक होने के लिए कुछ और समय चाहिए क्योंकि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना विदाई टेस्ट खेलने के लिए घर नहीं लौटने के लिए कहा गया था, जिसकी उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा

हॉकी इंडिया लीग ने अपनी वेबसाइट का किया शुभारंभ, सीज़न के कार्यक्रम की घोषणा की

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) ने मंगलवार को 2024-2025 के एचआईएल वेबसाइट का शुभारंभ और बहुप्रतीक्षित सीजन के कार्यक्रम की घोषणा की। 28 दिसंबर को एचआईएल का पहला मैच राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स और गोनासिका के बीच खेला जाएगा। हाल ही में लॉन्च की गई एचआईएल वेबसाइट hockeyindialeague. com के जिरये दुनिया भर के प्रशंसकों को लीग की ताजा खबरें, मैच शेड्यूल, पूरी टीम की सूची और विशेष वीडियो प्रदान की जाएंगी। एक आकर्षक और मनोरंजक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई, यह वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीजों के लिए अंतिम करता है। पुरुषों की लीग 28 दिसंबर स्रोत होगी, जो प्रशंसकों, खिलाड़ियों को राउरकेला में शुरू होगी, जिसमें



और हॉकी के प्रति उत्साही लोगों को पहले से कहीं ज्यादा खेल के करीब रखेगी।

खिलाड़ियों की व्यापक नीलामी के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें इस प्रतियोगिता के लिए कमर कस रही हैं, जो अब तक का सबसे बड़ा और सबसे बेहतरीन एचआईएल सीजन होने का वादा

मैच दो चरणों में जारी रहेंगे और 1 फरवरी 2025 को अंतिम मुकाबला होगा। इस बीच, महिला टीमें 12 जनवरी 2025 को रांची में अपनी लीग यात्रा शुरू करेंगी, जिसका ग्रैंड फिनाले 26 जनवरी को होगा। पुरुषों की एचआईएल राउरकेला में शुरू होगी, जिसका पहला चरण 28 दिसंबर से 18 जनवरी तक चलेगा, जिसमें सभी आठ टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेंगी।

वालेंसिया में बाढ़ के बाद फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए : रियल मैड्रिड कोच एंसेलोटी

एजेंसी, मैड्डि। रियल मैड्डि कर सकते हैं। जब लोग ठीक नहीं के खिलाफ उनका सप्ताहांत का मैच स्थगित हो गया था। वालेंसिया क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देखना चाहते हैं।

अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एंसेलोटी, जिन्होंने एसी मिलान को भी कोचिंग दी है, ने वालेंसिया बाढ के बारे में बात की और संकेत दिया कि वह मंगलवार के मैच को एंसेलोटी ने कहा, "फुटबॉल एक उत्सव है, और जब सब कुछ ठीक हो, जब आपका परिवार ठीक हो और सब कुछ ठीक हो, तो आप जश्न मना सकते हैं और पार्टी हर्नांडेज को मिलने वाला है।

ने चैंपियंस लीग में एसी मिलान के हैं, तो आपको जश्न नहीं मनाना खिलाफ ताजा मुकाबले में जीत चाहिए।" एंसेलोटी ने कहा कि दर्ज की। बाढ़ के कारण वालेंसिया एक कहावत है, शो चलता रहना चाहिए हालांकि ऐसा नहीं है और फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए।" रियल मैड्रिड को पिछले सप्ताह हालांकि कोच कार्लो एंसेलोटी ने खेले गए कोपा डेल रे नॉकआउट सोमवार को स्वीकार किया कि वह प्रतियोगिता के पहले दौर से भी छूट मंगलवार के मैच को भी स्थगित दी गई है, इसका मतलब है कि यह कार्लो एंसेलोटी की टीम का 26 अक्टूबर को क्लासिको में एफसी बार्सिलोना से घरेलू मैदान पर 4-0 की हार के बाद पहला गेम होगा। समारोह का बहिष्कार करने के भी स्थिगित करना पसंद करेंगे। बाद पहला मैच भी है, क्योंकि उसे पता चला था कि विनीसियस जूनियर को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नहीं मिलने वाला है, बल्कि यह पुरस्कार मैनचेस्टर सिटी के रोड्रिगो

मलेशिया के खिलाफ मैत्री फुटबॉल मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की भारतीय टीम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

करते समय इच्छा जताई थी।

भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने मंगलवार को हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी गाचीबोवली स्टेडियम में 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ खेले जाने वाले आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। टीम 11 नवंबर को प्रशिक्षण शिविर के लिए हैदराबाद में एकत्रित होगी। अक्टूबर की शुरुआत में, ब्लू टाइगर्स ने एक दोस्ताना मैच में वियतनाम का सामना किया, जहाँ उन्होंने 1-1 से ड्रॉ के बाद खेल समाप्त किया। वियतनाम के खिलाफ भारत के लिए फारुख चौधरी एकमात्र स्कोरर थे। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अपने पिछले 11 मैचों में जीत हासिल करने में विफल रही है। भारत की आखिरी जीत 16 नवंबर, 2023 को फीफा



विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत के खिलाफ हुई थी, जब उन्होंने अपने विरोधियों को 1-0 से हराया था।

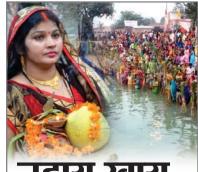
भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ। डिफेंडर : आकाश सांगवान, अनवर अली, आशीष राय, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम,

हिंगथनमाविया राल्टे, मेहताब सिंह,

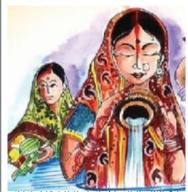
राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम, संदेश झिंगन। मिडफील्डरः अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, जितिन एमएस, लालेंगमाविया राल्टे, कोलाको, सुरेश सिंह वांगजाम, विबिन मोहनन।

फॉरवर्ड : एडमंड लालरिंदिका, इरफान यदवाड, फारुख चौधरी, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह, विक्रम प्रताप सिंह।



नहाय खाय के साथ शुरू होगी छठ पूजा

छट महापर्व सूर्य उपासना का सबसे बड़ा त्योहार होता है। इस पूर्व में भगवान सूर्य के साथ छठी माई की पूजा-उपासना विधि-विधान के साथ की जाती है। यह सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है।



इस पर्व में आस्था रखने वाले लोग सालभर इसका इंतजार करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि छट का व्रत संतान प्राप्ति की कामना, संतान की कुशलता, सुख-समृद्धि और उसकी दीर्घायु के लिए किया जाता है।

नहाए-खाय से छट महापर्व प्रारंभ

यह व्रत बहुत ही कठिन माना जाता है। इसमें 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए इस व्रत को रख जाता है। छठ पूजा का व्रत रखने वाले लोग चौबीस घंटो से अधिक समय तक निर्जल उपवास रखते हैं। इस पर्व का मुख्य व्रत षष्ठी तिथि को रखा जाता है, लेकिन छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से हो जाती है, जिसका समापन सप्तमी तिथि को प्रातः सूर्योदय के समय अर्घ्य देने के बाद समाप्त होता है।

खरना की तारीख

खरना यानी लोहंडा छठ पूजा का दूसरा दिन होता है। इस साल खरना 18 नवंबर को है। इस दिन का सूर्योदय सुबह ०६ बजकर 46 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 05 बजकर 26 मिनट पर होगा।

छट पूजा 2023 पर संध्या अध्य का समय

छट पूजा का तीसरा दिन संध्या अर्घ्य का होता है। इस दिन छट पर्व की मुख्य पूजा की जाती है। तीसरे दिन व्रती और उनके परिवार के लोग घाट पर आते हैं और डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस साल छंट पूजा का संध्या अर्घ्य 19 नवंबर को दिया जाएगा। 19 नवंबर को सूर्यास्त शाम 05 बजकर 26 मिनट पर होगा।

चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घय देने का समय

चौथा दिन छठ पर्व का अंतिम दिन होता है। इस दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और इस महाव्रत का पारण किया जाता है। इस साल 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घय दिया जाएगा। इस दिन सर्योदय ०६ बजकर ४७ मिनट पर होगा।

छटी पूजा का महत्व

छट पूजा के दौरान सूर्यदेव और छटी मैया की पूजा की जाती है। इस पूजा में भक्त गंगा नदी जैसे पवित्र जल में स्नान करते हैं। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव और छठी माता के लिए प्रसाद तैयार करते हैं। दूसरे और तीसरे दिन को खरना और छंट पूजा कहा जाता है। महिलाएं इन दिनों एक कठिन निर्जला व्रत रखती हैं। साथ ही चौथे दिन महिलाएं पानी में खड़े होकर उगते सूरज को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण करती हैं।

छट पूजा में भूलकर भी न करें ये गलतियां

- छठ पर्व के दिनों में भूलकर भी मांसाहारी चीजों का सेवन न करें। साथ ही छट पूजा के दिनों में लहसुन व प्याज का सेवन भी न करें।
- इस दौरान व्रत रख रही महिलाएं सूर्य देव को अर्घ्य दिए बिना किसी भी चीज का सेवन न करें।
- छठ पूजा का प्रसाद बेहद पवित्र होता है। इसे बनाते समय भूलकर भी इसे जुटा न करें।
- पूजा के लिए बांस से बने सूप और टोकरी का ही इस्तेमाल करना चाहिए। पूजा के दौरान कभी स्टील या शीशे के बर्तन प्रयोग न करें।
- साथ ही प्रसाद शुद्ध घी में ही बनाया जाना चाहिए।

लोक आस्था का महापर्व है छट। परम नियम-निष्टा और सात्विकता के साथ चार दिवसीय यह इस पर्व को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

र्य अर्घ्य से कई जन्मों के

को जल का अरघ्य देने के

सूर्य को पूजने का यही एक पर्व है छट। मान्यताओं के अनुसार सूर्य को अर्घ्य देने से इस जन्म के साथ किसी भी जन्म

में किए गए पाप नष्ट हो जाते हैं।

मैया निःसंतान को संतान देती और

संतान की रक्षा करती हैं। सूर्य षष्ठी का

के लिए रखा जाता है। स्कंद पुराण के

व्रत आरोग्य की प्राप्ति, सौभाग्य व संतान

अनुसार राजा प्रियंवद ने भी यह व्रत रखा

था। उन्हें कुष्ठ रोग हो गया था। भगवान

भास्कर से इस रोग की मुक्ति के लिए

छठ पूजा पर तमिलनाडु में मनाते हैं सूरसम्हारम पर्व?

उत्तर भारत में जहां छठ पूजा का पर्व मनाया जाता है

जिसमें सूर्यदेव की पूजा के साथ ही छट मैया की पूजा की

जाती है वहीं दक्षिण भारत में इसी दिन सूरसम्हारम पर्व

मनाया जाता है जिसमें भगवान कार्तिकेय की पूजा की

जाती है। क्या है इस पर्व को मानाने की पीछे की कथा?

भगवान कार्तिकेय को दक्षिण भारत में मुरुगन और स्कंद

कहा जाता है। इसीलिए षष्ठी तिथि को स्कंद षष्ठी के रूप

में जाना जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्टी को

कन्न षष्ठी कहते हैं। यह तमिल हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार

है। इस पर्व की शुरुआत कार्तिक माह की शुक्ल प्रतिपदा

तिथि से ही हो जाती है जिसका समापन षष्टी के दिन होता

है। यानी छह दिवसीय उपवास का पालन किया जाता है।

षष्ठी के दिन पर्व का समापन होता है जिसे सूरसम्हारम

दिवस कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान मुरुगन ने

सुरसम्हारम के दिन असुर सुरपद्मन को युद्ध में पराजित

संदेश के रूप में प्रतिवर्ष सूरसम्हारम का त्योहार मनाते हैं। सूरसम्हारम के अगले दिन थिरु कल्याणम् मनाया

जाता है। थिरुचेन्दुर मुरुगन मंदिर में कन्द षष्ठी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है।

आस्था,श्रद्धा और विश्वास का पर्व है छठ

पर्व । सूर्य की अराधना होती है, उपासना

परिवर्तन होता है तो उस समय एक न

एक त्योहार अवश्य होता है। इस समय

ठंड का मौसम दस्तक देने लगा है।

होती हैं। भारत वर्ष में जब कभी ऋतु

किया था। इसलिए तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के

छट धार्मिक के साथ

कई पर्व हैं लेकिन अस्ताचल

पाप नष्ट हो जाते हैं। सूर्योदय



आरोग्य की प्राप्ति सौभाग्य व संतान के लिए रखा जाता है सूर्य षष्टी व्रत अस्ताचलगामी सूर्य को अरुघ्य देने से छठ उन्होंने छठ व्रत किया था। स्कंद पुराण में

कौन हैं मां षष्टी देवी

छट पर्व पर सर्य आराधना एवं षष्ठी देवी

क्या आप जानते हैं कि षष्ठी देवी कौन हैं

के पजन का विशेष महत्व है। लेकिन

और क्योंकि पड़ा उनका यह नाम?

दरअसल मां षष्ठीं देवी, मां कात्यायनी

का ही रूप हैं और मां कात्यायनी, दुर्गा

का छटा अवतार हैं। शास्त्रों के अनुसार

देवी ने कात्यायन ऋषि के घर उनकी पुत्री

के रूप में जन्म लिया, इस कारण इनका

नाम कात्यायनी पड़ गया। षष्ठी तिथि के

अलावा नवरात्र के छटे दिन कात्यायनी

कैसा है षष्टी देवी का स्वरूप

दिव्य रुपा कात्यायनी देवी का शरीर

सोने के समाना चमकीला है। चार भुजा

धारी मां कात्यायनी सिंह पर सवार हैं।

अपने एक हाथ में तलवार और दूसरे में

अन्य दो हाथ वरमुद्रा और अभयमुद्रा में

कात्यायनी के नाम और जन्म से जुड़ी

क्यों पड़ा देवी का नाम कात्यायनी

नाम के एक महर्षि थे उनका एक पुत्र था

प्रारंभ हो जाता है। सूर्य दक्षिणायन होते

है। जिससे तापमान में कमी होने लगती

है। छढ व्रत बिहार की संस्कृति का एक

हिस्सा है। यह धार्मिक पर्व के साथ-साथ

सांस्कृतिक पर्व भी है। समय जरूर बदला

है किंतु बिहार की संस्कृति नहीं बदली है।

एक कथा के अनुसार एक वन में कत

अपना प्रिय पुष्प कमल लिये हुए हैं।

हैं। इनका वाहन सिंह हैं। देवी

एक कथा प्रसिद्ध है।

देवी की पूरे श्रद्धा भाव से पूजा की जाती

प्रतिहार षष्टी के तौर पर इस व्रत की चर्चा की गई है। वर्षकृत्यम में भी छठ की चर्चा है। अथर्ववेद के अनुसार भगवान भास्कर की मानस बहन हैं षष्ठी देवी। प्रकृति के छटे अंश से षष्टी माता उत्पन्न हुई हैं।

उन्हें बालकों की रक्षा करने वाले भगवान विष्णु द्वारा रची माया भी माना जाता है। बालक के जन्म के छटे दिन भी षष्ठी मइया की पूजा की जाती है। ताकि बच्चे के ग्रह-गोचर शांत हो जाएं। छठ महापर्व खासकर शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि

पश्चात कात्य गोत्र में महर्षि कात्यायन

ने जन्म लिया। उनकी कोई संतान नही

थी। मां भगवती को पुत्री के रूप में पाने

की इच्छा रखते हुएँ उन्होंने पराम्बा की

महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न

दिया। कुछ समय बीतने के बाद राक्षस

महिषासुर का अत्याचार अत्यधिक बढ़

गया। तब त्रिदेवों के तेज से एक कन्या

ने जन्म लिया और उसका वध कर दिया।

चंद्र हासोज्ज वलकरा शार्द्र लवर वाहना

कात्यायनी शभं दद्या देवी दानव घातिनि

मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी मानी

गई हैं। शिक्षा प्राप्ति के क्षेत्र में प्रयासरत

षष्ठांशां प्रकृते : शुद्धां सुप्रतिष्ठाण्च सुव्रताम

सुपुत्रदां च शुभदां दयाँरूपां जगत्प्रसूम।।

प्रसाद की याचना करते हैं। इस प्रसाद को

पाना ही बड़ी उपलब्धि मानते हैं तथा बड़ी

हृष्ठ – केला, मूली, नींबू, नारियल, अदरक,

ईख, गेहूँ के आटे से बना ठेकुआ, सबकुछ

किसान खुद ही उपजाता था। जिस बाँस

की टोकरी में अर्घ्य का यह सारा सामान

रखा जाता है, वह भी खेती-किसानी करने

वाले लोग खुद ही बना लेते थे। यह दीगर

बात है कि शहरों में आ चुके पुरबिया लोगों

को अब यह सारा सामान बाजार से

खरीदना पड़ता है। लेकिन छठ पूजा का

बाजार भी बिल्कुल अलग है। आज भी

सारा सामान पटना और बनारस से आता

श्रद्धा से ग्रहण करते हैं।

श्वेतचम्पकवर्णाभां रत्नभूषणभूषिताम।

पवित्ररुपां परमां देवसेनां परां भजे।।

भक्तों को माता की अवश्य उपासना

करनी चाहिए।

षष्टी देवी मंत्र

कात्य गोत्र में जन्म लेने के कारण देवी

का नाम कात्यायनी पड गया।

षष्टी देवी का सरल मंत्र

होकर देवी ने उन्हें पुत्री का वरदान

कटोर तपस्या की।

का पर्व है। वैदिक मान्यता है कि नहाय-खाय से सप्तमी के पारण तक उन भक्तों पर षष्टी माता की कृपा बरसती है जो श्रद्धापूर्वक व्रत करते हैं। नहाय-खाय में लौकी की सब्जी और अरवा चावल के सेवन का खास महत्व है। चरक संहिता को उद्धृत करते हुए श्रद्धालु बताते हैं कि खरना के प्रसाद में ईख के कच्चे रस, गुड़ के सेवन से त्वचा रोग, आंख की पीड़ा, शरीर के दाग-धब्बे समाप्त हो जाते हैं। तिथियों के बंटवारे के समय सूर्य को सप्तमी तिथि प्रदान की गई। इसलिए उन्हें सप्तमी का स्वामी कहा जाता है। सूर्य अपने प्रिय तिथि पर पुजा से मनोवाँछित फल प्रदान

५ महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना अधूरा है पर्व

षष्टी देवी, छट माई या कहें कि सूर्य षष्टी के अवसर पर पूजन में कोई भी कमी नहीं रहना चाहिए। यहां प्रस्तुत है ५ ऐसी महत्वपूर्ण सॉमग्री जिनके बिना पर्व की परंपरा अधूरी मानी जाती है।



- दूसरी चीज होती है ठेकुआ। गुड़ और गेहूं के आटे से बना टेकुआ छट पर्व का प्रमुख प्रसाद है। इसके
- वाला प्रमुख सामग्री होता है। गन्ना से अर्घ्य दिया जाता है और घाट पर घर भी बनाया जाता है। छट पूजा में केला का प्रसाद के
- छट में केले का पूरा गुच्छा छट मइया को भेंट किया जाता है। शुद्ध जल और दूध का लोटा.यह अर्घ्य देने के कॉम आएगा और





- का सामान पूजा स्थल तक लेकर जाते हैं और भेंट करते हैं।
- बिना पुजा अधुरी मानी जाती है।
- अर्घ्य ही इसी पूरी पूजा के केन्द्र में होता है।



छट पूजा में बांस की टोकरी का विशेष महत्व होता है। इसमें अरघ्य

- गन्ना पूजा में प्रयोग किया जाना
- बिना पूजा अधूरी मानी जाती है ।





भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटल आस्था का अनूव पर्व छठ हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। मार्कण्डेय पुराण में छठ पर्व के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन

यदि इस पर्व के नाम पर विचार करें तो स्पष्ट होता है कि इस पर्व के तिथिसुचक के अपभ्रंस या देशज रूप को ही इस पर्व की संज्ञा के रूप में अपनाया गया है. जैसे कि इसे मुख्य रूप से इसकी षष्ठी तिथी को होने वाली सुर्यदेव की अर्घय के लिए जाना जाता है. इस प्रकार षष्टी तिथी के विशेष महत्व के कारण उसका अपभ्रंस छठ के रूप में हमारे सामने आता है. यूं तो इस पर्व में देवता के रूप में सूर्यदेव की ही प्रतिष्ठा है, पर तिथी के कारण ये छठ नाम से प्रसिद्ध हो गया है. चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है वैसे तो यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है. पर इनमें तुलनात्मक रूप से अधिक प्रसिद्धि कार्तिक मास के छठ की ही है. हिंदू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक मास में दीपावली बीतने के बाद इस चार दिवसीय पर्व का आगाज हो जाता है. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर ये पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी

को भोर की अर्घ्य देने के साथ समाप्त होता है. इस चार दिवसीय पर्व का आगाज 'नहाय खाय' नामक एक रस्म से होता है. इसके बाद खरना, फिर सांझ की अर्घ्य व अंतत भोर की अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है. यूं तो ये पर्व चार दिवसीय होता है, पर मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है. व्रती व्यक्ति द्वारा पानी में खड़े होकर सूर्य देव को ये अर्घ्य दिए जाते हैं. इसी ऋम में उल्लेखनीय होगा कि संभवतः ये अपने आप में ऐसा पहला पर्व है जिसमे कि डूबते और उगते दोनों ही सूर्यों को अर्घय दिया जाता है; उनकी वंदना की जाती है. सांझ-सुबह की इन दोनों अर्घ्यों के पीछे हमारे समाज में एक आस्था काम करती है. वो आस्था ये है कि सूर्यदेव की दो पिलयां हैं- ऊषा और प्रत्युषा. सूर्य के भोर की किरण ऊषा होती है और सांझ की प्रत्युषा, अतः सांझ-सुबह दोनों समय अर्घ्य देने का उद्देश्य सूर्य की इन दोनों पिलयों की अर्चना-वंदना होता है. छठ के गीत तो धुन, लय, बोल आदि सभी मायनों में एक अलग और अत्यंत मुग्धकारी वैशिष्ट्य लिए हुए होते हैं. 'कांच ही बांस के बहन्गियां', 'मरबों जे सुगवां धनुष से', 'केलवा के पात पर', 'पटना के घाट पर' आदि इस पर्व के कुछ सुप्रसिद्ध गीत हैं, जिन्हें तमाम गायकों द्वारा गाया भी जा चुका है. आलम यह कि जिसका वास्ता छट से न हो, वह भी अगर इन गीतों को सुने और समझ सके तो इनके आकर्षण से

प्रसाद में घर में बने ठेकुआ का विशेष महत्व है

प्रसाद को भी विविधतापूर्ण और विशेष बनाती हैं.

नहीं बच सकता. केला, सेब, अन्नानस, आदि अनेक फलों

के अतिरिक्त गन्ना और घर में बने ठेकुआ आदि चीजें इसके

इस पर्व का प्रभाव भारतीय राजनीति में भी व्यापक रूप से देखने को मिलता है. अब यूपी-बिहार तो खैर इस पर्व के गड़ ही हैं, तो वहां तो नेताओं द्वारा इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा आदि की चाक-चौबंद व्यवस्था की ही जाती है, साथ ही राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे तमाम राज्यों जहां यूपी-बिहार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है, में भी सरकारें छठ के पूरी तैयारी करती हैं. बिहार में तो अक्सर मुख्यमंत्री खुद ही सपरिवार छठ घाट पहुंचकर पूजन-अर्घ्य आदि करते हैं. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लॉलू यादव के यहां होने वाला छठ का भारी भरकम आयोजन तो खैर देश भर में ही प्रसिद्ध है. मोटे तौर पर जनसामान्य की मान्यता है कि ये सिर्फ स्त्रियों का पर्व है और काफी हद तक ये मान्यता सही भी है. पर इसके साथ ही ये भी एक सत्य है कि पुरुष के बिना इस पर्व की कई रस्मे अधुरी ही रह जाएंगी. उदाहरणार्थ इस पर्व की एक अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म जिसमे कि घर के पुरुष द्वारा पुजन सामग्री का डाल सिर पर उठाकर छठ के घाट तक ले जाया जाता है. पुरुष के होने की स्थिति में ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है. लिहाजा इसे सिर्फ स्त्रियों का पर्व कहना किसी लिहाज से सही नहीं लगता.

ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक

भारत के अधिकाधिक पर्वो की एक विशेषता ये भी है कि वो किसी न किसी पौराणिक मान्यता से प्रभावित होते हैं. छठ के विषय में भी ऐसा ही है. इसके विषय में पौराणिक मान्यताएं तो ऐसी हैं कि अब से काफी पहले रामायण अथवा महाभारत काल में ही छठ पूजा का आरम्भ हो चुका था. कोई कहता है कि सीता ने तो कोई कहता है कि कुंती या द्रोपदी ने सर्वप्रथम ये छढ व्रत और पूजा की थी. एक मान्यता यह भी है कि सर्वप्रथम महाभारत कालीन सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य का पूजन किया था, जिसके बाद यह परम्परा चल पड़ी. अब जो भी हो, पर इतना अवश्य है कि अगर आपको भारतीय थ्रंगार, परम्परा, शालीनता, सद्भाव, और आस्था समेत सांस्कृतिक समन्वय की छटा एकसाथ देखनी हो तो अर्घ्य के दिन किसी छट घाट पर चले जाइए. आप वो देखेंगे जो आपके मन को प्रफुलित कर देगा.



हॉरर-कॉमेडी फिल्म के लिए साथ आए सिद्धांत चतुवेर्दी और दिशा पाटनी, अगले साल शुरू होगी शूटिंग

सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयार है। सोशल मीडिया पर अभिनेता की नई फिल्म को लेकर कई तरह की जानकारियां सामने आ रही हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि उन्हें विकास बहल की भविष्य की साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म मिल गई है, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन भी हैं। साथ ही कुछ दिनों पहले बताया गया था कि सिद्धांत एक हाई-कॉन्सेप्ट कॉमिक कैपर के लिए बातचीत कर रहे हैं और इसमें श्रीलीला और नोरा फतेही भी हो सकती हैं वहीं, अब अभिनेता की एक और नई फिल्म के बारे में जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धांत को एक और रोमांचक फिल्म मिल गई है, वह भी हॉरर कॉमेडी जॉनर में। सिद्धांत चतुर्वेदी और दिशा पाटनी कथित तौर पर एक नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म में स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। इस परियोजना का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे, जो पहली बार इस शैली में काम कर रहे हैं।

इस दिन शुरू होगी शूटिंग

दोनों कलाकार इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, क्योंकि यह हॉरर कॉमेडी का एक अनुटा रूप पेश करता है। यह फिल्म 2025 की शुरुआत में फ्लोर पर आएगी। कथित तौर पर मिलाप जावेरी इस हॉरर कॉमेडी फिल्म का निर्देशन करने के लिए उत्साहित हैं। अब इस खबर के बाद से प्रशंसक भी काफी खुश हैं।

फिल्म का निर्माण और निर्देशन

बताया गया कि मिलाप जावेरी जनसमूह के बारे में सोचते हैं और उन्होंने यह सनिश्चित किया है कि वे इसमें व्यावसायिक तत्व भी जोड़ेंगे, ताकि फिल्म व्यापक दर्शकों को आकर्षित कर सके। फिल्म को अश्विन वर्दे और सुभाष काले निर्मित करेंगे। यह परियोजना मिलाप जावेरी की बढती निर्देशकीय परियोजनाओं की सूची में एक और अतिरिक्त होगी, जिसमें आगामी कॉमेडी फिल्म मस्ती 4 भी शामिल है।

सिद्धांत-दिशा की आने वाली फिल्में

सिद्धांत चतुर्वेदी को हाल ही में एक्शन फिल्म युद्रा में देखा गया था और नेटफ्लिक्स फिल्म खो गए हम कहां (२०२३) में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें तारीफें मिलीं। ऐसा कहा जा रहा है कि वह श्रीलीला और नोरा फतेही के साथ एक कॉमिक के लिए भी बातचीत कर रहे हैं। इस बीच, दिशा पटानी ने योद्धा (2024) में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित किया और किल्क 2898 एडी में एक कैमियो किया। उनकी आने वाली फिल्मों में कंगुवा और





नोरा फतेही ने हाल ही में बॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि कैसे एक न्यूकमर के रूप में उन्होंने कई किंदन परिस्थितियों का सामना किया। शुरुआत में, वह ऐसे लोगों से मिलीं जो दावा करते थें कि वे उनकी मदद कर सकते हैं लेकिन उनके इरादे छिपे हुए थे। कुछ लोगों ने उन्हें बडे प्रोडक्शन हाउस से जोड़ने का वादा किया, लेकिन इससे अक्सर डरावनी स्थितियां पैदा हुईं। नोरा ने कुछ अन्य बड़े खुलासों से भी हर किसी को दंग कर

नोरा ने सुनाए मासूम दिनों के डरावने किस्से

नोरा फतेही सिर्फ 22 साल की थीं और

कनाडा से भारत में नई-नई बसी थीं। किसी को जाने बिना, वह अक्सर गलत लोगों पर भरोसा करती थीं. यह मानकर कि उनके इरादे अच्छे थे। राजीव मसंद के साथ बातचीत में नोरा ने बताया, अब, मैं कहूंगी कि मैं आपके साथ क्यों आ रही हूं? आप मुझसे क्या चाहते हैं? जाहिर है, कोई भी कुछ भी मुफ्त में नहीं करता है, लेकिन उस समय, मैं ऐसी थी जैसे कि भगवान ने इस व्यक्ति को मेरे पास भेजा है और मैंने अपने भोलेपन की वजह से बहुत सारे बेवकुफों का अनुसरण किया।

हर राह पर मिली चुनौती उन्हें धीरे-धीरे पता चला कि जब ये लोग उन्हें

सही लोगों से मिलवाते थे, तब भी इनमें से कुछ लोग बदले में कुछ पाने की उम्मीद करते थे, जिससे उन्हें असुरक्षित महसूस होता था। नोरा ने कहा, इसने मुझे वास्तव में डरावनी स्थितियों

में डाल दिया, जहां आखिरी में शख्स ऐसा कहेगा कि चलो, मुझे इससे क्या मिलेगा? और इसने मुझे इन डरावनी स्थितियों में पहुंचा दिया जहां मुझे उस व्यक्ति से लड़ना पड़ा। ये वाकई में बेहद अजीब था।

धीरे-धीरे समझ आए दांवपेंच नोरा ने धीरे-धीरे हताश दिखने की स्थिति से

बचना सीख लिया, क्योंकि यह अक्सर मुसीबतों को आमंत्रित करता था। इसके बजाय, उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि वह अभिनय के लिए तैयार हैं लेकिन पढ़ाई के लिए घर लौटने के लिए भी तैयार हैं। इस दृष्टिकोण ने उन्हें अवांछित ध्यान से बचने में मदद की। हालांकि, नोरा को इंडस्ट्री में जिस अस्वीकृति का सामना करना पड़ा, उससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर काफी असर पड़ा और अभिनेत्री ने इससे निपटने के लिए थेरेपी की मांग की।

थेरेपी लेने की पड गई जरूरत

नोरा को याद आया कि लोग पछते थे कि क्या वह अगली कैटरीना कैफ बनना चाहती हैं, जिससे उनका सपना असंभव लगने लगा था। नोरा ने अपनी बात में जोड़ा, आप में से बहुत से लोग अच्छे नहीं हैं, बहुत से लोग क्या आप अगली कैटरीना कैफ बनना चाहते हैं? जैसे सवाल पूछकर आपका मनोबल तोड़ देते हैं। मैंने थेरेपी की तलाश की क्योंकि जब आपको बहुत अधिक अस्वीकृति मिलती है, जो मुझे बहुत मिली तो आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक चुनौतीपूर्ण समय था, लेकिन इसने उन्हें मजबूत बनाया। अब, नोरा को बॉलीवुड में सफलता मिल गई है, लेकिन उनकी यात्रा ने उन्हें सावधान रहना और खुद के

प्रति सच्चा रहना सिखाया है।





'आजाद' से डेब्यू करेंगे अजय देवगन के भतीजे अमन, साथ दिखेंगी रवीना टंडन की बेटी राशा

फिल्म जगत को एक से बढ़कर एक सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी डेब्यू के लिए तैयार हैं। राशा के साथ अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन नजर आएंगे। हिंदी सिनेमा की खुबसूरत एक्टर रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म 'आजाद' में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अमन दिखेंगे। फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर करने जा रहे हैं। अभिषेक के सफल निर्देशक माने जाते हैं। उन्होंने मनोरंजन जगत को 'रॉकऑन', 'केदारनाथ' और 'चंडीगढ करे आशिकी' जैसी फिल्में दी हैं।

निर्माताओं ने बुधवार को आगामी फिल्म टाइटल का खुलासा कर प्रशंसकों को एक झलक दिखाई है। रोमांचक फिल्म अमन देवगन और राशा थडानी की बडी शुरुआत है। फिल्म का टीजर इस दिवाली पर सिनेमाघरों में बड़ी फिल्मों जैसे सिंघम अगेन और भूल भुलैया ३ के साथ रिलीज किया जाएगा। राशा और अमन की पहली झलक 1 नवंबर से देख सकेंगे। रॉनी स्वरूवाला और प्रज्ञा कपूर द्वारा निर्मित आजाद भरपूर मनोरंजन का वादा करती है। फिल्म अगले साल जनवरी (2025) में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। चंडीगढ़ करे आशिकी के बाद अभिषेक की यह पहली फिल्म है। अभिषेक ने म्यूजिकल ड्रामा रॉकऑन से बड़ी सफलता हासिल की, जिसमें अभिनेता फरहान अख्तर और प्राची देसाई ने अर्जुन रामपाल के साथ मुख्य भूमिकाएं निभाई थी। रिलीज के बाद फिल्म को आलोचकों ने काफी सराहा था। फिल्म का कॉसेप्ट, कहानी, साउंडट्रैक और कलाकारों के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा हुई। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत व्यावसायिक संफलता वाली रही। इसके बावजूद कपूर के करियर के लिए यह फिल्म शानदार साबित हुई और उन्हें हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। अभिषेक कपूर ने साल 2013 में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत, राजकुमार राव, अमित साध और अमृता पुरी स्टारर फिल्म

> 'काई पो छे' लिखी थी। उन्होंने फिल्म का निर्देशन भी भगत के उपन्यास 'द ३ मिस्टेक्स ऑफ माई लाइफ (2008) पर आधारित थी और इसका विश्व प्रीमियर 63वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ था।

डकी और जुड़वा 2 को लेकर बोली तापसी, मैंने पैसों के लिए ये फिल्में नहीं की बल्कि...

एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगे सलमान खान-अजय देवगन रोहित शेट्टी की फिल्म में करेंगे काम



मंडे टेस्ट में फेल हुई सिंघम अगेन, कलेक्शन में आई बड़ी गिरावट

अजय देवगन की सिंघम अगेन लोगों गिरावट नजर आई है। सोमवार को

फिल्म ने खबर लिखे जाने तक महज

किया था। फिल्म की कुल कमाई अब

पहुंच सकी है। कलेक्शन के ये आंकड़े

निर्माताओं के लिए किसी बड़े झटके

बेहतर स्थिति कार्तिक आर्यन की भूल

भुलैया ३ की है। यह फिल्म टिकट

हिट की राह हुई मुश्किल

खिंड़की पर लगातार अच्छा कारोबार

सिंघम अगेन का बजट करीब 350

करोड़ के आस-पास है। फ़िल्म के

इसकी लागत ही है। बड़े सितारों से

लिए 700 करोड़ रुपये का बिजनेस

करना होगा, जो कि मौजूदा स्थिति

के हिसाब से काफी मुश्किल ही

नजर आ रहा है।

हिट होने के बीच सबसे बड़ी बाधा

सजी इस फिल्म को हिट होने के

से कम नहीं है। सिंघम अगेन से

कर रही है।

12.51 करोड़ रुपये का कलेक्शन

तक 134 26 करोड़ रुपये तक ही

के दिलों में अपनी खास जगह नहीं

बना सकी है। पहले दिन से ही यह

फिल्म अच्छी कमाई नहीं कर सकी

है। बड़ी स्टारकास्ट और जमकर

प्रचार के बावजूद फिल्म की कमाई

का ग्राफ लगातार नीचे आ रहा है।

ने कितना कारोबार किया है।

आइए जानते हैं कि चौथे दिन फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर स्थिति खराब

सिंघम अगेन की चर्चा बीते काफी

समय से चली आ रही थी। इसको

प्रचार किया गया, लेकिन कमजोर

कहानी इस फिल्म के आड़े आ गई

और अब इस पर फ्लॉप होने का

खतरा भी मंडराने लगा है। पहले

दिन से ही इस फिल्म की बॉक्स

ऑफिस पर स्थिति डांवाडोल है।

वहीं, अब सोमवार की परीक्षा भी

यह फिल्म पास नहीं कर सकी है।

शुरुआती आंकड़ों की मानें तो चौथे

दिन फिल्म की कमाई में बडी

लेकर टीम की ओर से काफी ज्यादा

निर्माता निर्देशक रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स की फिल्मों के कारण चर्चा में रहते हैं। रोहित शेट्टी ने दिवाली पर अपनी फिल्म सिंघम अगेन के साथ बॉक्स ऑफिस और दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। रोहित शेट्टी अब अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। खबरों की मानें तो रोहित शेट्टी अभिनेता सलमान खान और अजय देवगन एक साथ एक और नई और बड़ी एक्शन फिल्म के लिए काम कर रहे हैं।

सिंघम अगेन में किया कैमियो

से गुजरते हैं।

सलमान खान और अजय देवगन की साथ में एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं। इस खबर को सुनने के बाद प्रशंसक काफी खुश और उत्साहित हैं। सलमान खान ने हाल ही में अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में कैमियो किया है। दोनों ही अभिनेताओं के देश में बहुत बडी संख्या में प्रशंसक हैं।

प्रशंसकों ने की सिंघम अगेन की तारीफ

आज बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। इसमें सलमान खान ने दबंग सीरीज से चुलबुल पांडे की अपनी लोकप्रिय भूमिका में कैमियो किया है। प्रशंसक उनकी भूमिका को देंखकर खुशी से झूम उठे और टिवटर पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं। साल 2010 में आई थी फिल्म दबंग साल 2010 में अभिनेता सलमान खान अपनी फिल्म दबंग में चुलबुल पांडे का किरदार निभाया था, फिल्म को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है। साथ ही अजय देवगन के साथ रोहित शेट्टी ने पहली कॉप यूनिवर्स फिल्म सिंघम के साथ शुरुआत की थी। इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया था। रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स फिल्म सिंघम अगेन में कई सारे बॉलीवुड सितारे नजर आए। इस फिल्म में अभिनेता अजय देवगन के साथ दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, करीना कपूर, सलमान खान. टाइंगर श्रॉफ, अक्षय कुमार, अर्जुन कपूर जैसे सितारें नजर